रांची

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

www.vananchaleye@gmail.com

हर खबर पर पहली नजर

₹5

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 | वर्ष:01 | अंक:56 | शुक्रवार,31 अक्टूबर

ब्रीफ न्यूज

रांची में तंबाकू प्रतिष्ठानों पर लगा ₹11,000 का जुर्माना

संवादाता

रांची : रांची सदर एसडीओ उत्कर्ष कुमार के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग के टोबैको कंट्रोल सेल की टीम एवं लालपुर थाना के पदाधिकारी एवं सुरक्षा बल द्वारा अभियान चलाया गया। इसमें लालपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत शैक्षणिक संस्थान, सरकारी संस्थान, अस्पताल एवं सार्वजनिक स्थानों पर कुछ लोग धूम्रपान करते हुए पाए गए। वहीं, 16 प्रतिष्ठानों में तंबाकू की बिक्री की जा रही थी। उनपर छापामार दस्ते के द्वारा दंड स्वरूप कुल 11000 रुपए का जुर्मानालगाया गया।

प्रदेश भाजपा ने अपने चार नेताओं को पार्टी से निकाला

संवादाता

रांची : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी के निर्देशानुसार प्रदेश महामंत्री मनोज कुमार सिंह के हस्ताक्षर से जारी पत्र में प्रदेश भाजपा ने पूर्वी सिंहभूम जिला के चार पार्टी नेताओं को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। घाटशिला उपचुनाव प्रचार में इन नेताओं का आचरण पार्टी उम्मीदवार के खिलाफ पाया गया है। इसी कारण इन नेताओं को प्रदेश भाजपा ने पार्टी से निष्कासित किया है। निष्कासित नेताओं में पूर्वी सिंहभूम जिला के पूर्व जिलाध्यक्ष सौरभ चक्रवर्ती, जिला परिषद उपाध्यक्ष पंकज सिन्हा, पूर्व मंडल अध्यक्ष तुषारकांत और सक्रिय कार्यकर्ता सुरेश महली शामिल हैं। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है।

रांची नगर निगम को जवाब दाखिल करने का दिया आदेश

संवादाता

रांची : झारखंड हाईकोर्ट ने गुरुवार को राजधानी रांची स्थित लालपुर, नगड़ाटोली स्थित राजकीयकृत प्राथमिक विद्यालय में बने शौचालय की दुर्दशा मामले में स्वतः संज्ञान लिया है। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मामले को गंभीरता से लेते हुए रांची नगर निगम को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने नगर निगम से पूछा है कि उक्त स्कूल का शौचालय का दरवाजा टूट जाने के बाद उसकी मरम्मतक्यों नहीं की गई। स्कूल में बने नगर निगम का शौचालय इतना गंदा क्यों है? उसमें ताला क्यों जड़ा हुआ है। मामले में अगली सुनवाई छह नवंबर को होगी। रांची नगर निगम की ओर से अधिवक्ता एलसीएन शाहदेव ने पक्ष रखा। दरअसल, रांची से प्रकाशित एक समाचारपत्र में उल्लेख किया गया है कि उक्त स्कूल के शौचालय का दरवाजा पूरी तरह से टूटा हुआ है, ऐसे में स्कूल की बच्चियों को शौचालयजाने के लिए टूटे दरवाजे का इस्तेमाल करना पड़ता है। स्कूल परिसर में ही नगर निगम की ओर से भी तीन मॉड्यूलर टॉयलेट बनाए गए हैं लेकिन इसकी दो यूनिट में ताला जड़ा हुआ है और एक यूनिट का दरवाजा खुला है, लेकिन वहां इतनी गंदगी है कि पास जाते ही खड़ा रहना मुश्किल है।

मुंबई के पवई इलाके में सनसनीखेज घटना

ऑडिशन के नाम पर स्टूडियो बुला 17 बच्चों को बनाया बंधक, एनकाउंटर में ढेर

एजेंसी

मुंबई : मुंबई के पवई इलाके में गुरुवार को फिल्म ऑडिशन के बहाने 17 बच्चों समेत 19 लोगों को बंधक बनाने वाले आरोपी रोहित आर्या को पुलिस ने एनकाउंटर में मार गिराया। आरोपी को गोली लगने के बाद अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सभी बंधकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। पुलिस के मुताबिक, दोपहर करीब 1:45 बजे आर्या ने पवई स्थित रा स्टूडियो में 17 बच्चों, एक वरिष्ठ नागरिक और एक व्यक्ति को बंधक बना लिया। इस स्टूडियो में पिछले 4-5 दिनों से एक्टिंग क्लासेस और वेब सीरीज ऑडिशन चल रहे थे। रोहित आर्या, जो खुद को कास्टिंग डायरेक्टर बताता था, ने सोशल मीडिया पर विज्ञापन देकर 15 साल से कम उम्र के बच्चों को 'फिल्म में ब्रेक' का लालच दिया। दोपहर 1:45 बजे लंच टाइम पर उसने अचानक 80 बच्चों को वापस भेज दिया और बाकी 17 बच्चों, एक बुजुर्ग तथा एक अन्य व्यक्ति को अंदर बंद कर लिया। बंधक बच्चों ने खिड़कियों से बाहर मदद की गुहार लगाई, जिससे आसपास के लोग शोर मचाने लगे। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, एटीएस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं और इलाके को चारों ओर से घेर लिया। आरोपी लगातार पुलिस को चेतावनी देता रहा और कहता रहा कि कार्रवाई की गई तो परिणाम गंभीर होंगे।

करीब एक घंटे की बातचीत विफल रहने के बाद पुलिस ने बाथरूम के रास्ते से अंदर घुसकर स्पेशल कमांडो ऑपरेशन चलाया। इस दौरान आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग की और बच्चों को मानव ढाल बनाने की कोशिश की। जवाबी कार्रवाई में उसे गोली लगी और पुलिस ने सभी बंधकों को सुरक्षित निकाल लिया। मौके से एक एयरगन और कुछ रासायनिक पदार्थ मिले हैं, जिन्हें फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी मानसिक रूप से अस्थिर लग रहा था और उसने ऑडिशन के नाम पर सौ से अधिक बच्चों को बुलाया था।

सरकार के पास बकाया थे आर्या के दो करोड़

जानकारी सामने आई है कि रोहित आर्या ने महाराष्ट्र में शिक्षा विभाग के 'मेरा स्कूल, सुंदर स्कूल' अभियान के तहत शुरू किए गए स्वच्छता अभियान के लिए काम किया था। आर्या ने पूर्व में कहा था कि विभाग ने उसके काम के लिए 2 करोड़ रुपये मंजूर किए थे, लेकिन जनवरी 2024 से उसे भुगतान नहीं किया गया। इसे लेकर आर्या ने पिछले साल दो बार भूख हड़ताल भी की थी। आर्य ने दावा किया है कि उस दौरान शिक्षा मंत्री रहे दीपक केसरकर ने उसे व्यक्तिगत रूप से 7-8 लाख रुपये का चेक जारी किया था और बाद में बकाया पैसा देने काका वादा किया था। जो दावा आज तक पूरा नहीं हुआ।मैं रोहित आर्या हूं। सुसाइड करने के बजाय मैंने एक योजना बनाई है और कुछ बच्चों को यहां बंधक बनाकर रखा है। मेरी ज्यादा मांगें नहीं हैं। मेरी बहुत ही साधारण मांगें हैं, नैतिक मांगें हैं और कुछ सवाल हैं। मैं कुछ लोगों से बात करनाचाहता हूं, उनसे सवाल पूछना चाहता हूं।

बिहार के चुनावी जंग में एक-दूसरे पर तेज हुए जुबानी हमले

बिहार का अपमान बर्दाश्त नहीं : पीएम

पटनाःगुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुजफ्फरपुर और छपरा में चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस-राजद पर जमकर हमला बोला। छपरा में उन्होंने कहा, नरेंद्र-नीतीश आपके सपने को पूरा करने में जुटे हैं। वहीं कांग्रेस-राजद वाले बिहार और बिहारियों का अपमान करते हैं। यह हमारे लिए बर्दाश्त करने लायक नहीं। तेलंगाना और कर्नाटक में कांग्रेस के नेता बिहारियों को गालियां देते हैं। तमिलनाडु में डीएमके नेता बिहारियों को प्रताड़ित करते हैं और इस बार के चुनाव में तो कांग्रेस ने सारी हदें पार कर दी है। जिन लोगों ने बिहार को गालियां दी, उन्हें कांग्रेस ने चुनाव प्रचार के लिए बुलाया। ये सोची-समझी साजिश के तहत हो रहा है।इससे पहले मोदी ने मुजफ्फरपुर में भी कांग्रेस-राजद पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने जंगलराज से लेकर कांग्रेस-राजद के चुनावी प्रचार को लेकर हमला बोला। पीएम ने कहा, हमारी सरकार छठ महापर्व को यूनेस्को की विश्व विरासत की सूची में शामिल कराने की कोशिश में है। एक ओर आपका बेटा छठी मइया की जयकार दुनिया में कराने में लगा है। दूसरी तरफ कांग्रेस-राजद छठी मइया का अपमान कर रहे हैं। क्या कोई कभी भी वोट पाने के लिए छठी मइयाका अपमान कर सकता है क्या।प्रधानमंत्री ने कहा कि राजद और कांग्रेस वाले कभी दलितों को सम्मान नहीं दिलवा सकते हैं। ये बाबा साहेब की तस्वीर को अपने पैरों में रखते हैं। हमने डिजिटल पेमेंट के नाम पर एप का नाम भीम एप रखा है। सभी को सामाजिक न्याय मिले, सबको सम्मान मिले यही बीजेपी और एनडीए का मूल मंत्र है।

नीतीश को कंट्रोल कर रहे मोदी : राहुल

पटनाःगुरुवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने नालंदा के नूरसराय में चुनावी जनसभा को संबोधित। उन्होंने कहा, नीतीश कुमार कहते हैं कि 20 साल में बिहार को बदल दिया, लेकिन मैं पूछता हूं कि क्या बिहार में अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य मिल सकता है। यहां के युवाओं को अच्छी शिक्षा और लोगों को अच्छी चिकित्सा सेवा नहीं मिल रही है। बिहार के अस्पतालों में लोग जीने नहीं, मरने जाते हैं। दूसरी तरफ पीएम मोदी खड़े हैं। पीएम के हाथ में नीतीश का रिमोट है। मोदी नीतीश को कंट्रोल कर रहे हैं। नीतीश से जो करवाना है, पीएम करवा देंगे। बिहार को नीतीश नहीं चलाते हैं। सरकार अमित शाह-मोदी और नागपुर वाले (आरएसएस) चलाते हैं।राहुल गांधी ने कहा, मैं बिहार के युवाओं से सवाल पूछना चाहता हूं। जब आप दुबई और बेंगलुरु जैसा शहर बना सकते हो तो ये बिहार में क्यों नहीं कर पाते हो। एक समय होता था, जब नालंदा की यूनिवर्सिटी पूरी दुनिया में मशहूर थी। जापान, कोरिया, इंग्लैंड से लोग पढ़ाई करने आते थे। दुनिया की शिक्षा का सेंटर नालंदा था। आज बिहार की यूनिवर्सिटी के बारे में दूसरे लोगों से पूछिए। कहते हैं यहां सिर्फ पेपर लीक होता है। जिनकी सेटिंग है, उन्हें पेपर मिल जाता है। बिहार के बाकी युवा देखते रह जाते हैं।राहुल गांधी ने कहा, मोदी जी ट्रंप से डरते हैं। 50 बार अमेरिकी राष्ट्रपति ने बोला है। मैंने नरेंद्र मोदी को डराकरऑपरेशन सिंदूर बंद कराया है।

आदिवासी जनाक्रोश रैली में शामिल होने जा रहे थे लोग वाहन दुर्घटनाग्रस्त, 4 मरे

संवाददाता

रांचीःगुरुवार को रांची-टाटा नेशनल हाईवे-33 पर यात्रियों से भरा सवारी वाहन पलट गया। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि लगभग 23 लोग घायल हो गए। घटना बुंडू थाना क्षेत्र के गोसाईंडीह के पास हुई। सभी लोग अड़की के बिरड़ीह गांव से बुंडू के ताऊ मैदान में आयोजित आदिवासी जनाक्रोश रैली में शामिल होने जा रहे थे। एसडीएम किस्टो कुमार बेसरा ने बताया कि हादसे में 23 यात्री जख्मी हुए हैं। इनमें से 15 को रिम्स रेफर किया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सवारी वाहन टाटा से रांची की ओर आ रही एक बस को ओवरटेक करने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान अचानक सवारी वाहन का अगला टायर ब्लास्ट हो गया। तेज गति में होने के कारण वाहन अनियंत्रित होकर बस को हल्की टक्कर मारते हुए सड़क किनारे गड्ढे में पलट गया।

बुंडू में दर्दनाक हादसा

रैली को किया गया स्थगित

घाटशिला उपचुनाव से पहले पूर्वी सिंहभूम में भाजपा को झटका

कई नेताओं ने थाम लिया झामुमो का दामन

संवाददाता

जमशेदपुर : झारखंड की घाटशिला विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को पूर्वी सिंहभूम जिले में बड़ा झटका लगा है। पार्टी के कई वरिष्ठ और प्रभावशाली नेताओं ने भाजपा छोड़कर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) का दामन थाम लिया है। इन नेताओं ने गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मौजूदगी में झामुमो की सदस्यता ग्रहण की। झामुमो में शामिल होने वालों में जिला परिषद उपाध्यक्ष पंकज सिन्हा, पूर्वी सिंहभूम भाजपा जिला अध्यक्ष (ग्रामीण) व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सौरभ चक्रवर्ती, घाटशिला मंडल अध्यक्ष कौशिक सिन्हा, मुसाबनी भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष तुषार पात्रो, भाजपा के मीडिया प्रभारी सुरेश महली और जमशेदपुर के जंबू अखाड़ा अध्यक्ष बंटी सिंह प्रमुख हैं। इनके साथ कई स्थानीय कार्यकर्ता भी झामुमो में शामिल हुए। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सभी नेताओं का पार्टी में स्वागत करते हुए कहा कि इनके अनुभव और सक्रियता से झामुमो संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि झामुमो की सरकार जनता के भरोसे और विकास की नीतियों पर कायम है, और नए साथियों के जुड़ने से यह प्रतिबद्धता और सशक्त होगी। कार्यक्रम में झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता और पूर्व विधायक कुणाल षड़ंगी तथा जिला परिषद अध्यक्ष बारी मुर्मू भी उपस्थित रहे। भाजपा में शामिल हुए नेताओं ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में निष्ठा व्यक्त की। उधर, भाजपा ने इनमें से चार नेताओं को पार्टी से निष्कासित करने का एलान किया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के निर्देश पर प्रदेश महामंत्री मनोज कुमार सिंह के हस्ताक्षर से जारी पत्र में कहा गया है कि घाटशिला उपचुनाव प्रचार के दौरान पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त पाए जाने पर पूर्वी सिंहभूम के चार नेताओं सौरभ चक्रवर्ती, पंकज सिन्हा, तुषारकांत और सुरेश महली को तत्काल प्रभाव से पार्टी से निष्कासित किया जाता है।

मुख्यमंत्री से गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा व गुरुद्वारा श्री गुरुनानक सत्संग सभा के शिष्टमंडल ने की मुलाकात

प्रकाश पर्व उत्सव में शामिल होने के लिए किया आमंत्रित

संवादाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से बुधवार को मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, मेन रोड, रांची तथा गुरुद्वारा श्री गुरुनानक सत्संग सभा, रातू रोड, रांची के एक शिष्टमंडल ने मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री को श्री गुरुनानक देव जी महाराज के 556 वां प्रकाश पर्व के पावन अवसर पर आगामी तीन नवंबर को गुरुद्वारा श्री गुरुनानक सत्संग सभा, कृष्णा नगर, कॉलोनी, रातू रोड की ओर से आयोजित होने वाले भव्य नगर- कीर्तन एवं पांच नवंबर को पीपी कंपाउंड स्थित गुरु नानक स्कूल परिसर, रांची में आयोजित होनेवाले प्रकाश पर्व उत्सव समारोह में सम्मिलित होने के लिए सादर आमंत्रित किया।

न्यूज स्टडी | बच्चों को एचआईवी संक्रमित रक्त चढ़ाने के मामले में झारखंड हाईकोर्ट सख्त

अफसरों को फटकारा, पूछा- बिना लाइसेंस के कैसे चल रहे ब्लड बैंक?

एजेंसी

रांची : झारखंड हाईकोर्ट ने रांची और चाईबासा में थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को एचआईवी संक्रमित रक्त चढ़ाए जाने के मामलों पर स्वतः संज्ञान से दर्ज जनहित याचिका पर गुरुवार को सुनवाई करते हुए राज्य सरकार के अफसरों को कड़ी फटकार लगाई। अदालत ने राज्य सरकार के स्वास्थ्य तंत्र पर कड़ी नाराजगी जताते हुए तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने का निर्देश दिया। मुख्य न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने कहा कि ऐसी घटनाएं अत्यंत गंभीर हैं। राज्य सरकार ने इस तरह की घटनाएं रोकने के लिए अब तक ठोस कदम नहीं उठाए हैं। अदालत में सुनवाई के दौरान स्वास्थ्य सचिव अजय कुमार सिंह, झारखंड एड्स कंट्रोल सोसाइटी के प्रोजेक्ट डायरेक्टर और राज्य औषधि नियंत्रक व्यक्तिगत तौर पर उपस्थित रहे। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने टिप्पणी की कि पूर्व में भी इस मामले पर निर्देश दिए गए थे, लेकिन रांची और चाईबासा में संक्रमित रक्त चढ़ाए जाने की घटनाएं यह दर्शाती हैं कि सरकार ने पर्याप्त कार्रवाई नहीं की। अदालत ने सवाल उठाया कि न्यूक्लिक एसिड टेस्ट मशीन अब तक अस्पतालों में क्यों नहीं लगाई गई है और झारखंड में बिना लाइसेंस के ब्लड बैंक कैसे संचालित हो रहे हैं? कोर्ट ने यह भी पूछा कि कई ब्लड बैंकों के लाइसेंस दो वर्षों से लंबित क्यों हैं और पैसे लेकर ब्लड डोनेशन की प्रथा पर रोक क्यों नहीं लगाई जा रही है? खंडपीठ ने सरकार को शपथपत्र के माध्यम से राज्य के सरकारी और निजी अस्पतालों में आयोजित ब्लड डोनेशन कैंपों का ब्योरा देने का निर्देश दिया। इसके साथ ही यह भी पूछा गया है कि राज्य में रक्त की कुल आवश्यकता कितनी है और उपलब्धता कितनी हो पाती है।अदालत ने झारखंड में नेशनल ब्लड पॉलिसी को प्रभावी बनाने के लिए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) तैयार करने का भी आदेश दिया। राज्य के महाधिवक्ता राजीव रंजन ने अदालत को बताया कि सरकार लगातार ब्लड डोनेशन कैंप आयोजित कर रही है और सभी जिलों में न्यूक्लिक एसिड टेस्ट मशीनें लगाने की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा कि एसओपी तैयार कर नेशनल ब्लड पॉलिसी को राज्य में अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। सुनवाई के दौरान लाइफ सेवर रांची के अतुल गेरा और अधिवक्ता शुभम काटारुका ने भी अपना पक्ष रखा। उल्लेखनीय है कि रांची सदर अस्पताल में थैलेसीमिया पीड़ित एक बच्चे को संक्रमित रक्त चढ़ाए।

मोकामा में जनसुराज प्रत्याशी के समर्थक पूर्व राजद नेता की गोली मारकर हत्य

एजेंसी

पटना : बिहार में चुनावी सरगर्मी के बीच पटना जिले के मोकामा टाल क्षेत्र से गुरुवार को एक सनसनीखेज वारदात सामने आई। जनसुराज प्रत्याशी पीयूष प्रियदर्शी के समर्थक और पूर्व आरजेडी नेता दुलारचंद यादव की फायरिंग में मौत हो गई। घटना उस समय हुई जब वे अपने समर्थकोंके साथ चुनावी प्रचार में निकले थे। हत्या का आरोप मोकामा सीट के जदयू प्रत्याशी अनंत सिंह के समर्थकों पर लगा है। सूत्रों के अनुसार, मोकामा टाल के एक गांव में प्रचार के दौरान दो गुटों के बीच कहासुनी हुई जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई। दोनों पक्षों की ओर से गोलियां चलीं, जिसमें दुलारचंद यादव को सीने में गोली लग गई। उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अचानक हुई फायरिंग से पूरे इलाके में अफरातफरी मच गई और लोग सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। दुलारचंद मोकामा टाल इलाके का एक जाना-पहचाना नाम थे। वे कभी आरजेडी के सक्रिय कार्यकर्ता और लालू प्रसाद यादव के बेहद करीबी माने जाते थे। 1990 के दशक में लालू यादव के शासनकाल के दौरान उनकी राजनीतिक पकड़ इस क्षेत्र में काफी मजबूत थी। पार्टी की मजबूती में उनका योगदान माना जाता है।

रांची में कचरा प्रबंधन पर जोर के साथ नागरिकों से सहयोग की अपील, अब करना होगा गीला और सूखा कचरा अलग-अलग

रांची, संवाददाता ।

स्वच्छ रांची अभियान को गति देने के लिए नगर निगम ने गीले और सूखे कचरे के पृथक्करण पर सख्ती बढ़ा दी है. निगम ने शहरवासियों से अपील की है कि वे अपने घरों, अपार्टमेंटों और प्रतिष्ठानों में दो अलग-अलग डस्टबिन रखें, हरे रंग का डस्टबिन गीले (जैविक) कचरे के लिए और नीले रंग का सूखे (गैर-जैविक) कचरे के लिए. नगर निगम का कहना है कि कचरे का स्रोत पर ही पृथक्करण स्वच्छता अभियान की सफलता की पहली और सबसे जरूरी शर्त है. निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि अब शहर में कचरे को मिलाकर फेंकने पर जुमार्ने की कार्रवाई की जाएगी. दो बार चेतावनी के बावजूद सुधार नहीं करने पर संबंधित घर या प्रतिष्ठान से कचरा उठाने की सेवा भी अस्थायी रूप से बंद की जा सकती है. रांची नगर निगम का यह कदम न सिर्फ शहर को साफ रखने बल्कि कचरा प्रबंधन प्रणाली को आधुनिक और पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में उठाया गया है.

स्रोत पर पृथक्करण अनिवार्य

निगम के अनुसार, अब हर नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह अपने घर या कार्यालय में उत्पन्न गीले और सूखे कचरे को अलग करें. गीले कचरे में सब्जियों के छिलके, भोजन के अवशेष, बागवानी का कचरा और अन्य जैविक अपशिष्ट शामिल हैं जबकि सूखे कचरे में प्लास्टिक, कागज, धातु और कांच जैसे गैर-जैविक पदार्थ आते हैं. नगर निगम के कूड़ा संग्रहण वाहनों को भी इस तरह डिजाइन किया गया है कि उनमें गीले और सूखे कचरे के लिए अलग-अलग कम्पार्टमेंट (हरा और नीला) मौजूद हो. इस व्यवस्था से कचरा सीधे अलग-अलग ढंग से निपटान केंद्र तक पहुंच सकेगा.

बड़े प्रतिष्ठानों पर कड़ी नजर

निगम ने बाजारों, होटलों, अस्पतालों, अपार्टमेंटों और अन्य बड़े प्रतिष्ठानों को भी स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वे कचरे का पृथक्करण सुनिश्चित करें. इन प्रतिष्ठानों के लिए अलग से निगरानी टीम तैनात की गई है जो कचरा प्रबंधन के नियमों के पालन की नियमित जांच करेगी. वही निगम का मानना है कि बड़े प्रतिष्ठान अगर उदाहरण पेश करेंगे तो आम लोग भी प्रेरित होंगे.

तकनीकी सुधार और एमआरएफ केंद्र

रांची नगर निगम शहर में आधुनिक मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी केंद्र भी स्थापित कर रहा है. ये केंद्र स्वचालित मशीनों की मदद से गीले और सूखे कचरे को अलग करेंगे, जिससे न केवल सफाई कर्मियों का कार्यभार घटेगा बल्कि रीसाइक्लिंग की प्रक्रिया भी अधिक कुशल और तेज होगी. इन केंद्रों से रांची की ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली को नई दिशा मिलने की उम्मीद है.

नागरिकों की भागीदारी इसमें अहम

उन्होंने आगे कहा कि निगम के वाहनों में भी गीले और सूखे कचरे के लिए अलग व्यवस्था की गई है. अब जरूरत है कि नागरिक इस दिशा में सक्रिय भागीदारी निभाएं, अगर रांचीवासी सहयोग करें तो हम अपने शहर को न केवल स्वच्छ बल्कि सुंदर और गंदगी मुक्त बना सकते हैं. रांची नगर निगम का यह अभियान प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत मिशन की भावना से प्रेरित है. प्रशासन को उम्मीद है कि अगर शहरवासी इस पहल में जिम्मेदारी से भाग लेंगे, तो रांची जल्द ही देश के सबसे स्वच्छ शहरों में शामिल हो सकेगा.

छात्र छात्राओं के हित मे तिथि जेईटी परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि आगे बढ़ाया जाए : बिपिन यादव

रांची, संवाददाता ।

अबुआ अधिकार मंच, झारखंड के पदाधिकारी विपिन कुमार यादव ने झारखण्ड लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष के नाम आज मांग पत्र सौप कर कहा है कि झारखंड लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित खएळ परीक्षा के ऑनलाइन आवेदन फॉर्म भरने की प्रक्रिया में राज्य भर के छात्र-छात्राओं को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि फॉर्म भरते समय मैट्रिक से लेकर स्नातकोत्तर तक के डिग्री प्रमाणपत्र अपलोड करने की अनिवार्यता रखी गई है। जबकि राज्य के अधिकांश विश्वविद्यालयों से इतने कम समय में डिग्री प्रमाणपत्र प्राप्त कर पाना संभव नहीं है, जिससे हजारों विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित होने की स्थिति बन गई है।

विपिन यादव ने आगे कहा कि 15 अक्टूबर से 29 अक्टूबर तक राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में दीपावली एवं छठ पूजा के कारण अवकाश रहा, जिसके चलते विश्वविद्यालयों में किसी प्रकार का प्रशासनिक या शैक्षणिक कार्य नहीं हो पाया। ऐसी स्थिति में छात्रों के लिए निर्धारित समय सीमा के भीतर फॉर्म पूर्ण करना अत्यंत कठिन है। श्री यादव ने अबुआ अधिकार मंच की ओर से झारखंड लोक सेवा आयोग से खएळ परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तिथि कम-से-कम 15 दिनों के लिए बढ़ाने की मांग की गई है, ताकि सभी विद्यार्थी आसानी से आवेदन प्रक्रिया पूरी कर सकें। अबुआ अधिकार मंच, झारखंड ने आयोग से इस मांग पर शीघ्र निर्णय लेने की अपील की है, जिससे हजारों छात्र-छात्राओं को राहत मिल सके। बिपिन कुमार यादव ने कहा के छात्र हित मे तिथि संसोधन नहीं क्या गया तो मंच आंदोलन के ओर अग्रसर होंगी।

पूर्वी सिंहभूम में बीजेपी को बड़ा झटका, कई वरिष्ठ नेताओं ने थामा जेएमएम का दामन

रांची, संवाददाता ।

घाटशिला उपचुनाव से पहले पूर्वी सिंहभूम में भाजपा को बड़ा झटका लगा है. पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) का दामन थाम लिया है. इन नेताओं ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के समक्ष झामुमो की सदस्यता ग्रहण की है. झामुमो में शामिल होने वालों में जिला परिषद के उपाध्यक्ष पंकज सिन्हा, पूर्वी सिंहभूम भाजपा जिला अध्यक्ष (ग्रामीण) व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सौरभ चक्रवर्ती, घाटशिला मंडल अध्यक्ष कौशिक सिन्हा, मुसाबनी भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष तुषार पात्रों, भाजपा के मीडिया प्रभारी सुरेश महाली और जमशेदपुर के जंबू अखाड़ा के अध्यक्ष बंटी सिंह प्रमुख हैं. इनके अलावा कई स्थानीय कार्यकर्ता भी भाजपा छोड़ झामुमो का दामन थामा है. इस मौके पर मुख्यमंत्री

ने सभी नेताओं का स्वागत करते हुए कहा कि उनकी सक्रियता और जनसंपर्क झामुमो संगठन को और मजबूती प्रदान करेगा. कार्यक्रम में झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता और पूर्व विधायक कुणाल षड़ंगी और जिला परिषद अध्यक्ष बारी मुर्मू भी मौजूद रहीं. नए सदस्यों ने कहा कि वे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की नीतियों और जनहित की प्रतिबद्धता से प्रभावित होकर झामुमो में शामिल हुए हैं. पार्टी नेताओं ने विश्वास जताया कि इन नेताओं के जुड़ने से संगठन को जमीनी स्तर पर नई ऊर्जा मिलेगी.

'ल्यूमिना 2025', सेंट जेवियर्स स्कूल में ज्ञान और उत्साह का संगम

रांची, संवाददाता ।

सेंट जेवियर्स स्कूल, डोरंडा (एसएक्सडी) के सभागार में आज 'ल्यूमिना 2025', इंटरस्कूल क्विज प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया. यह वार्षिक कार्यक्रम ज्ञान, प्रतिस्पर्धा और टीम भावना का एक उत्कृष्ट उदाहरण साबित हुआ. कार्यक्रम का संचालन सेंट जेवियर्स क्विज क्लब के छात्र स्नेहिल कुमार गुप्ता, देव मुखर्जी, देबायन दास और मोहम्मद ने किया. जिनका इस प्रतियोगिता में रांची के 15 स्कूलों से कुल 30 टीमों ने भाग लिया. प्रत्येक स्कूल की दो टीमों ने भागीदारी कर प्रतियोगिता को अत्यंत रोचक बना दिया. क्विज को तीन चरणों प्रारंभिक, सेमीफाइनल और फाइनल में विभाजित किया गया. प्रारंभिक दौर में सभी 30 टीमों ने प्रतिस्पर्धा की, जिनमें से शीर्ष 10 टीमों को सेमीफाइनल के लिए चुना गया और वहां से 6 सर्वश्रेष्ठ टीमों ने फाइनल में प्रवेश किया. क्विज के क्विज मास्टर कॉग्निटो नेक्सस समूह से समीरन मंडल थे, जिनकी उत्कृष्ट

प्रस्तुति और रोचक प्रश्नों ने सभी प्रतिभागियों को उत्साहित रखा. कार्यक्रम के प्रायोजक आकाश इंस्टीट्यूट, रांची के प्रतिनिधि सुधीर कुमार झा रहे.

कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन से हुई, जिसकी अध्यक्षता रेव्ह. फादर सुधीर कुमार कुजूर, एसजे (सुपीरियर, एसएक्सडी), रेव्ह. फादर फुलदेव सोरेंग, एसजे (प्रिंसिपल, एसएक्सडी), फादर रवि भूषण जेस, एस.जे. (वाइस प्रिंसिपल, सीनियर सेक्शन), फादर कुलदीप लिंडा, एसजे (वाइस प्रिंसिपल, जूनियर सेक्शन) तथा छात्र प्रतिनिधियों और अतिथि शिक्षकों की उपस्थिति में सम्पन्न हुई. अपने स्वागत भाषण में फादर फुलदेव सोरेंग ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं छात्रों में साहस, आत्मविश्वास और बौद्धिक जिज्ञासा को प्रोत्साहित करती हैं. उन्होंने थॉमस अल्वा एडिसन के जीवन से प्रेरणा लेते हुए यह संदेश दिया कि दृढ़ निश्चय, टीम भावना और सतत प्रयास से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है. मुख्य अतिथि रेव्ह. फादर सुधीर कुमार कुजूर, एसजे ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा कि क्विज प्रतियोगिता केवल ज्ञान की परीक्षा नहीं है, बल्कि यह आलोचनात्मक सोच और समय प्रबंधन सिखाने का मंच है. विद्यार्थियों को सिर्फ जानकारी इकट्ठा करने के बजाय अपने आसपास की दुनिया पर सवाल उठाने चाहिए, क्योंकि यही सवाल उन्हें नए ज्ञान और खोज की ओर ले जाते हैं. कार्यक्रम का समन्वय फादर रवि भूषण जेस, एसजे (वाइस प्रिंसिपल) ने फादर फुलदेव सोरेंग, एसजे के मार्गदर्शन में किया.

परिणाम

विजेता – विद्या विकास पब्लिक स्कूल – सिद्धांत दुबे और पीयूष कुमार की टीम, 103 अंक

प्रथम उपविजेता– टेंडर हार्ट स्कूल, तुपुदाना – आदित्य राज और अगस्त्य कुमार गुप्ता की टीम, 55 अंक

द्वितीय उपविजेता – बिशप वेस्टकॉट बॉयज स्कूल, नामकुम, अश्विनीजीत सिंह और मोहम्मद माही हसन की टीम, 42 अंक

निर्णायक मंडल और अतिथियों ने प्रतिभागी टीमों की सराहना करते हुए विजेताओं को बधाई दी और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं.

झारखंड में नगर निकाय चुनाव की तैयारी शुरू, दिसंबर या जनवरी में हो सकता है मतदान

रांची, संवाददाता ।

झारखंड में अब नगर निकाय चुनाव जल्द होने वाले हैं. तीन साल से चुनाव टल रहे थे, लेकिन अब रास्ता साफ हो गया है. राज्य सरकार ने पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए 14% आरक्षण की मंजूरी दे दी है. इससे चुनाव कराने में जो अड़चन थी, वह खत्म हो गई है. हाईकोर्ट ने चुनाव में देरी पर नाराजगी जताई है और 10 नवंबर को अगली सुनवाई रखी है. उम्मीद है कि उसी दिन चुनाव की तारीखें तय हो जाएंगी. राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की अध्यक्ष जानकी यादव ने कहा है कि चुनाव दिसंबर 2025 से जनवरी 2026 के बीच हो जाएंगे. इस बीच राज्य निर्वाचन आयोग मतदाता सूची को अंतिम रूप दे रहा है. रांची, धनबाद, जमशेदपुर जैसे कई शहरों में वार्डवार मतदान केंद्रों की सूची भी जारी की जा चुकी है. राजनीतिक दलों ने भी तैयारी तेज कर दी है. झामुमो-कांग्रेस गठबंधन अपनी स्थिति मजबूत करने में जुटा है. वहीं भाजपा और आजसू भी अपनी रणनीति बना रहे हैं.

रांची में पकड़ा गया 25 क्विंटल प्रतिबंधित मांस, राज्य से बाहर ले जाने की थी तैयारी

रांची, संवाददाता ।

राजधानी रांची के लोअर बाजार इलाके से भारी मात्रा में प्रतिबंधित मांस बरामद किया गया है. एक बड़े ट्रक और एक छोटे वाहन में भरे प्रतिबंधित मांस को रांची पुलिस ने जब्त किया है. इस मामले में पुलिस ने चार लोगों को भी गिरफ्तार किया है. रांची के लोअर बाजार थाना क्षेत्र से 25 क्विंटल से ज्यादा प्रतिबंधित मांस बरामद किया गया है. रांची एसएसपी राकेश रंजन को गुप्त सूचना मिली थी कि रांची में बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित मांस एकत्र किया गया है, जिसे एक बड़े ट्रक और एक छोटे वाहन में लोड कर राज्य से बाहर ले जाने की तैयारी की जा रही है. सूचना पुख्ता होने पर सिटी डीएसपी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया, जिसमें लोअर बाजार थाना प्रभारी समेत कई पुलिसकर्मियों को शामिल किया गया.

सूचना मिलते ही पुलिस ने फौरन की छापेमारी

जांच के दौरान रांची के खेलगांव के पास एक ट्रक पकड़ा गया, जिसमें प्रतिबंधित मांस भरा हुआ था. मौके से दो लोगों को पकड़ा गया, पकड़े गए लोगों ने बताया कि प्रतिबंधित मांस रांची के लोअर बाजार से लाया जा रहा था. जिसके बाद पुलिस की टीम द्वारा मामले में कार्रवाई करते हुए लोअर बाजार इलाके में अचानक छापेमारी की गई. तब मौके पर ही दो और लोगों को पकड़ा गया, जो प्रतिबंधित मांस को ट्रक पर लोड कर रहे थे. तलाशी के क्रम में वाहनों में भारी मात्रा में प्रतिबंधित मांस बरामद किया गया है.

वेटनरी डॉक्टरों ने की जांच

चार आरोपियों के पकड़े जाने और प्रतिबंधित मांस को जब्त करने के बाद पुलिस के द्वारा वेटनरी डॉक्टरों को जांच के लिए मौके पर बुलाया गया. जांच के दौरान डॉक्टरों द्वारा प्रतिबंधित मांस होने की पुष्टि पाई गई. जानकारी के अनुसार, प्रतिबंधित मांस को रांची में ही इकठ्ठा किया गया था. दोनों वाहनों के माध्यम से प्रतिबंधित मांस को राज्य से बाहर भेजा जाना था लेकिन उससे पहले ही पुलिस को ये जानकारी मिल गई. गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि प्रतिबंधित मांस को कोलकाता ले जाया जाना था. इस काम में दर्जन भर लोग शामिल हैं. अब तक इस मामले में चार लोग गिरफ्तार हुए हैं. वहीं मौके से दो फरार होने में कामयाब हो गए. पूरे नेटवर्क के खुलासे के लिए पुलिस की टीम काम कर रही है.

श्री कृष्ण प्रणामी गौशाला में श्रद्धा और उल्लास से मना गोपाष्टमी

रांची, संवाददाता ।

पुंदाग स्थित श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम में स्थित श्री कृष्ण प्रणामी गौशाला में गोपाष्टमी पर्व मनाया गया. मंदिर के पुजारी अरविंद पांडे द्वारा गौमाता की विधिवत पूजा-अर्चना की गई. यह कार्यक्रम वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संपन्न हुआ. पूजा के उपरांत गौमाता को विशेष भोग लगाया गया. श्रद्धालुओं ने पारंपरिक रूप गायों एवं बछड़ों को गुड़, हरा चारा, दाना और अन्य सामग्री खिलाया. इस दौरान श्रद्धालुओं ने गौमाता को फूल-मालाएं पहनाकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया. पूजा-अर्चना के पश्चात श्री राधा कृष्ण मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण में भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया. मधुर भजनों से संपूर्ण परिसर भक्तिरस में सराबोर हो उठा. इसके उपरांत श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण हुआ. इस अवसर पर दिव्यांग, निराश्रित और असहायजनों एवं सेवादारों को विभिन्न भोजन कराया गया. इस मौके पर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल एवं प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा कि गोपाष्टमी का पर्व हमें गौमाता की महिमा और संरक्षण के प्रति जागरूक करता है. भारतीय संस्कृति में गाय अन्नदाता है, गौसेवा और गौसंवर्धन से जीवन में समृद्धि, शांति और सुख की प्राप्ति होती है.

थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को एचआईवी पॉजिटिव खून चढ़ाने का मामला

'झासा' ने सिविल सर्जन एवं स्वास्थ्यकर्मियों पर कार्रवाई का किया विरोध

रांची, संवाददाता ।

चाईबासा में थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को एचआईवी पॉजिटिव ब्लड चढ़ाने की घटना को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर पश्चिम सिंहभूम के सिविल सर्जन डॉ. सुशांतो कुमार मांझी और चाईबासा ब्लड बैंक के स्टाफ पर हुई कार्रवाई का झासा ने विरोध किया है. राज्य में सरकारी डॉक्टरों के सबसे बड़े संगठन 'झारखंड स्टेट हेल्थ सर्विसेस एसोसिएशन' (झासा) के अध्यक्ष डॉ. विमलेश सिंह ने पश्चिम सिंहभूम के सिविल सर्जन डॉ. सुशांत कुमार मांझी और वहां के ब्लड बैंक के कर्मियों के निलंबन की कार्रवाई को गलत करार देते हुए कहा कि बिना जांच के इस तरह की कार्रवाई ठीक नहीं है और झासा जल्द इस मुद्दे पर बैठक करेगा.

जो साधन उपलब्ध कराए जाते हैं, उसी से की जाती है जांच

झारखंड राज्य चिकित्सक सेवा संघ के अध्यक्ष डॉ. विमलेश सिंह ने कहा कि रक्तदाताओं से मिला रक्त जब संग्रहण के बाद ब्लड बैंक पहुंचता है तो उस ब्लड की मुख्य पांच तरह

की जांच की जाती है. इसमें से एक जांच, एचआईवी जांच भी है. डॉ. विमलेश सिंह कहते हैं कि राज्य के ज्यादातर ब्लड बैंकों में संग्रहित रक्त में एचआईवी की जांच किट या ELISA टेस्ट के माध्यम से की जाती है. अब किट जांच का विंडो पीरियड 90 दिनों का और ELISA टेस्ट का विंडो पीरियड 30 दिन का है. ऐसे में जब कोई ब्लड डोनर विंडो पीरियड वाले संक्रमित व्यक्ति के रक्त की जांच करेगा तो किट से उसका रिपोर्ट 90 दिन तक एचआईवी निगेटिव आएगा, उसी तरह एलिसा टेस्ट से 30 दिनों तक की जांच निगेटिव आएगी, ऐसे में डॉक्टर्स कैसे दोषी हो गए?

क्यूमिलेशन और न्यूक्लिक एसिड टेस्ट जांच की व्यवस्था करे सरकार: झासा

झासा के अध्यक्ष ने बताया कि चाईबासा जैसी घटना की संभावना आगे भी बनी रहेगी क्योंकि जो संसाधन हमें एचआईवी जांच के लिए मिलते हैं, उसमें किट में इन्फेक्शन के 90 दिन तक और ELISA में 30 दिनों तक रिपोर्ट निगेटिव आ सकती है, ऐसे में सिविल सर्जन और मेडिकल स्टाफ पर कार्रवाई और उसे बिना जांच के दोषी ठहराए जाने की जगह कम्युलेशन और एनएटी से जांच की व्यवस्था सुनिश्चित कराए, जिसका विंडो पीरियड 7 से 15 दिनों का है. अगर यह व्यवस्था होगी तो किसी भी व्यक्ति को संक्रमित ब्लड चढ़ाए जाने की संभावनाएं जरूर कम होगी.

ब्लड बैंक में संग्रहित रक्त की होती है ये पांच जांच

जब भी कोई रक्तदाता, खून डोनेट करता है तो उस रक्त को किसी जरूरतमंद मरीज को चढ़ाने से पहले उसकी पांच बीमारियों से संबंधित जांच कराई जाती है. ये पांच जांच है- एचआईवी संक्रमण के लिए टेस्ट, हेपेटाइटिस बी की जांच के लिए hbsag test, हेपेटाइटिस सी के लिए एचआईवी टेस्ट, मलेरिया टेस्ट और सिफलिस संक्रमण के लिए वीडीआरएल टेस्ट.

रातू रोड फ्लाईओवर के नीचे गंदगी और मच्छर, निकासी व्यवस्था फेल

रांची, संवाददाता ।

राजधानी रांची को ट्रैफिक जाम से राहत दिलाने के लिए शहर में कई फ्लाईओवर बनाए जा रहे हैं. इनसे लोगों को उम्मीद थी कि सड़क पर जाम से मुक्ति मिलेगी और आवाजाही आसान होगी. लेकिन इन फ्लाईओवरों की अधूरी और लापरवाहीपूर्ण फिनिशिंग अब खुद शहर के लिए नई समस्या बनती जा रही है.सबसे बड़ा उदाहरण रातू रोड फ्लाईओवर है, जहां निर्माण कार्य पूरा हो चुका है लेकिन ड्रेनेज सिस्टम की व्यवस्था अधूरी छोड़ दी गई है.

पानी निकालने की व्यवस्था अधूरी, पिलरों के नीचे बन गए टैंक

फ्लाईओवर के पिलरों में पानी की निकासी के लिए पाइप लगाए गए

हैं, लेकिन इन पाइपों को सड़क किनारे की नालियों से नहीं जोड़ा गया है. इससे बारिश या सफाई के बाद फ्लाईओवर से गिरने वाला पानी नीचे पिलर के दोनों तरफ बने गड्ढों में जमा हो जाता है.इन गड्ढों की बनावट ऐसी है कि अब ये छोटे-छोटे टैंक बन गए हैं, जिनमें पानी हफ्तों तक भरा रहता है.

गंदगी, मच्छर और बदबू से परेशान स्थानीय लोग

जमा पानी अब गंदगी, मच्छर और बदबू की बड़ी समस्या बन गया है. आसपास के दुकानदारों और राहगीरों का कहना है कि नगर निगम इस पर ध्यान नहीं दे रहा.स्थानीय निवासी, जो रातू रोड पर दुकान चलाते हैं, बताते हैं- फ्लाईओवर बनने से सोचा था कि ट्रैफिक से राहत मिलेगी, लेकिन अब नीचे गंदगी और मच्छरों का अड्डा बन गया है. बारिश के बाद यहां खड़ा होना मुश्किल हो जाता है.

नगर निगम की लापरवाही और कचरे का ढेर

लोगों का आरोप है कि नगर निगम के कर्मचारी भी इस समस्या को बढ़ा रहे हैं. जिन टैंकों में पानी जमा है, वहीं पर पुराने बैरिकेडिंग और सफाई का कचरा डालकर छोड़ दिया जाता है. धीरे-धीरे यह जगह गंदे पानी, कचरे और मलबे से भर गई है.यह स्थिति न सिर्फ आस-पास की सुंदरता को बिगाड़ रही है बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी खतरा बन गई है. मच्छरों के बढ़ने से डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है.

स्थानीय लोगों ने की कार्रवाई की मांग

रातू रोड और आसपास के इलाकों के लोगों ने नगर निगम और निर्माण एजेंसी से तुरंत कार्रवाई की मांग की है. उनका कहना है कि या तो इन टैंकों को भर दिया जाए या पाइपों को नालियों से जोड़ा जाए ताकि पानी का सही निकास हो सके.साथ ही, नियमित सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि यह क्षेत्र साफ-सुथरा बना रहे.

जाम से राहत की जगह नई मुसीबत

फ्लाईओवर का उद्देश्य रांची को जाम से राहत देना था, लेकिन रखरखाव की कमी से अब यह नए सिरदर्द का कारण बन रहा है. यदि समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाले दिनों में यह समस्या और बढ़ सकती है.

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने चाईबासा सदर अस्पताल में की आकस्मिक जांच , मचा हड़कंप

डॉ. इरफान अंसारी का बड़ा एक्शन झ्र एचआईवी लापरवाही मामले में तत्काल जांच और पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता

- जहाँ कभी पहचान की कमी थी, अब वहीं बनेंगे डॉक्टर — जामताड़ा का सपना हुआ साकार!
- जामताड़ा से उठी स्वास्थ्य क्रांति की लहर — अब झारखंड के हर जिले में पैदा होंगे डॉक्टर!
- जनता ने कहा — डॉ. इरफान अंसारी जो कहते हैं, करके दिखाते हैं!

संवाददाता । रांची

झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी के अचानक चाईबासा सदर अस्पताल पहुंचते ही अस्पताल प्रशासन में हड़कंप मच गया।स्वास्थ्य मंत्री ने लगभग तीन घंटे तक गहन जांच की और अस्पताल के सभी वार्डों, प्रयोगशालाओं एवं मरीजों की देखभाल व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया।

जांच के दौरान थैलेसीमिया मरीज की रिपोर्ट में एचआईवी पॉजिटिव पाए जाने की गंभीर लापरवाही सामने आई।मामले को गंभीरता से लेते हुए मंत्री ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए और पीड़ित परिवार को दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता का चेक प्रदान किया।

इस दौरान चाईबासा के उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक, सिविल सर्जन और स्वास्थ्य विभाग के जांच विशेषज्ञ भी उपस्थित थे।प्रारंभिक जानकारी के अनुसार वर्ष 2023-24 में कुछ बच्चों को संक्रमित प्लाज्मा का ट्रांसफ्यूजन किया गया था।कुल 259 डोनर्स से रक्त लिया गया, जिनमें से 44 लोगों की जांच कराई गई।जांच में चार लोगों के एचआईवी पॉजिटिव होने की पुष्टि हुई है।मंत्री ने बताया कि यह मामला गंभीर है और जांच जारी है।रिपोर्ट आने तक किसी को भी अफवाह या राजनीतिक बयानबाजी से बचना चाहिए।डॉ. इरफान अंसारी ने कहा की यदि जांच में किसी की लापरवाही साबित होती है,तो मैं स्वयं उस परिवार की पूरी जिम्मेदारी लूंगा और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आगे कहा की ह्लकोल्हान क्षेत्र से चार-चार पूर्व मुख्यमंत्री रहे,लेकिन किसी ने स्वास्थ्य व्यवस्था पर ध्यान नहीं दिया।आज जब खामियां सामने आ रही हैं,तो उन्हें बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।मंत्री ने यह भी कहा की ह्लगलती हुई है, मैं स्वीकार करता हूं।मैंने तत्काल कार्रवाई की है,और आगे जांच रिपोर्ट के आधार पर और भी सख्त कदम उठाए जाएंगे।

भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा की ह्लभाजपा इस गंभीर मामले को राजनीतिक रंग देकर अपनी रोटियां सेंक रही है।20 वर्षों तक उन्होंने स्वास्थ्य व्यवस्था को मजाक बना दिया था।आज स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड में है,और जनता यह महसूस कर रही है कि अब उनका इलाज बेहतर हो रहा है।अंत में स्वास्थ्य मंत्री ने जनता से अपील करते हुए कहा की ह्लमैं लगातार स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए दिन-रात काम कर रहा हूं।जनता से अनुरोध है कि मुझे सहयोग दें,और बेवजह की बयानबाजी से बचें।

6 नवंबर को झारखंड आंदोलनकारियों का सम्मेलन नेतरहाट में

संवाददाता । रांची

रांची:वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर कृषि पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री श्रीमती शिल्पी नेहा तिर्की, श्रम नियोजन एवं प्रशिक्षण मंत्री संजय प्रसाद यादव, भू राजस्व एवं परिवहन मंत्री दीपक बीरुवा, पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता, भारत सरकार संगीत नाट्य अकादमी के सदस्य व फिल्म निर्देशक, संगीतकार नंदलाल नायक ,पदम श्री मधु मंसूरी हंसमुख, झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के संस्थापक प्रधान सचिव पुष्कर महतो, अखिल भारतीय किसान सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजन क्षीरसागर विशेष रूप से आमंत्रितलोहारदगाः झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा दक्षिणी छोटा नागपुर प्रमंडल के तत्वावधान में नेतरहाट में 6 नवंबर को झारखंड आंदोलनकारियों का सम्मेलन एवं झारखंड आंदोलन के अमर पुरोधा अजीत तिग्गा की पुण्यतिथि पर सभा का आयोजन किया जाएगा. इस कार्यक्रम में झारखंड सरकार के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर कृषि पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री श्रीमती शिल्पी नेहा तिर्की, श्रम नियोजन एवं प्रशिक्षण मंत्री संजय प्रसाद यादव, भू राजस्व एवं परिवहन मंत्री दीपक बीरुवा, पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता, भारत सरकार संगीत नाट्य अकादमी के सदस्य व फिल्म निर्देशक, संगीतकार नंदलाल नायक ,पदम श्री मधु मंसूरी हंसमुख, झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के संस्थापक प्रधान सचिव पुष्कर महतो, अखिल भारतीय किसान सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजन क्षीरसागर विशेष रूप से आमंत्रित किए गए हैं. उक्त जानकारी दक्षिणी छोटा नागपुर प्रमंडल की अध्यक्ष श्रीमती रोजलीन तिर्की ने लोहरदगा में एक होटल में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में उक्त जानकारी दी. उन्होंने कहा कि कार्यक्रम की व्यापक तैयारियां की गई है लगभग 3000 आंदोलनकारी पूरे प्रदेश से भाग लेंगे जिनका परंपरागत तरीके से स्वागत किया जाएगा एवं पर्यटक स्थल की विशेषता से अवगत भी कराया जाएगा. महुआ टाड़,लातेहार ,बिशनपुर बनारी के 300 झारखंड आंदोलनकारी गण कार्यक्रम को सफल बनाने एवं स्वागत की तैयारी में लगे हुए हैं. लाल एवं हरे रंग की पगड़ी पहनाकर अतिथियों का भव्य स्वागत किया जाएगा. यहां रात्रि विश्राम की भी विशेष व्यवस्था की गई है.उन्होंने कहा कि अतिथियों एवं आंदोलनकारियों की प्रतिष्ठा में कोई कमी नहीं होने दिया जाएगा. उन्होंने कहा कि झारखंड में अलग राज्य के आंदोलनकारियों की स्थिति सामाजिक, आर्थिक व मानसिक रूप से दयनीय है. आज आंदोलनकारी को भीख नहीं, खैरात नहीं, न्याय के साथ सम्मान तथा समाज में स्वाभिमान के साथ जीने का अधिकार चाहिए. उन्होंने राज्य सरकार के द्वारा झारखंड आंदोलनकारियों के आश्रितों को नौकरियों में 5 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण लागू किए जाने के प्रति आभार व्यक्त किया. साथ ही मांग की गई कि क्षैतिज आरक्षण को बढ़ाकर 20 प्रतिशत किया जाए.।

शिक्षण सामग्रियों का किया गया वितरण

संवाददाता । रांची

आज दिनांक 30 10 2025 दिन गुरुवार को समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट कि ओर से पहाड़ी मंदिर के समक्ष स्थित सृजन हेल्प मंदबुद्धि एवं मुख बधिर विद्यालय में स्व विश्वनाथ केडिया की याद में स्कूल के स्पेशल बच्चों के लिए शिक्षण सामग्रियों का वितरण किया गया।इस अवसर पर समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट कि ओर से स्पेशल बच्चों के बीच कॉपी, किताब, पेन, पेंसिल रबर, कटर समेत कई शिक्षण सामग्रियों का वितरण किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर श्री अनिल कुमार तिवारी ट्रस्टी वर्ल्ड बुद्धा फाउंडेशन एंड चेयर मैन मां वैष्णवी ट्रस्ट, समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी आनंद केडिया, उमेश केडिया, स्मिता केडिया, रिलेशंस के निदेशक आशुतोष द्विवेदी, युवा नाट्य संगीत एकेडमी के निदेशक ऋषिकेश लाल व सृजन हेल्प कि संचालिका गुंजन गुप्ता समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे।इस अवसर पर सभी अतिथियों ने संयुक्त रूप से कहा कि शिक्षण सामग्रियों को वितरित कर के कहा कि नौनिहाल तंगी की वजह से अपनी किस्मत नहीं लिख पाते हैं। हालांकि आसामान छूने का हौसला उनका भी होता है।

हजरत मौलाना सैयद महमूद असद मदनी साहब का पुनः अध्यक्ष चुना जाना एक स्वागत योग्य एवं सराहनीय कदम है

जमीयत उलेमा झारखंड के पदाधिकारियों एवं सदस्यों की ओर से हजरत को हार्दिक बधाई

संवाददाता । रांची

जमीयत उलेमा झारखंड के अध्यक्ष मौलाना अब्दुल कय्यूम साहब कासमी, महासचिव श्री हज शाह उमैर साहब एवं कार्यकारिणी परिषद के सदस्य एवं पूर्व महासचिव मौलाना डॉ. मुहम्मद असगर मिस्बाही ने एक प्रेस विज्ञप्ति में संयुक्त बयान देते हुए कहा कि 29 अक्टूबर, 2025 को जमीयत उलेमा हिंद, दिल्ली के कार्यालय मदनी हॉल में आयोजित कार्यकारिणी परिषद की महत्वपूर्ण बैठक में, फिदाय-ए-मिल्लत हजरत मौलाना सैयद महमूद असद मदनी साहब के उत्तराधिकारी, कायदे-मिल्लत इस्लामिया का सर्वसम्मति से दूसरी बार जमीयत उलेमा हिंद का अध्यक्ष चुना जाना एक बहुत ही स्वागत योग्य एवं सराहनीय कदम है। निःसंदेह, राष्ट्रपति पद के लिए आवश्यक गुण, सिद्धियाँ और नेतृत्व कौशल सर्वोच्च व्यक्ति हजरत सद्र में पूर्ण रूप से विद्यमान हैं और वे इस कविता के मूर्त रूप हैं। ऊँची निगाहें, हृदयस्पर्शी शब्द और उज्ज्वल भविष्य। यही मीर कारवां का सफर है।झारखंड उलेमा एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने आगे कहा कि हजरत सद्र के पुनः निर्वाचित होने पर, अल्लाह उन्हें आशीर्वाद दे, हम, जमीयत उलेमा के सेवक, राज्य और जिलों के सभी पदाधिकारी और सदस्य, और जमीयत उलेमा से जुड़े लोग, आपको अपने दिल की गहराई से बधाई देते हैं और अल्लाह से दुआ करते हैं कि अल्लाह सर्वशक्तिमान इस्लामी राष्ट्र और हम जमीयत उलेमा के सेवकों की रक्षा करता रहे।

विश्व हैलोविन दिवस पर रंगारंग कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता । रांची

रांची। आई-फा इंटरनेशनल, द्वारा विश्व हैलोविन दिवस (31 अक्टूबर) के अवसर पर आयोजित हैलोविन फैशन परेड एवं मेकअप शो का आयोजन रंगारंग तरीके से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बच्चों और युवाओं ने अपनी रचनात्मकता और कलात्मकता का शानदार प्रदर्शन किया।इस प्रतियोगिता में पहला पुरस्कार सुरैया को, दूसरा पुरस्कार सुदिक्षा को, तथा तीसरा पुरस्कार दिया जोशी और सुदीक्षा को संयुक्त रूप से प्रदान किया गया। प्रतिभागियों ने हैलोविन थीम पर आधारित अनोखी वेशभूषा और मेकअप से दर्शकों का मन मोह लिया।कार्यक्रम का संचालन संस्था के निदेशक मोहम्मद साबिर हुसैन के मार्गदर्शन में हुआ। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ बच्चों में आत्मविश्वास, रचनात्मक सोच और कला के प्रति लगाव को बढ़ावा देती हैं।कार्यक्रम का समापन विजेताओं को प्रमाणपत्र एवं पुरस्कार वितरण आई इंटरनेशनल के निदेशक मोहम्मद साबिर हुसैन के द्वारा किया गया । कार्यक्रम को सफल बनाने में हुमायूं कबीर,अलमा हसन, आसेम, का साथ रहा तथा निर्णायक मंडली में शगुफ्ता बानो, हुमायूं कबीर तथा सलमा हसन के द्वारा किया गया ।उपस्थित सभी ने बच्चों के उत्साह और कलात्मक प्रस्तुति की सराहना की।

राजद की बड़ी कार्रवाई,प्रदेश उपाध्यक्ष सहित कई नेता 6 साल के लिए निष्कासित

संवाददाता । रांची

पटनाःराष्ट्रीय जनता दल ने अपने 10 नेताओं को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया है. पार्टी ने इन नेताओं को 6 साल के लिए निलंबित कर दिया है. इनमें पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश कुमार के साथ ही पार्टी के दो प्रदेश महासचिव भी शामिल है।इन नेताओं को भी पार्टी से किया गया निष्कासितण्राष्ट्रीय जनता दल ने पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में डेहरी से विधायक फतेह बहादुर सिंह, पूर्व विधायक मोहम्मद गुलाम जिलानी वारसी,पूर्व विधायक मोहम्मद रियाजुल हक राजू को पार्टी से निष्कासित कर दिया है. साथ ही सैयद नौसादुल नबी और पप्पू खां,वीरेंद्र कुमार शर्मा, प्रणव प्रकाश और राजीव रंजन उर्फ पिंकू के खिलाफ कार्यवाही की है।

वैश्य मोर्चा का 7वां स्थापना दिवस 31 अक्टूबर को छह प्रबुद्धजन दिया जायेगा वैश्य रत्न की उपाधि

संवाददाता । रांची

झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा का 7वां स्थापना दिवस समारोह कल 31 अक्टूबर को रांची के रेडियम रोड़ स्थित होटल आलोका सभागार (डॉ. वी. पी. केशरी सभागार) में आयोजित किया गया है. इस अवसर पर छह प्रबुद्धजन को झारखंड वैश्य रत्न से सम्मानित किया जाएगा. इसमें व्यवसायिक क्षेत्र से रामगढ़ के उद्यमी सह समाजसेवी कमल केड़िया, क्रीड़ा क्षेत्र से रांची पंडरा के गोल्फ खिलाड़ी सुरेंद्र प्रसाद साहु, रांची धुर्वा के बुद्धिजीवी सेवानिवृत्त कार्यपालक अभियंता अशोक मंडल, चिकित्सा क्षेत्र से रांची के डॉ. अमित साहु, अरगोड़ा की डॉ. अनुश्री रैना एवं पत्रकारिता क्षेत्र से युवा पत्रकार चंदन चौधरी (रातू रोड, रांची) को वैश्य रत्न की उपाधि से सम्मानित किया जाएगा. इन्हें प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति चिन्ह दे कर सम्मानित किया जाएगा. जबकि इस कार्यक्रम में रांची के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. विजय राज, डॉ. संजय जायसवाल, वरिष्ठ पत्रकार एवं संपादक रजत कुमार गुप्ता, झारखंड प्रदेश शौंडिक (सूढ़ी) समाज के अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार एवं नागपुरी कलाकार रमन गुप्ता आदि अतिथि के रूप में शामिल होंगे. कार्यक्रम की अध्यक्षता वैश्य मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु करेंगे. इस समारोह में पूरे प्रदेश से 150 प्रतिनिधि शामिल होंगे. समारोह की शुरूआत 11.30 बजे दीप प्रज्वलन के साथ होगी.

ब्रीफ न्यूज

बोकारो में नाबालिग से गैंगरेप, गांव की लड़की ने ही रची पूरी साजिश; 4 गिरफ्तार

संवाददाता ।

बोकारो : जिले के कसमार थाना क्षेत्र में 14 वर्षीय नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने घटना में शामिल चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जिनमें एक महिला भी शामिल है। घटना सोमवार की बताई जा रही है, जबकि मामला मंगलवार देर रात दर्ज हुआ।पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि पीड़िता की मां ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी बेटी मंगलवार शाम बराकला छठ घाट के पास से लापता हो गई थी। जांच के दौरान खुलासा हुआ कि गांव की ही एक युवती ने फोन करके तीन युवकों को बुलाया और पीड़िता को उनकी बाइक पर भेज दिया।जांच में सामने आया कि आरोपी लड़की को सुनसान इलाके में ले गए और वहां उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद उसे गांव के पास छोड़ दिया गया। पीड़िता घर पहुंची और पूरी घटना अपनी मां को बताई, जिसके बाद परिवार ने पुलिस से संपर्क किया।पुलिस ने तुरंत कसमार थाने में मामला दर्ज करते हुए ढडउरड एक्ट सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया। एसपी ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए एक विशेष टीम बनाई गई, जिसने त्वरित कार्रवाई करते हुए चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की उम्र 18 से 26 वर्ष के बीच है।फिलहाल पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया गया है और उसे काउंसलिंग उपलब्ध कराई जा रही है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।पुलिस का बयान- ह्लनाबालिग की पहचान सुरक्षित रखी गई है। कानून के तहत आगे की कार्रवाई जारी है। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।परिवार और गांव में आक्रोशघटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। ग्रामीणों ने सख्त कार्रवाई और आरोपियों को कड़ी सजा की मांग की है।

मुसलमानों से माफी मांगे मस्जिद और मदरसों का इतिहास पढ़े जयराम महतो जुनैद अनवर

संवाददाता ।

रांचीःजयराम महतों को इतिहास का ज्ञान नहीं है पहले वो मस्जिद मदरसों और ओलमा का इतिहास पढ़े उक्त बातें झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरिष्ठ नेता केंद्रीय समिति सदस्य जुनैद अनवर ने जयराम महतो के उस विवादित बयान पर दिया जिसमें उन्होंने ने कहा कि मस्जिद जाने वाले सांसद में नहीं जा सकते

श्री अनवर ने कहा आज आजाद देश में जो बोलने का अधिकार मिला है उस अधिकार को आजादी के रूप में देने वाले मस्जिदों से निकले मौलाना ही थे जिन्होंने स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ी ये मैं नहीं कह रहा बल्के इतिहास कार अपने किताबों में लिखते है किसी भी विषय पर बोलने से पहले उसके बारे में अच्छे से अध्यन कर लेना चाहिए इतिहास कार सर जॉन ने अपने पुस्तक ह्य1857 का इतिहासह्ल में कहते हैं कि विद्रोह दबाने के नाम पर मुसलमानों को जड़ से उखाड़ दिया, दिल्ली में हर गली में लाशें पड़ीं, थी बच्चे-बुजुर्ग तक को नहीं छोड़ा जिसमें अधिकतर मौलाना थे अंग्रेज लेखक विलियम हंटर ने अपनी किताब ह्यद इंडियन मुसुलमन्सह्ल में लिखा है कि 1857 के बाद दमन इतना भयानक था कि दिल्ली से पेशावर तक हर पेड़ पर मुसलमानों, खासकर उलमा और मौलानाओं को फांसी दी गई, ताकि जिहाद की आग बुझे। ब्रिटिश ने विद्रोह को ह्यमुस्लिम साजिशह्ल करार देकर बदला लिया, हजारों बेगुनाहों का कत्लेआम हुवा और यह सब मस्जिद और मदरसों से निकले हुवे लोग थे आज भी कई ऐसे लोग है जो मस्जिद और मदरसों से निकल कर सांसद और विधायक है जुनैद अनवर ने कहा की जयराम भाजपा के तर्ज पर नफरत फैला कर राजनीतिक सीढ़िया चढ़ना चाहते है जो शर्मनाक है जयराम महतों का बयान उन स्वतंत्रता सेनानियों का अपमान है जो मदरसों और मस्जिदों से निकल कर स्वतंता के लिए फाँसी पर चढ़ गए अपने आस्था पर ठेस पहुंचाने वालों को झारखण्ड के मुसलमान जूतों के नोक पर रखते है जयराम महतों का हाल उस कहावत की तरह है जिसमें कहा गया ह्लअधजल गगरी छलकत जाए ह्ल उस विषय पर बात करते हैं जिसकी जानकारी उन्हें नहीं है और जिस विषय कि जानकारी ना हो उस पर बहस छेड़ना मूर्खता है श्री अनवर ने कहा की जयराम महतो मुसलमानों के आस्था पर चोट किया है वो मुसलमानों से माफी मांगे वरना जिस सत्ता की वो खाब सजाए है वो खाब ही रह जाएगा।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने पैतृक मैपिंग के लिए सभी उप निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

संवाददाता ।

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री के. रवि कुमार ने राज्य में भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार चलाए जाने वाले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि गहन पुनरीक्षण के क्रम में मतदाताओं को कम से कम दस्तावेज समर्पित करने पड़ें, इसके लिए वर्ष 2003 की मतदाता सूची से वर्तमान मतदाताओं की 'पैतृक मैपिंग' का कार्य त्रुटिरहित ढंग से और तेजी से पूरा किया जाए। ?श्री के. रवि कुमार गुरुवार को निर्वाचन सदन से सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारी, कंप्यूटर ऑपरेटर एवं हेल्प डेस्क मैनेजर के साथ समीक्षा बैठक सह प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। ?मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने मैपिंग के कार्य को गति देने के उद्देश्य से सभी उप निर्वाचन पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और इसे सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में सभी पंचायत स्तर पर और शहरी क्षेत्रों में सभी वार्ड स्तर पर विशेष कैंप आयोजित किए जाएँ। इन कैंपों में संबंधित मतदान केंद्रों के सभी बूथ लेवल ऑफिसर अनिवार्य रूप से शामिल हों। बीएलओ द्वारा 2003 की मतदाता सूची से वर्तमान मतदाता सूची के मतदाताओं को श्रेणीवार अधिकतम भौतिक रूप से मैप किया जाना सुनिश्चित करें।

ग्रामीण शिक्षा, संस्कार और सशक्तिकरण की दिशा में एकल अभियान का सतत प्रयासं

रामगढ़, संवाददाता

एकल अभियान संच भुरकुंडा का एकदिवसीय आचार्य प्रशिक्षण वर्ग संपन्न

भुरकुंडा बाजार स्थित खोपड़िया बाबा धर्मशाला में गुरुवार को एकल अभियान संच भुरकुंडा के तत्वावधान में एकदिवसीय आचार्य प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण वर्ग में एकल विद्यालय के 23 आचार्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संच प्रमुख शांति देवी ने की। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में भुरकुंडा संच समिति के सतीश मोहन मिश्रा, रामगढ़ अंचल गतिविधि प्रमुख अजीत कुमार महतो और विशेष रूप से पतरातू संच प्रमुख नागेश्वर महतो उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथियों द्वारा सभी 23 विद्यालयों के आचार्यों को कॉपी, पेन और चॉक वितरित किए गए। साथ ही यह भी बताया गया कि एकल अभियान ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा के प्रसार के लिए निरंतर कार्यरत है। संगठन का उद्देश्य ऐसे सुदूर क्षेत्रों तक शिक्षा पहुंचाना है, जहां पारंपरिक शिक्षा संस्थान उपलब्ध नहीं है। अजीत कुमार महतो ने अपने संबोधन में कहा कि एकल विद्यालय केवल बच्चों को शिक्षित नहीं करता, बल्कि उन्हें संस्कारवान और आत्मनिर्भर नागरिक बनाने की दिशा में कार्य करता है। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत पांच प्रमुख शिक्षण आयामों पर कार्य किया जा रहा है। इसमें प्राथमिक शिक्षा के तहत 4 से 12 वर्ष के बच्चों को संस्कारयुक्त मूल शिक्षा प्रदान की जाती है। आरोग्य शिक्षण के तहत स्वस्थ रहने के उपायों और जीवनशैली की जानकारी दी जाती है। ग्राम विकास शिक्षा के तहत जैविक खेती और आत्मनिर्भरता के सूत्र सिखाए जाते हैं। जागरण शिक्षा के तहत ग्रामवासियों में सामाजिक चेतना और जागरूकता उत्पन्न की जाती है और पांचवा संस्कार शिक्षा के तहत गांव-गांव में सत्संग के माध्यम से सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा दिया जाता है। उन्होंने आगे कहा कि आओ जलाएं दीप वहां, जहां अभी भी अंधेरा है इसी भावना के साथ एकल विद्यालय भारत के दूरदराज और पिछड़े इलाकों में शिक्षा की लौ जला रहा है। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगीत और एकल अभियान के ध्येय वाक्य भारत को परम वैभव तक पहुंचाना के उद्घोष के साथ किया गया। प्रशिक्षण वर्ग में आचार्या निशा कुमारी, प्रिया देवी, सीमा देवी, बिना कुमारी, ममता देवी, मालती देवी, सुनैना देवी, मंजू देवी, कविता देवी, ललिता देवी, नेहा कुमारी, मानमती देवी, आरती कुमारी, श्वेता कुमारी, सुषमा देवी, सुरती देवी, प्रीति कुमारी, संगीता कुमारी, सरस्वती देवी, ललिता कुमारी, खुशबू कुमारी, पूनम कुमारी आदि ने सक्रिय भागीदारी की।

31अक्टूबर को रामगढ़ मे लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150 वीं जयंती मनाया जाएगा, तैयारी पूरी

रामगढ़, संवाददाता

रामगढ़ जिला के कांकेबार स्थित पटेल छात्रावास में 31 अक्टूबर को लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150 वीं जयंती समारोह धूमधाम से मनाया जाएगा, जिसकी तैयारी पूरी हो चुकी है जयंती समारोह के उदघाटनकर्ता सुदेश कुमार महतो.पूर्व उप मुख्यमंत्री, झारखण्ड सरकार, मुख्य अतिथि चंद्रप्रकाश चौधरी सांसद गिरिडीह व विशिष्ट अतिथि के रूप मे रांची के पूर्व सांसद रामटहल चौधरी बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी बगोदर विधायक नागेंद्र महतो मांडू विधायक निर्मल उर्फ तिवारी महतो रामगढ़ के पूर्व विधायक श्रीमती सुनीता चौधरी एवं गोमिया के पूर्व विधायक डॉक्टर लंबोदर महतो मुख्य रूप से शामिल होंगे इसके अलावा पटेल छात्रावास के तमाम सदस्यों को आमंत्रित किया गया है साथ ही रामगढ़ जिला के कई पार्षद पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि पंचायत समिति सदस्य वार्ड पार्षद भी शामिल होंगे,पटेल छात्रावास निर्माण हेतू जमीन दाताओ का स्वागत समारोह किया जाएगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम सूश्री हेमली कुमारी द्वारा एक से बढ़कर एक क्षेत्रीय गीत एवं संगीत प्रस्तुत किया जाएगा तथा सहयोगी कलाकारों के द्वारा तथा संत फ्रांसिस स्कूल और डिवाइन ओंकार स्कूल के बच्चों बच्चियों के द्वारा संस्कृतिक कार्यक्रम किया जायगा।इस बैठक में छात्रावास के अध्यक्ष सुरेश महतो,सचिव शीतल ओहदार प्रसाद,कोषाध्यक्ष अधिवक्ता टिकेंद्र कु महतो,निगरानी कमिटी के सदस्य धनेश्वर महतो कार्यकारिणी सदस्य मे ईश्वरनाथ महतो, भुनेश्वर महतो, मनोज मंडल, धनेश्वर चौधरी, देवधारी महतो, लालचंद महतो, नुनुलाल महतो, तेजपाल महतो, मुकेश कु महतो तथा सदस्य मे अधिवक्ता झलकदेव महतो, दयासागर महतो, बैजनाथ महतो, शिव नारायण महतो, महेंद्र कुमार, सुनील महतो, इत्यादि सदस्य उपस्थित हुए।

मोंथा चक्रवात ने किसानों के सपनों पर फेरा पानी, खेत में लगे धान हो रहे खराब

रामगढ़, संवाददाता

चक्रवात 'मोंथा' ने किसानों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। रामगढ़ जिला में लगातार बारिश और तेज हवाओं से धान की फसल को भारी नुकसान हुआ है। अधपक्का खड़ी धान गिरने से फसल के सड़ने का डर है। किसान फसल बीमा योजना से मदद की उम्मीद कर रहे हैं। मौसम विभाग ने 31 अक्टूबर तक राहत की संभावना जताई है, लेकिन किसानों की चिंता बरकरार है। वहीं जिन किसानों का धान पक्क गया था। वहां पानी भर जाने से फसल सड़ने की आशंका जताई जा रही है। किसानों का कहना है कि इस वर्ष पहले ही अधिक वर्षा के कारण सब्जियां सहित अन्य फसलों में काफी नुकसान हुआ था। ऐसे में वे धान की फसल पर उम्मीद लगाए बैठे थे। लेकिन चक्रवातीय बारिश ने उनके सपनों पर पानी फेर दिया। जिला में इस वर्ष निर्धारित लक्ष्य से अधिक क्षेत्र में धान की खेती हुई थी। लेकिन अब किसान नुकसान की आशंका से परेशान हैं। किसानों के चेहरे मुरझा गए हैं और माथे पर चिंता की लकीरें साफ झलक रही हैं। इधर, मौसम विभाग की मानें तो 31 अक्टूबर को कुछ राहत मिल सकती है।

स्वामी दयानंद निर्वाण दिवस पर डीएवी पब्लिक स्कूल, रजरप्पा में श्रद्धा और प्रेरणा का संगमं

रामगढ़, संवाददाता

डीएवी पब्लिक स्कूल, सी०सी०एल०, रजरप्पा प्रोजेक्ट में आज स्वामी दयानंद सरस्वती का निर्वाण दिवस अत्यंत श्रद्धा और भावपूर्ण वातावरण तथा झारखंड प्रक्षेत्रझ्रडी के सहायक क्षेत्रीय अधिकारी सह डीएवी रजरप्पा के प्राचार्य के डॉ० एस के शर्मा के मार्ग दर्शन में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत स्वामी जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पण से हुई, जिसमें शिक्षकगण और विद्यार्थियों ने भाग लिया। संस्कृत शिक्षक रामेश्वर शर्मा ने स्वामी दयानंद जी के जीवन, उनके सुधारवादी विचारों और शिक्षा के क्षेत्र में योगदान पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। उन्होंने बताया कि स्वामी जी ने समाज में व्याप्त कुरीतियों के विरुद्ध आवाज उठाकर वैदिक मूल्यों की पुनर्स्थापना की।कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने हिंदी और अंग्रेजी में प्रेरक भाषण प्रस्तुत किए, जिनमें डीएवी आंदोलन की भूमिका और स्वामी जी के नेतृत्व को रेखांकित किया गया। भजन सत्र में श्री सत्यकाम आर्य और रजनीश पाठक के साथ विद्यार्थियों ने भी भावपूर्ण भजन प्रस्तुत किए, जिससे वातावरण में आध्यात्मिकता और राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत हुई। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा विधिवत संपन्न हवन, जिसमें सभी उपस्थित जनों ने भाग लेकर शांति, समृद्धि और सद्भाव की कामना की। पूरे आयोजन का संयोजन श्री रमेश्वर शर्मा के नेतृत्व में हुआ, जिन्होंने अनुशासित और उत्साहपूर्ण ढंग से सभी गतिविधियों का संचालन किया। अंत में बच्चों की सक्रियता को देखकर प्राचार्य महोदय ने कहा कि यह आयोज केवल स्वामी दयानंद जी को श्रद्धांजलि देने का अवसर नहीं बना, बल्कि डीएवी परिवार को उनके विचारों और जीवन मूल्यों के प्रति पुनः समर्पित करने की प्रेरणा भी प्रदान की।

नवनिर्माणधीन पीवीयूएनएल के अधीनस्थ आर बी पी आर में कार्यरत मजदूर दुर्घटना में हुआ घायल

रामगढ़, संवाददाता

नव निमार्णाधीन पीवीयूएनएल के अधीनस्थ कंपनी आर बी पी आर में कार्यरत गढ़वा निवासी दिलखुश खान की कार्य के दौरान दुर्घटना हो जाने से वह बुरी तरह घायल हो गया। बताया जाता है कि पीवीयूनएल के बॉयलर क्षेत्र के बॉटम सैलो में कार्य कर रहे गढ़वा निवासी दिलखुश खान काफी ऊंचाई में काम कर रहे थे। जहां ऐश कन्वेयर में वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। आनन-फानन में घायल मजदूर को पीवीयूएनएल अस्पताल लाया गया जहां उसकी प्राथमिक उपचार के बाद उसे रांची रेफर कर दिया गया। इस संदर्भ में आर बी पी आर के पदाधिकारियों ने बताया कि चोट मामूली है उसके पैर में चोट आई है। मगर वह खतरे से बिल्कुल बाहर है। चिंता की कोई बात नहीं है।

बीएसएल के एमआरडी विभाग की नवाचारपूर्ण पहल से स्क्रैप प्रबंधन में सुधार

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट का मेटेरियल रिकवरी विभाग (एमआरडी) संयंत्र में संसाधनों के कुशल उपयोग और इस्पात उत्पादन हेतु स्क्रैप की उपलब्धता सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभा रहा है। अधिशासी निदेशक (संकार्य) प्रिय रंजन के मार्गदर्शन में आरंभ की गई पहल के तहत विभिन्न विभागों से स्क्रैप एकत्र कर उसका संगठित निपटान किया जा रहा है। इससे संयंत्र में स्वच्छता और हाउसकीपिंग के स्तर में सुधार हुआ है तथा स्टील मेल्टिंग शॉप्स को पर्याप्त स्क्रैप उपलब्ध हो रहा है। यह पहल रखरखाव कार्यों से उत्पन्न स्क्रैप के पुनः उपयोग को बढ़ावा देकर वेस्ट टू वेल्थ की अवधारणा को साकार कर रही है। बीएसएल की यह कोशिश संचालन दक्षता और सतत विकास के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

भाजपा अपने अंतर्कलह और जनविरोधी नीतियों से खात्मे की ओर : संजीव सरदार

जमशेदपुर, संवाददाता

आगामी 11 नवंबर को होने वाले घाटशिला विधानसभा उपचुनाव को लेकर क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान तेज हो गया है। जिसके तहत गुरुवार पोटका विधायक संजीव सरदार ने झामुमो प्रत्याशी सोमेश चंद्र सोरेन के पक्ष में क्षेत्र के कई गांवों का दौरा कर जनता से संवाद करते हुए पार्टी के पक्ष में मतदान करने की अपील भी की। इस दौरान उन्होंने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा की एकता और जनता का विश्वास इस चुनाव में निर्णायक साबित होगा। भाजपा आज अपनी अंतर्कलह और जनविरोधी नीतियों के कारण खात्मे की कगार पर है। घाटशिला की जनता झूठे वादों में अब नहीं आने वाली। साथ ही उन्होंने कहा कि झामुमो का उद्देश्य केवल सत्ता नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग को सम्मान और अधिकार देना है। उन्होंने कहा कि जनता का विश्वास और झारखंड मुक्ति मोर्चा का संकल्प मिलकर हम घाटशिला को विकास, शिक्षा, रोजगार और सम्मान की नई राह पर ले जाएंगे। उन्होंने कहा कि स्व. रामदास सोरेन ने हमेशा जनता की सेवा और क्षेत्र के विकास के लिए जो कार्य शुरू किए थे, झामुमो प्रत्याशी सोमेश चंद्र सोरेन उन्हीं अधूरे कार्यों को आगे बढ़ाने का काम करेंगे। वहीं ग्रामीणों ने झामुमो प्रत्याशी के पक्ष में पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन देते हुए कहा कि अबुआ सरकार की योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचा है। कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ता, बुद्धिजीवी वर्ग, ग्राम प्रधान और युवा बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

घाटशिला विधानसभा उपचुनाव के मद्देनजर 2 करोड़ 91 लाख 21 हजार रूपए के मूल्य की सामग्री जब्त

जमशेदपुर : जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी के निर्देश पर विधानसभा उपचुनाव को निष्पक्ष एवं पारदर्शी रूप से संपन्न कराने के लिए जिले में सघन निगरानी अभियान चलाया जा रहा है। निगरानी दलों द्वारा अंतरराज्यीय सीमाओं, चेकपोस्टों एवं विभिन्न थाना क्षेत्रों में वाहनों की जांच एवं सतत कार्रवाई के तहत अब तक बड़ी मात्रा में नकदी, शराब, मादक पदार्थ एवं फ्रीबीज जब्त किए गए हैं। बताते चलें कि जिले में स्थापित फ्लाइंग स्क्वॉड टीम, स्थैतिक निगरानी दल, आबकारी व पुलिस विभाग एवं जिला स्तरीय व्यय निगरानी दल द्वारा संयुक्त रूप से सतत कार्रवाई की जा रही है। साथ ही आम नागरिकों से अपील की है कि वे निर्वाचन प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले किसी भी अवैध गतिविधि, धन या वस्तु वितरण की सूचना तुरंत सी-विजिल एप के माध्यम से दें। प्रशासन ऐसी सूचनाओं पर त्वरित कार्रवाई करेगा। नकद राशि - 42 लाख 71 हजार रुपए, शराब - 12837 लीटर (बाजार मूल्य 10 लाख 11 हजार रुपए), ड्रग्स/मादक पदार्थ - 5 लाख 10 हजार रुपए, फ्रीबीज/अन्य सामग्री - 2 करोड़ 33 लाख 38 हजार रुपए, कुल जब्ती - 2 करोड़ 91 लाख 21 हजार रुपए

तेनुघाट में डीबीसी प्रबंधन व हाईवा एसोसिएशन के बीच त्रिपक्षीय बैठक संपन्न

बोकारो, संवाददाता

अनुमंडल पदाधिकारी मुकेश मछुवा की अध्यक्षता में तेनुघाट एसडीओ कार्यालय में डीबीसी प्रबंधन, हाईवा एसोसिएशन और ट्रांसपोर्टर से जुड़ी त्रिपक्षीय वार्ता को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वर्गीय जगरनाथ महतो के पुत्र राजू महतो, बेरमो विधायक जयमंगल सिंह के प्रतिनिधि सन्तन सिंह, डीवीसी चंद्रपुरा और बोकारो थर्मल के डीजीएम सहित हाइव एसोसिएशन के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। हालांकि, नव-निविदा प्राप्त ट्रांसपोर्टर जेडीएमएस ट्रांसपोर्ट की अनुपस्थिति के कारण वार्ता निर्णायक नतीजे पर नहीं पहुंच सकी। एसडीओ ने स्पष्ट निर्देश दिए कि अगली बैठक, जो 1 नवंबर को चंद्रपुरा के डायरेक्टर बंगला में सुबह 11 बजे होगी, उसमें ट्रांसपोर्टर की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी। इसकी जवाबदेही डीबीसी प्रबंधन को दी गई है। बताया गया कि बीटीपीएस और सीटीपीएस से छाई उठाव पिछले कई महीनों से बंद है, जिससे स्थानीय हाइव मालिकों और डीबीसी प्रबंधन के बीच विवाद बना हुआ है। बैठक में हाइव कोयलांचल ऑनर एसोसिएशन ने सात सूत्री मांगें रखीं – जिनमें 75% स्थानीय गाड़ियों का संचालन, ओवरलोडिंग पर रोक, विस्थापित मजदूरों को रोजगार, उचित दर पर भुगतान और छाई लोडिंग में स्थानीय लोगों को प्राथमिकता जैसी बातें शामिल हैं। मौके पर बोकारो थर्मल पुलिस निरीक्षक पिंकू कुमार यादव, चंद्रपुरा थाना प्रभारी अजय कुमार सिंह, मुन्ना विश्वकर्मा, अंशु राय, अब्दुल जमील, मोहम्मद यूसुफ सहित कई लोग उपस्थित थे।

तेनुघाट में अक्षय नवमी पर आंवला वृक्ष की विधिवत पूजा, महिलाओं ने मांगा सुख-सौभाग्य का आशीर्वाद

बोकारो, संवाददाता

अक्षय नवमी के अवसर पर बुधवार को तेनुघाट क्षेत्र में महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ आंवला वृक्ष की विधिवत पूजा-अर्चना की। श्रद्धालु महिलाओं ने पूजा के बाद वृक्ष के नीचे प्रसाद ग्रहण कर सुख, समृद्धि और संतान-सौभाग्य की कामना की। इस अवसर पर पुजारी राजीव कुमार पांडेय ने बताया कि अक्षय नवमी को आंवला नवमी के नाम से भी जाना जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इसी दिन सतयुग की शुरूआत हुई थी। कहा जाता है कि इस दिन भगवान श्रीकृष्ण ने अपने कर्तव्यों की पूर्ति के लिए वृंदावन से मथुरा की यात्रा प्रारंभ की थी। आंवले के वृक्ष की पूजा भगवान विष्णु को समर्पित होती है, क्योंकि इसमें मां लक्ष्मी का वास माना गया है। इस मौके पर तेनुघाट पंचायत की पूर्व मुखिया रेखा सिन्हा, चंद्रलेखा कटरियार, अमला कटरियार, सुनीता सिन्हा, अंजली कटरियार, रीना सिन्हा, सुजाता प्रसाद, शालिनी सिन्हा, ममता कटरियार, विभा विश्वनाथन, सीता यादव, हेमा कटरियार, सुष्मिता कटरियार, अनुजा कटरियार, मुकुलिका कटरियार सहित कई महिलाओं ने अपने परिवार के साथ श्रद्धापूर्वक आंवला वृक्ष की पूजा-अर्चना की।

नहीं थम रही हैं नावाडीह थाना क्षेत्र में चोरी की घटनाएं, सुरही में पांच लाख के जेवरात सहित नगदी की चोरी

घर में ताला बंद कर छठ में बिहार के गया गए हुए हैं दंपत्ति

बोकारो, संवाददाता

नावाडीह थाना क्षेत्र में इन दिनों चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। आए दिन नावाडीह प्रखंड के नीचे घाट हो या ऊपरघाट लगातार चोरी की घटनाएं हो रही हैं। लेकिन अभी तक एक दो घटना को छोड़ अन्य एक भी चोरी कांड का उद्भेदन पुलिस द्वारा नहीं हो पाया है। सुरही निवासी गणेश साव अपने पूरे परिवार के साथ घर में तला बंद कर छठ पूजा में बिहार के गया गए हुए हैं। मंगलवार की रात अज्ञात चोरों ने उनके सुरही स्थित घर का ताला तोड़कर, अलमारी में रखे लगभग पांच लाख से अधिक मूल्य के सोने के जेवरात व नगद रुपये भी चोरी कर ले भागे। गणेश साव के दामाद,सुरही गाँव निवासी मनोज गुप्ता बुधवार की सुबह अपने ससुर के घर गया तो देखा कि घर का ताला टूटा हुआ है. उसने इस घटना की जानकारी सुरही मुखिया विश्वनाथ महतो को दी। सूचना पाकर मुखिया विश्वनाथ महतो,गणेश साह के घर पहुंच कर इसकी जानकारी स्थानीय पुलिस को दिया । मुखिया विश्वनाथ महतो ने बताया कि छठ पूजा के पहले अर्घ्य के दिन दुलारचंद पंडित के यहां भी अज्ञात चोरों द्वारा जेवरात व नगदी की चोरी हुई है।

पहले भी अज्ञात चोरों ने अनेक घरों व सरकारी संस्थानों को बनाया है निशाना

मुखिया ने कहा कि नारायण महतो के घर से लगभग चार हजार रुपए नगद व 50 हजार के जेवरात, बालू रविदास के घर से चालीस हजार रुपए नगद व तीस हजार के जेवरात , निखत प्रवीण के घर से 45 हजार रुपए नगद व दस हजार के जेवरात, धनु रविदास के घर से 60 हजार रुपए नगद व 15 हजार के जेवरात, मध्य विधालय बखरी टोला सुरही से एलसीडी व तड़ीत चालक आदि चोरी की घटनाएँ हुई हैं। वहीं दुर्गा पूजा के विजयादशमी की रात, मेन रोड नावाडीह स्थित आकाश गंगा होटल, चिरूडीह के दुधीमाटी निवासी शिबू महतो, सुरेश महतो, जु नोडीह निवासी लखन महतो के घर भी चोरी हुई थी। साथ ही, इससे पूर्व भी चोरों ने दर्जनों घरों को अपना निशाना बनाया है लेकिन अभी तक पुलिस द्वारा एक दो कांड को छोड़ अन्य कोई भी चोरी कांड का उद्भेदन नहीं हो पाया है, जिससे ग्रामीणों में पुलिस प्रशासन के प्रति नाराजगी जताई जा रही है।

बीएसएल में दर्दनाक हादसा, ठेका मजदूर का हाथ कलाई से कटा, अपोलो रेफर

बोकारो, संवाददाता

बोकारो स्टील प्लांट में गुरुवार सुबह हुए एक गंभीर हादसे में ठेका मजदूर का दाहिना हाथ कलाई से पूरी तरह कट गया, जबकि बायां हाथ भी बुरी तरह जख्मी हो गया। हादसा ब्लास्ट फर्नेस-04 क्षेत्र में हुआ, जब 45 वर्षीय कॉन्ट्रैक्ट वर्कर देवाशीष राय मडगन में मिट्टी डालने का कार्य कर रहे थे। इसी दौरान मशीन में फंस जाने से उनका दाहिना हाथ कट गया और बाएं हाथ की कई उंगलियां भी क्षतिग्रस्त हो गईं। घटना के बाद सहकर्मी मजदूरों ने तुरंत उन्हें बोकारो जनरल अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए उन्हें कोलकाता के अपोलो अस्पताल रेफर कर दिया। देवाशीष राय एचएन रिफ्रैक्टरी वर्क्स में अनस्किल्ड वर्कर के रूप में कार्यरत थे और ठेका प्रणाली के तहत बीएसएल में कार्य कर रहे थे। हादसे के बाद मजदूरों में आक्रोश और चिंता का माहौल है। श्रमिक संगठनों ने ठेका मजदूरों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रबंधन से जवाबदेही तय करने की मांग की है। वहीं बीएसएल प्रशासन ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। मजदूर की हालत नाजुक बताई जा रही है।

राहुल गांधी बोले: पीएम मोदी के हाथ में नीतीश का रिमोट कंट्रोल

पीएम ने बटन दबाया और सीएम बोलने लगते हैं, बिहार को बदलने का दावा झूठा

नालंदा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी नालंदा के नूरसराय में गुरुवार (30 अक्टूबर) को सभा की। उन्होंने कहा, बिहार का युवा सपना देखता है कि इंजीनियर बनूंगा, डॉक्टर बनूंगा। मां-पिता के पास जाता है और कहता है कि मुझे पढ़ाई करनी है। महीनों की मेहनत के बाद परीक्षा के एक दिन पहले पेपर लीक हो जाता है और बिहार का ईमानदार युवा देखता रह जाता है। नीतीश कुमार कहते हैं कि 20 साल में बिहार को बदल दिया। लेकिन मैं पूछता हूं कि क्या बिहार में अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य मिल सकता है। बिहार के अस्पतालों में लोग जीने नहीं मरने जाते हैं। दूसरी तरफ छठ मोदी खड़े हैं। पीएम के हाथ में नीतीश का रिमोट है। नीतीश से जो करवाना है छठ करवा देंगे। बिहार को नीतीश नहीं चलाते हैं। सरकार अमित शाह-मोदी चलाते हैं। राहुल गांधी ने कहा, मैं बिहार के युवाओं से सवाल पूछना चाहता हूं। मैं देश के किसी भी प्रदेश में जाता हूं तो वहां मुझे बिहार के लोग दिखाई देते हैं। दुबई जैसी जगह को आपने अपने खून पसीने से बनाया है। मेरा आपसे सवाल है कि जब आप दुबई और बेंगलुरु जैसा शहर बना सकते हो तो ये बिहार में क्यों नहीं कर पाते हो। एक समय होता था जब नालंदा की यूनिवर्सिटी पूरी दुनिया में मशहूर थी। जापान, कोरिया, इंग्लैंड से लोग पढ़ाई करने आते थे। दुनिया की शिक्षा का सेंटर नालंदा था। आज बिहार की यूनिवर्सिटी के बारे में दूसरे लोगों से पूछिए। कहते हैं वहां सिर्फ पेपर लीक होता है। जिनकी सेटिंग है उन्हें पेपर मिल जाता है। बिहार के बाकी युवा देखते रह जाते हैं।' राहुल बोले- मोदी छठ पूजा का ड्रामा कर रहे, यमुना की बजाए स्विमिंग पूल में नहाते हैं राहुल गांधी ने छठ पर्व पर यमुना नदी को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा है कि मोदी जी छठ पूजा का ड्रामा कर रहे हैं और यमुना नदी में नहाने के बजाय एक स्विमिंग पूल में नहाने गए थे। राहुल ने आरोप लगाया कि यह छठ पूजा वोट हासिल करने के लिए किया गया नाटक है और मोदी वोट के लिए मंच पर नाच भी सकते हैं। उन्होंने कहा कि मोदी की छठ पूजा या बिहार की परंपरा से कोई लेना-देना नहीं है, उनका मकसद केवल वोट लेना है। राहुल ने यह भी कहा कि मोदी जी जनता की समस्याओं से कोई सरोकार नहीं रखते, सिर्फ प्रचार और सत्ता में बने रहने में लगे रहते हैं। राहुल गांधी ने कहा, 'मोदी जी ट्रंप से डरते हैं। 50 बार अमेरिकी राष्ट्रपति ने बोला है। मैंने नरेंद्र मोदी को डराकर ऑपरेशन सिंदूर बंद कराया है। ट्रंप अलग-अलग देशों में जाकर उनका अपमान कर रहा है। कहता है मैंने मोदी को झुका दिया। उनके मुंह से एक आवाज नहीं निकली। ऐसा आदमी बिहार में कभी विकास नहीं ला सकता। ट्रंप हमारी सेना के बारे में बोल रहा है। हमारी वायुसेना के बारे में बोल रहा है। मोदी जी चुप हैं। इंदिरा गांधी ने अमेरिका को चुप करा दिया था। ट्रंप कहता है मैंने मोदी को फोन लगाया कि ऑपरेशन सिंदूर रोको और फिर ऑपरेशन रुक गया। मैं मोदी जी को चैलेंज करता हूं बिहार आकर कहें कि ट्रंप झूठ बोल रहा है।' नरेंद्र मोदी को छठ पूजा से कोई लेना देना नहीं है। उन्हें सिर्फ आपका वोट चाहिए। आप वोट के लिए उनसे कोई भी ड्रामा करवा लो वो कर देंगे। वोट के लिए उनसे कहिए स्टेज पर आकर डांस करें वो कर देंगे। नीतीश कुमार खुद कोई फैसला नहीं ले रहे हैं। वो रिमोट से चल रहे हैं। बीजेपी वाले उन्हें चला रहे हैं। दिल्ली से उन्हें कंट्रोल किया जा रहा है। उनके आसपास भी अपने लोग रखे जा रहे हैं मुझे बताइए आपके फोन के पीछे क्या लिखा है। मेड इन चाइना। लेकिन मेड इन चाइना नहीं, मेड इन बिहार होना चाहिए। हम चाहते हैं चीन के लोग मेड इन बिहार की चीजें खरीदें। मोबाइल, शर्ट, पैंट, ये सब बिहार में बनने चाहिए और बिहार के युवाओं को उन कारखानों में रोजगार मिलना चाहिए। बिहार के लोग बाहर क्यों जाएं। दूसरे राज्यों के लोगों को बिहार आना चाहिए। बिहार के भागलपुर में अडाणी को 1 रुपए में जमीन दे दी गई। लेकिन इसकी चर्चा तक नहीं हो रही है। केंद्र की सरकार किसानों के लिए बड़े बड़े उद्योगपतियों के लिए काम करती है। किसानों से जमीनें छीनी जा रही हैं। हमने अभी 20 दिनों तक रकफ को लेकर यात्रा निकाली। ये लोग अपनी मर्जी चला रहे हैं। महाराष्ट्र और हरियाणा में जिस तरह से वोट चोरी की गई वो यहां भी करने जा रहे हैं।

छठ प्रसाद से लौट रहे दो युवक काल के गाल में समाए

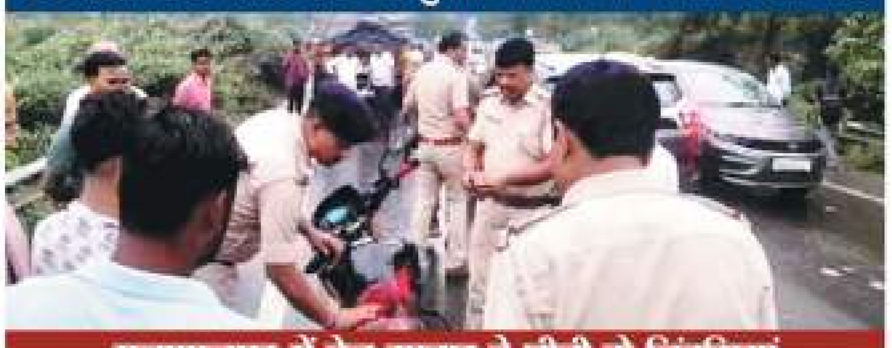

मुजफ्फरपुर में तेज रफ्तार ने छीनी दो जिंदगियां

मुजफ्फरपुर। बुधवार की शाम एक भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा सदर थाना क्षेत्र के दिघरा नहर के पास हुआ, जहां एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार दो युवकों को कुचल दिया। बताया जा रहा है कि दोनों युवक छठ पूजा का प्रसाद लेकर लौट रहे थे। दुर्घटना इतनी भयावह थी कि दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोग मौके पर जुट गए और सड़क को जाम कर हंगामा शुरू कर दिया। इस बीच ट्रक चालक और उसका सहयोगी ट्रक को मौके पर छोड़कर फरार हो गए। स्थानीय लोगों ने क्षत-विक्षत शव देखकर गुस्से में सड़क पर प्रदर्शन किया। घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आक्रोशित लोगों को समझा-बुझाकर स्थिति को शांत कराया। इसके बाद पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया। स्थानीय लोगों ने पुलिस को बताया कि यह हादसा ओवरटेक करने के दौरान हुआ। ट्रक की चपेट में आने के बाद एक युवक का शव कुछ दूर तक घसीटता चला गया। लोगों के शोर मचाने पर चालक और खलासी ट्रक छोड़कर फरार हो गए। स्थानीय लोगों ने यह भी बताया कि इस स्थान पर आए दिन सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से सुरक्षा के कोई ठोस इंतजाम नहीं किए गए हैं। सदर थानेदार अस्मित कुमार ने बताया कि दुर्घटना में शामिल दोनों वाहनों को जब्त कर लिया गया है। फिलहाल मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है और उनकी शिनाख्त के प्रयास जारी हैं। ट्रक चालक और सहयोगी फरार हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। पुलिस ट्रक के नंबर और मालिक की जानकारी जुटा रही है ताकि आगे की कार्रवाई की जा सके।

जनता महागठबंधन के बहकावे में नहीं आएगी

मुजफ्फरपुर। कुढ़नी विधानसभा क्षेत्र के केरमा स्थित अंबेडकर खेल मैदान में बुधवार को एनडीए की ओर से एक विशाल जनसभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और हम पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जीतन राम मांझी मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। जनसभा को संबोधित करते हुए मांझी ने कहा कि बिहार के विकास के लिए, एनडीए की सरकार का बनना बेहद जरूरी है। उन्होंने कुढ़नी विधानसभा क्षेत्र से एनडीए के प्रत्याशी केदार प्रसाद गुप्ता के पक्ष में मतदान की अपील की। कार्यक्रम में सांसद राजीव प्रताप रूडी और राज्यसभा सांसद शम्भूशरण ठाकुर भी शामिल हुए।

संक्षिप्त डायरी

वैशाली में तेज प्रताप को झेलना पड़ा भारी विरोध, राजद समर्थकों ने खदेड़ा, लगे तेजस्वी के जयकारे

वैशाली। जिले के महनार विधानसभा क्षेत्र में बुधवार को चुनावी प्रचार करने पहुंचे लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को विरोध का सामना करना पड़ा। सभा स्थल पर पहुंचे तेज प्रताप के सामने राजद (RJD) समर्थकों ने तेजस्वी यादव जिंदाबाद और लालटेन छाप जिंदाबाद के नारे लगाए। विरोध इतना बढ़ गया कि आक्रोशित समर्थकों ने तेज प्रताप के काफिले को कुछ दूर तक खदेड़ दिया। जानकारी के अनुसार, तेज प्रताप यादव महनार के हीरानंद उच्च विद्यालय परिसर में जनशक्ति जनता दल के उम्मीदवार जय सिंह राठौर के समर्थन में सभा को संबोधित करने पहुंचे थे। उन्होंने शाम करीब 5 बजे से 6 बजे तक सभा को संबोधित किया। तेज प्रताप यादव हेलीकॉप्टर से पहुंचे थे, लेकिन समय अधिक हो जाने के कारण हेलीकॉप्टर उन्हें उतारकर वापस उड़ गया। इसके बाद वे सड़क मार्ग से सभा स्थल पहुंचे और सभा के बाद गाड़ी से ही महुआ लौटने लगे। इसी दौरान रास्ते में राजद समर्थकों ने तेज प्रताप के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विरोध किया। घटना को लेकर जनशक्ति जनता दल के उम्मीदवार जय सिंह राठौर ने आरोप लगाया कि सभा के दौरान कोई दिक्कत नहीं हुई, लेकिन लौटते समय राजद के चार-पांच गुंडों ने हमारी गाड़ियों पर पत्थरबाजी की और नारे लगाए। यह एक सोची-समझी साजिश है। जय सिंह ने आगे कहा कि यह लोग 15 से 16 करोड़ रुपये में टिकट खरीदते हैं और 5-6 करोड़ रुपये चुनाव में खर्च करेंगे। पैसे और शराब से वोट खरीदने की कोशिश करेंगे। हार की आशंका में इस तरह के हमले करवा रहे हैं। जनता अब सब जान चुकी है। हम प्रशासन से सुरक्षा की मांग करते हैं।

गठबंधन के प्रत्याशी को वोट नहीं दोगे तो अंजाम बुरा होगा, इतना कहकर दादी-पोते को पीटा

सौरबाजार (सहरसा)। थाना क्षेत्र के सुहथ गांव में बुधवार की शाम वोट नहीं देने के विवाद में महिला को मारपीट कर जख्मी करने का मामला प्रकाश में आया है। मारपीट में जख्मी गांगो शर्मा की पत्नी द्रौपदी देवी ने पुलिस आवेदन देकर गुहार लगायी है। दिए आवेदन में कहा कि मैं बहियार मजदूर का खाना लेकर जा रही थी, उसी दौरान सुहथ गांव के पांडव कुमार यादव, आशीष कुमार यादव, कृष्ण कुमार यादव, अमरेन्द्र कुमार यादव समेत अन्य लोगों ने घेरकर अभद्र जाति सूचक शब्द का प्रयोग करते हुए कहा कि हम लोगों के कहने पर तुम लोग चुनाव में वोट नहीं देते हो। इस बार हमारे गठबंधन के प्रत्याशी को वोट नहीं दोगे तो अंजाम बुरा होगा। इस बात का विरोध करने पर मेरे साथ एवं मेरे पोते के साथ मारपीट कर जख्मी कर दिया। इस मामले में पुलिस ने पीड़ित महिला के आवेदन पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

बिहार में 'मोन्था' का असर, 12 जिलों में तेज बारिश

पटना। बिहार में आज यानी गुरुवार को चक्रवाती तूफान मोन्था का असर देखने को मिल रहा है। बक्सर, भोजपुर, किशनगंज, बेतिया में तेज बारिश शुरू हो गई है। पटना समेत पूरे बिहार में काले बादल छाए हैं। भोजपुर के संदेश विधानसभा के छोटा सासाराम गांव में तेज बारिश के बाद बीजेपी के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण का हेलिकॉप्टर फंस गया। सभा में आए लोगों ने भी सिर पर कुर्सी रख ली। इससे पहले पटना, औरंगाबाद, बक्सर और भागलपुर में सुबह-सुबह बारिश हुई है। वहीं, दोपहर बाद सीवान, बेतिया, रोहतास और किशनगंज में बारिश हुई है। मौसम विज्ञान ने आज 25 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। आकाशीय बिजली का भी चेतावनी जारी की गई है। 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा भी चल सकती है। राज्य के अधिकांश हिस्सों में अगले तीन दिनों तक हल्की से मध्यम बारिश होने के कारण दिन का तापमान घटकर 25 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। बारिश के दौरान हवा की रफ्तार 65 किमी प्रति घंटे रह सकती है। इसके बाद पूरे बिहार में मौसम शुष्क रहेगा और ठंड बढ़ेगी। मौसम विभाग ने अगले तीन दिन यानी 1 नवंबर तक बारिश और बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया है। यलो अलर्ट वाले जिलों में अगले 48 घंटे तक बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने किसानों और आम लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। बुधवार की देर रात अररिया और मधुबनी में झमाझम बारिश हुई।

सीवान में दरोगा की गला रेतकर हत्या

सीवान। ASI को गला रेतकर हत्या की गई है। दरौंदा थाने में पोस्टेड दरोगा अनिरुद्ध कुमार का शव दरौंदा-महाराजगंज मुख्य मार्ग पर सिरसाव गांव के पास सड़क किनारे झाड़ियों से बरामद किया गया है। चाकू से गला रेतकर वारदात को अंजाम दिया गया है। लव-अफेयर में हत्या किए जाने की बात सामने आ रही है। कहा जा रहा है कि दरोगा का गांव की किसी अर्केस्ट्रा डांसर से रिश्ता था। जिसे लेकर कई बार अनबन भी हो चुकी थी। सूचना मिलते ही सीवान SP मनोज कुमार तिवारी, SDPO अमन के साथ-साथ स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। दरोगा अनिरुद्ध कुमार डेढ़ साल से दरौंदा थाने में पोस्टेड थे। उनका शव दरौंदा थाने से 2KM और महाराजगंज थाने से करीब 3KM दूर मिला है। वारदात वाली जगह देखकर कहा जा रहा है कि बुलाकर दरोगा की हत्या की गई है। अनिरुद्ध कुमार अपनी बाइक से सिरसाव गांव आए थे। उनकी बाइक सड़क किनारे लगी पाई गई। सड़क से लगभग 200 मीटर पर ले जाकर झाड़ी के बीच में गले को निर्मम तरीके से रेतकर हत्या कर दी गई है। गांव के लोग जब शौच के लिए खेत में आए तो शव देख थाने को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंचे दरौंदा थाना पुलिस ने शव की पहचान ASI अनिरुद्ध कुमार के रूप में करते हुए वरीय पदाधिकारी को सूचना दी गई। मृतक दरोगा की पहचान अनिरुद्ध कुमार के रूप में हुई है, जो सिवान जिले के दरौंदा थाने में पदस्थ थे। पुलिस के अनुसार वे तीन दिन पहले छठ पर्व मनाने के लिए दरभंगा गए थे। दो दिन घर में रहने के बाद परिवार को वहीं छोड़कर अकेले सिवान लौट रहे थे। इसके बाद उन्हें बुलाकर हत्या कर दी गई है, पुलिस आसपास के क्षेत्र में छापामारी कर रही है और सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं।

सीवान में जहां दरोगा अनिरुद्ध कुमार की हत्या हुई, वह घटना स्थल नया टोला गांव के पास एक सुनसान अरहर खेत है। दरोगा की हत्या सिंगल डेथ में की गई है। हत्या के बाद शव खेत में खून से लथपथ पड़ा था, गले पर गहरे घाव थे और हाथ-पैर बंधे हुए थे। उनकी बॉडी चित पड़ी हुई है, दोनों हाथ ऊपर की तरफ हैं और गला काटा गया और चेहरे पर खून के निशान हैं। इससे लग रहा है कि गले के पास कई वार किए गए हैं। आस पास अरहर के पेड़ गिरे हुए हैं और घिसटने के भी निशान दिखाई दे रहे हैं। पुलिस को आशंका है कि मर्डर यहीं हुआ है क्योंकि स्पॉट के निशान कुछ इस तरह का ही इशारा कर रहे हैं। घटना स्थल को पुलिस ने पीली रंग की 'डू नॉट क्रॉस' पट्टियां लगाकर सील कर दिया है। फॉरेंसिक टीम मौजूद है जो साक्ष्य इकट्ठा कर रही है। आसपास का क्षेत्र काफी सुनसान और दूरदराज का बताया गया है। प्राथमिक जांच में यह माना जा रहा है कि दरोगा की पहले पिटाई की गई और फिर धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या की गई है।

छठ के बाद काम पर लौटने की आपाधापी, पटना जंक्शन पर उमड़ी यात्रियों की भीड़

पटना। छठ पूजा के समापन के बाद बिहार के श्रमिक और कामकाजी लोग अपने कार्यस्थलों की ओर लौटने लगे, जिससे पटना जंक्शन सहित कई स्टेशनों पर यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। बुधवार को पटना, पाटलिपुत्र, राजेन्द्र नगर, दानापुर स्टेशनों पर दिल्ली जाने वाली ट्रेनों में सबसे ज्यादा अफरा-तफरी दिखी। पटना जंक्शन पर श्रमजीवी एक्सप्रेस के प्लेटफार्म नंबर 4 पर सुबह 10:30 बजे पहुंचते ही यात्री ट्रैक के दोनों ओर उतर गए। ट्रेन आते ही जनरल और स्लीपर कोच में घुसने की होड़ मच गई। जगह न मिलने पर कई यात्री पार्सल कोच में सवार हो गए। भीड़ इतनी थी कि 200 मीटर से ज्यादा लंबी कतारें लगी रहीं। राजेंद्रनगर टर्मिनल से दिल्ली जाने वाली संपूर्णक्रांति एक्सप्रेस में अनारक्षित टिकट लेकर चढ़ने की कोशिश में राजेंद्रनगर टर्मिनल पर यात्रियों की भारी भीड़ जमा हुई। पटना जंक्शन पहुंचते ही स्थिति और बिगड़ गई। कई यात्री जनरल कोच में नहीं चढ़ सके और प्लेटफार्म पर ही स्पेशल ट्रेन का इंतजार करने लगे। रेलवे अधिकारियों को व्यवस्था संभालने में पसीने छूट गए। स्टेशन डायरेक्टर अरुण कुमार और आरपीएफ इंस्पेक्टर मौके पर यात्रियों को समझाते नजर आए। आरपीएफ की मदद से ही कोचों में प्रवेश कराया गया। श्रमजीवी, संपूर्णक्रांति, राजेंद्रनगर-एलटीटी, दानापुर-संघमित्रा, पाटलिपुत्र-एलटीटी जैसी ट्रेनों में स्लीपर से लेकर एसी कोच तक पूरी तरह भर गए। जो यात्री नहीं चढ़ पाए, उनके लिए ट्रेनों को एक-दो बार वैक्यूम लगाकर प्लेटफार्म पर रोका गया ताकि बाकी लोग सवार हो सकें। दिल्ली, मुंबई, पुणे, बेंगलुरु, रांची और कोटा जाने वाली ट्रेनों में यही हाल रहा। कंफर्म टिकट की चाह में सुबह 10 बजे से ही पटना जंक्शन, दानापुर, पटना साहिब, फुलवारीशरीफ और पाटलिपुत्र के काउंटरों पर लंबी कतारें लगीं। तत्काल काउंटर खुलते ही तीसरे-चौथे यात्री को ही वेटिंग टिकट मिलने लगा।

सीएम नीतीश ने बताया: कहां से कहां पहुंचा बिहार और कैसे?

तस्वीरों से दिखाया 'विकास'

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर सीएम नीतीश कुमार काफी एक्टिव मोड में हैं। इस दौरान उन्होंने जनता को बताया कि बिहार में विकास कहां-कहां और कैसे पहुंचा है। सीएम नीतीश कुमार ने बताया कि वर्ष 2005 से पहले बिहार हर क्षेत्र में पिछड़ गया था। विकास के कार्य पूरी तरह से ठप पड़ गए थे। आधारभूत संरचनाओं के विकास के लिए कोई काम नहीं होता था। नये भवनों का निर्माण तो दूर की बात थी, पहले से बने भवनों का रखरखाव और जीर्णोद्धार तक नहीं हो पाता था। उबड़-खाबड़ और टूटी-फूटी सड़कें बिहार के पिछड़ापन की पहचान बन गयी थीं। इतनी समृद्ध ऐतिहासिक विरासत वाला राज्य पूरी दुनिया में उपहास का पात्र बन गया था। राज्य के बाहर लोग अपनी पहचान छिपाते थे, क्योंकि उस वक्त बिहारी कहलाना अपमान का विषय हो गया था। देश के अन्य राज्यों के लोग बिहार को हेय दृष्टि से देखते थे। वर्ष 2005 में राज्य में नयी सरकार के गठन के बाद आधारभूत संरचनाओं के विकास के क्षेत्र में कई अभूतपूर्व कार्य किये गये। राज्य में नये भवनों के निर्माण के साथ-साथ ऐतिहासिक भवनों और पर्यटन स्थलों के विकास पर जोर दिया गया। राज्य में कई विश्वस्तरीय आधुनिक आधारभूत संरचनाओं का निर्माण कराया गया, जिसकी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सराहना भी हुई। इन परियोजनाओं के निर्माण से राज्य के लोगों को काफी फायदा हुआ है तथा राज्य की छवि बेहतर हुई है। उन्होंने बताया कि बीते 20 वर्षों में राज्य में कई विश्वस्तरीय पथों का निर्माण कराया गया, जबकि कई एक्सप्रेस-वे का निर्माण कार्य जारी है। इसमें जे०पी० गंगा पथ, अटल पथ, पाटलि पथ, बिहटा-सरमेरा पथ, मीठापुर-महुली पथ, लोहिया पथ चक्र, बख्तियारपुर-रजौली पथ, पटना-गया-डोभी पटना-मुजफ्फरपुर फोर लेन, पटना-बख्तियारपुर-मोकामा पथ तथा ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर प्रमुख हैं। वाराणसी कोलकाता एक्सप्रेस-वे, आमस-दरभंगा एक्सप्रेस-वे, पटना-पूर्णिया एक्सप्रेस-वे, गोरखपुर-सिलीगुड़ी एक्सप्रेस-वे और रक्सौल-हल्दिया एक्सप्रेस-वे का कार्य निर्माणाधीन है, जिसे तीव्र गति से पूरा किया जा रहा है। इन एक्सप्रेस-वे और हाई स्पीड कॉरिडोर के बनने से राज्य में न सिर्फ आवागमन बेहद सुगम हो गया है बल्कि राज्य में आर्थिक और व्यापारिक गतिविधियों में तेजी आयी है। राज्य का तीव्र गति से विकास हो रहा है और लोगों की आमदनी बढ़ रही है। इसके साथ ही हमारी सरकार ने राज्य में कई ऐतिहासिक भवनों का भी निर्माण कराया है। इनमें पटना का सम्राट अशोक कन्वेंशन केंद्र स्थित ज्ञान भवन, बापू सभागार तथा सभ्यता द्वार, बिहार संग्रहालय, अंजुमन इस्लामिया भवन, बापू टावर, सरदार पटेल भवन, बापू परीक्षा परिसर, हज भवन, पटना समाहरणालय, पटना सिटी का प्रकाश पुंज, ओपी शाह सामुदायिक भवन, गया का राज्य अतिथिगृह, महाबोधि कन्वेंशन केंद्र तथा विपार्ड भवन, दरभंगा में तारामंडल, पश्चिम चंपारण में वाल्मीकि सभागार और दिल्ली में नया बिहार सदन प्रमुख है। ये सभी अत्याधुनिक भवन सिर्फ नई संरचनायें ही नहीं हैं बल्कि बदलते बिहार की पहचान हैं। इसी तरह से पर्यटन और ईको टूरिज्म के क्षेत्र में भी हमारी सरकार लगातार शानदार कार्य कर रही है। इसमें मुख्य रूप से राजगीर में घोड़ा-कटोरा का विकास, जू-सफारी का निर्माण, राजगीर नेचर सफारी (ग्लास स्काई वॉक) का निर्माण, वेणुवन एवं पांडु पोखर का सौंदर्यीकरण, नवादा के ककोलत जल प्रपात में पर्यटकीय सुविधाओं का विकास, राजगीर एवं मंदार में नये रोप-वे का निर्माण, पटना में बुद्ध स्मृति पार्क का निर्माण, मधुबनी में मिथिला हाट का निर्माण शामिल है। इन कार्यों ने बिहार पर्यटन को आज विश्व मानचित्र पर लाकर रख दिया है।

मायावती ने मुस्लिमों को बताया बीजेपी को हराने का फॉर्मूला

कहा: सपा को वोट दिया तो बीजेपी को फायदा होगा, जानिए क्या रणनीति बताई

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने 2027 के विधानसभा में जीत का फॉर्मूला समझाया। मुस्लिम भाईचारा कमेटी की बैठक में बताया कि कैसे 20% दलित और 19% मुस्लिम मिलकर विनिंग कॉम्बिनेशन बन सकते हैं? जबकि सपा का बेस यादव वोटबैंक ही 8% है। मुस्लिमों का पूरा समर्थन पाकर भी वे सिर्फ 27% की ही ताकत बन पाते हैं। 2022 के विधानसभा चुनाव में मुस्लिम समाज का पूरा समर्थन पाकर भी सपा गठबंधन भाजपा को नहीं हरा पाई थी। इसकी तुलना में 2007 में मुस्लिमों का थोड़ा-सा ही समर्थन बटोर कर बसपा ने भाजपा-सपा दोनों पार्टियों को हरा दिया था। सपा सिर्फ भाजपा का डर दिखाकर मुस्लिमों को वोट हासिल करना चाहती है। जबकि बसपा मुस्लिमों को सत्ता-संगठन में उचित भागीदारी देने के साथ अपने 4 साल के कार्यकाल में किए गए विकास कार्यों के आधार पर समर्थन चाहती है। मुस्लिम भाईचारा कमेटी की बैठक में मायावती ने क्या 5 बड़े संदेश दिए? मुस्लिमों का समर्थन पाने के लिए बसपा कौन-सी रणनीति पर आगे बढ़ेगी? मायावती ने पहली बार खुद मुस्लिम भाईचारा कमेटी की बैठक ली। बैठक में पहली दो लाइनों में मुस्लिमों को जगह दी गई, अन्य पदाधिकारी पीछे बैठे। मुस्लिम भाईचारा कमेटी का गठन 2017 के बाद फिर से किया गया। हर विधानसभा में 100-100 बड़े मुस्लिम चेहरों को पार्टी से जोड़ने का लक्ष्य। हर महीने की 20 तारीख को होगी मुस्लिम भाईचारा कमेटी की समीक्षा। मुस्लिम भाईचारा कमेटी की बैठक में खुद मायावती मौजूद रहीं। बिहार चुनाव प्रचार में व्यस्त भतीजे आकाश आनंद को भी बुलाया था। बसपा के गठन के बाद ये पहली बार है, जब मायावती ने खुद मुस्लिम भाईचारा कमेटी की बैठक ली। इसके पहले 2017 तक पार्टी के दूसरे पदाधिकारी और प्रदेश अध्यक्ष ही इस तरह की बैठकें लेते थे। मुस्लिमों को बैठक व्यवस्था में पहली 2 लाइनों में जगह दी गई। अन्य पदाधिकारियों को इसके पीछे वाली लाइन में बैठाया गया। इससे मायावती ने संदेश देने में सफल रहीं कि बसपा में मुस्लिमों को पूरा सम्मान मिलेगा। 2017 के विधानसभा चुनाव तक मुस्लिम भाईचारा कमेटी सक्रिय रही। लेकिन, इसके बाद बसपा ने इसे भंग कर दिया था। 2022 के विधानसभा चुनाव में भी इसका गठन नहीं किया गया। लेकिन, 9 अक्टूबर के कार्यक्रम की सफलता ने मायावती को एक बार फिर अपने आजमाए पुराने फॉर्मूले पर लौटने को मजबूर कर दिया है। प्रदेश के सभी 18 मंडलों में मुस्लिम भाईचारा कमेटी के दो-दो संयोजक बनाए गए हैं। एक संयोजक मुस्लिम, तो दूसरा दलित है। इसी तरह का संगठन विधानसभा स्तर पर भी गठित करना है। इसमें भी दो-दो संयोजक होंगे। आगे इसका विस्तार बूथ स्तर तक करना है। मेरठ मंडल प्रभारी आनंद सिंह चंद्रेश ने बताया कि हर विधानसभा में 100-100 बड़े मुस्लिम चेहरों को पार्टी से जोड़ने का लक्ष्य दिया गया है। इसके लिए मंडल संयोजक विधानसभा क्षेत्रों में मुस्लिमों के बीच छोटी-छोटी बैठक करेंगे। बसपा प्रमुख मायावती ने 4 शासनकाल में मुस्लिमों के लिए किए गए 100 बड़े विकास कार्यों और निर्णयों की एक सूची भी दी गई। इसे मुस्लिम बस्तियों की बैठक में ले जाकर दिखाना है। साथ ही यह बताना है कि बसपा के शासन में ही सबसे अधिक उनके हित के कार्य हुए। मुस्लिमों को ये समझाना है कि सपा सिर्फ भाजपा का डर दिखाकर उनका वोट हासिल करती रही है। उनके विकास के लिए कोई काम नहीं किया, न ही सत्ता में कभी उचित भागीदारी दी। मुस्लिम भाईचारा कमेटी की ओर से जोड़े गए सदस्यों की प्रगति रिपोर्ट सीधे बसपा के प्रदेश कार्यालय के माध्यम से मायावती तक पहुंचेगी। वह खुद इस पर नजर रखेंगी। चुनाव आयोग की ओर से यूपी समेत देश के 12 राज्यों में लागू किए गए विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) पर भी बसपा प्रमुख मायावती ने इस बैठक में अपना रुख साफ किया। मायावती ने कहा कि बिहार में कांग्रेस, राजद सहित अन्य विपक्षी दलों ने एसआईआर का विरोध किया था। इसके बावजूद चुनाव आयोग ने वहां इसे लागू किया और इसी आधार पर चुनाव भी हो रहा। ऐसे में यूपी में दूसरे दल भले ही इसका विरोध करें, हमें इस चक्कर में नहीं पड़ना। बस बूथ स्तर पर बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) का गठन करना है। सभी पदाधिकारियों को चुनाव आयोग की ओर से जारी एसआईआर की एक संक्षिप्त पुस्तिका दी गई है। इसके आधार पर उन्हें बसपा कैडर वाले वोटरों को अधिक से अधिक जुड़वाना है। लखनऊ मंडल के मुस्लिम भाईचारा कमेटी के संयोजक एवं पूर्व प्रवक्ता फैजान खान ने बताया- बैठक में हमारी पार्टी की मुखिया का साफ निर्देश रहा कि हमें ग्राउंड स्तर पर काम करना है। इसके विरोध और खामियां निकालने में वक्त जाया नहीं करना है। फैजान खान कहते हैं- बहुजन समाज पार्टी स्थापना के समय से ही मुस्लिम समाज को अपना अंग मानती रही है। विपक्ष की पार्टियों ने मुस्लिमों को गुमराह करके बसपा से दूर किया। सपा ने हमेशा से भाजपा का डर दिखाकर वोट लिया। लेकिन, बसपा ने विकास के साथ ही संगठन और सरकार में उन्हें भागीदारी दी। बसपा के शासन में कभी दंगा नहीं हुआ। फैजान खान कहते हैं- सपा मुस्लिमों को भाजपा का डर क्यों दिखाता है?

शिक्षकों को सराहनीय कार्य के लिए किया गया सम्मानित

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। हाटा ब्लाक के बीआरसी कार्यालय पर गुरुवार को शिक्षकों की मासिक बैठक में दो शिक्षकों को शत प्रतिशत शासन के अनुरूप काम करने के लिए खण्ड शिक्षा अधिकारी अखिलेश कुमार सिंह द्वारा सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन शिक्षकों के समर्पण और उत्कृष्ट प्रदर्शन को दर्शाता है, जिन्होंने नियमों और दिशानिर्देशों का पालन करते हुए अपना काम पूरी निष्ठा से किया। शिक्षकों को सम्बोधित करते हुए खण्ड शिक्षा अधिकारी अखिलेश कुमार सिंह ने कहा कि यह सम्मान इस बात पर आधारित है कि दोनों शिक्षकों ने सरकारी नियमों और नीतियों को पूरी तरह से लागू किया और अपने कर्तव्यों का पालन किया। उन्होंने मासिक बैठक का महत्व बताते हुए कहा कि शिक्षकों की मासिक बैठकें पेशेवर विकास के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है, जहाँ ऐसे सराहनीय कार्यों को मान्यता दी जाती है। इस तरह का सम्मान अन्य शिक्षकों को भी प्रोत्साहित करता है कि वे भी नियमों का पालन करें और बेहतर प्रदर्शन करें। प्राथमिक विद्यालय बरीगांव पत्था के प्रधानाध्यापिका मंजू सिंह, सुनिता सिंह पूर्व माध्यमिक विद्यालय गोपालपुर के प्रधानाध्यापिका अमृता कुशवाहा को डायरी और पेन देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एसआरपी इंद्रजीत प्रसाद अनुराग सिंह कम्प्यूटर आपरेटर राजन तिवारी मौजूद रहे।

श्री अक्षय नवमी परिक्रमा प्रसाद वितरण दो दिवसीय महोत्सव का हुआ शुभारंभ

आयोजन में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, भक्तिमय हुआ परिक्रमा मार्ग

संवाददाता

मथुरा। नारायणदास धर्मशाला ट्रस्ट, मथुरा के तत्वावधान में आयोजित श्री अक्षय नवमी परिक्रमा प्रसाद वितरण दो दिवसीय महोत्सव का शुभारंभ गुरुवार को धार्मिक उत्साह और श्रद्धा के साथ किया गया।मंगला आरती से हुआ शुभारंभ दो दिवसीय इस आयोजन की शुरुआत प्रातः 5 बजे मंगला आरती के साथ हुई। परिक्रमा मार्ग पर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया, जिससे वातावरण में भक्ति और सेवा की भावना व्याप्त हो गई। श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बनता था।इस अवसर पर नारायणदास ट्रस्ट गोपाल जी मंदिर के प्रबंधक दीपक सिंघल, अखिल भारत हिंदू महासभा के उत्तर प्रदेश उपाध्यक्ष संजय हरियाणा, श्याम शर्मा, वृषभान गोस्वामी, एडवोकेट दीपक शर्मा, डॉ. नीतू गोस्वामी, अनीता हरियाणा, सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, विवेक अग्रवाल, अनिल बंसल, गोपाल दास अग्रवाल, रामबाबू राजपूत, विकास अग्रवाल , ऊषा सोलंकी एडवोकेट,दीप्ति त्रिपाठी, राधा शर्मा, ऊषा रानी अग्रवाल, शुचि अग्रवाल, रजनी चौधरी सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।ब्रज संस्कृति और सेवा भाव का प्रतीक आयोजन मंदिर के प्रवक्ता श्याम शर्मा ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य ब्रज संस्कृति, सनातन परंपरा और सेवा भाव को जन-जन तक पहुँचाना है। उन्होंने कहा कि नारायणदास ट्रस्ट सभी श्रद्धालुओं से सपरिवार भाग लेकर प्रसाद ग्रहण करने का अनुरोध करता है।राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत चक्रपाणि करेंगे आगमन ट्रस्ट के ट्रस्टी मनीष अग्रवाल ने जानकारी दी कि शुक्रवार को अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत चक्रपाणि आयोजन स्थल पर पधारेंगे और श्रद्धालुओं को आशीर्वचन देंगे।

इण्टर कालेज जौरा बाजार की छात्रा ऋतिका श्रीवास्तव ने विज्ञान प्रदर्शनी में किया जिला स्तर पर प्रथम स्थान हासिल

संवाददाता

कुशीनगर । सांसद शशांक मणि त्रिपाठी द्वारा आयोजित मॉडल रकिट्री कैनरोट प्रक्षेपण प्रतियोगिता के दौरान हुई जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में इंटरमीडिएट कालेज जौरा बाजार की छात्रा ऋतिका श्रीवास्तव, पुत्री सुनील श्रीवास्तव (निवासी जौरा बाजार) ने अपने नवाचार डास्मार्ट टॉयलेटड्ड मॉडल के लिए पूरे जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रधानाचार्य रामू चौधरी ने इस उपलब्धि पर कहा कि ऋतिका की सफलता विद्यालय और क्षेत्र दोनों के लिए गर्व का विषय है। उनका डास्मार्ट टॉयलेटड्ड मॉडल स्वच्छता और आधुनिक तकनीक का सुंदर संगम है जो अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बनेगा। पुरस्कार जिला विद्यालय निरीक्षक श्रवण कुमार गुप्त एवं जिला समन्वयक माध्यमिक शिक्षा विष्णु प्रभाकर पांडेय द्वारा प्रदान किया गया। यह मॉडल विद्यालय के विज्ञान शिक्षक अंशुमान चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में तैयार किया गया था। रितिका की सफलता पर विद्यालय प्रबंधक पं. भोला प्रसाद त्रिपाठी, उपप्रधानाचार्य विजय प्रकाश उपाध्याय, विपिन बिहारी, प्रधान लिपिक सुबोध पांडेय, छिवेंद्र पांडे, सुनील दत्त तिवारी, अशोक तिवारी, सिम्पल उपाध्याय, सुमन द्विवेदी, अनुराधा सिंह, शिवप्रकाश, त्रिलोकी, ओम प्रकाश सहित समस्त शिक्षकों और छात्रों ने खुशी व्यक्त की। इसके अलावा क्षेत्र के प्रबुद्ध जनों पूर्व प्रधानाचार्य दयाशंकर मिश्र, हरिशंकर उपाध्याय, प्रधानाचार्य अरविंद मिश्र, गोविंद लाल श्रीवास्तव, वरिष्ठ पत्रकार गुरुदत्त उपाध्याय, जिला खांडसारी अधिकारी सुमंत यादव, ई. अजय उपाध्याय, जीएसटी अधिकारी आशुतोष पांडेय, मनोज मिश्रा, कन्हैया लाल सरस, बनारसी दास खरवार, कुलदीप उपाध्याय, विकास चतुर्वेदी, नारद उपाध्याय, नृपेश उपाध्याय, आमोद उपाध्याय, रमेश यादव, राजन मिश्रा, हिमांशु शेखर श्रीवास्तव, आनंद मिश्रा आदि ने छात्रा को बधाई देते हुए, उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सरदार@150 कार्यक्रम के तहत क्विज प्रतियोगिता में 125 छात्रों ने लिया भाग

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। सरदार@150 कार्यक्रम के तहत गुरुवार को को राष्ट्रीय सेवा योजना बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुशीनगर द्वारा महाविद्यालय के छात्र छात्राओं के मध्य क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 125 छात्र छात्राओं ने भाग लिया।प्रतियोगिता में सरदार पटेल, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम से संबंधित प्रश्न प्रतिभागियों से पूछे गए। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को कल 31 अक्टूबर को लौह पुरुष सरदार पटेल जी की जयंती पर पुरस्कृत भी किया जाएगा। कार्यक्रम अधिकारी डॉ निगम मौर्य ने बताया कि सरदार@150 कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय सेवा योजना बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुशीनगर द्वारा कल 31 अक्टूबर को महाविद्यालय के3 मुख्य द्वार से महानिर्वाण मंदिर तक पदयात्रा निकाली जाएगी। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ पारस नाथ, स्वयंसेवक आदर्श मिश्र समेत बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

गन्ने का मूल्य बढ़ने से किसान खुश, किसान भाई गन्ना क्षेत्रफल बढ़ायें: रविन्द्र सिंह

संवाददाता

कुशीनगर। अवध शुगर एण्ड एनर्जी लि0, यूनिट - न्यू इण्डिया शुगर मिल्स- ढाढ़ा बुजुर्ग, हाटा के ग्राम भगवानपुर में शरदकालीन गन्ना गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य गन्ने की वैज्ञानिक खेती के प्रति कृषकों को नवीनतम तकनिकी जानकारी देना तथा गन्ना क्षेत्रफल बढ़ाने के लिए चीनी मिल द्वारा चलायी जा रही गन्ना विकास योजनाओं की जानकारी देकर गन्ने का औसत उपज बढ़ाना है। किसान गोष्ठी का संचालन सहायक उपाध्यक्ष गन्ना श्री मनोज बिश्नोई ने किया। इस अवसर पर ढाढ़ा चीनी मिल के अधिशासी उपाध्यक्ष गन्ना श्री रविन्द्र सिंह ने कहा, गन्ने का दाम बढ़ने से खुशी आप सभी के चेहरे पर दिखायी दे रही है। अधिक क्षेत्रफल में शरदकालीन गन्ने की बुवाई करें। प्रशिक्षण स्थल पर चीनी मिल द्वारा ट्राइको डर्मा, तोरिया का बीज, जैविक पोटाश, बीज उपचार के लिए फफूंद नाशक रखा गया है आप सभी लोग इसे ले जाकर प्रयोग करें। जिस किसान के पास गन्ना बीज नही है उसे और वे गन्ना बोना चाहते हैं उनको 10 कु0 गन्ना बीज 50 प्रतिशत अनुदान पर दिया जा रहा है। ढाढ़ा चीनी मिल की पेराई क्षमता के अनुसार 124 लाख कु0 गन्ना

चाहिए। यह तभी सम्भव होगा जब आप लोग गेट क्षेत्र में अधिक से अधिक क्षेत्रफल में गन्ने की बुवाई करेंगे। पूर्व सहायक निदेशक, गन्ना विशेषज्ञ ओमप्रकाश गुप्ता ने बताया कि आपके गन्ने का औसत उपज 200 से 250 कु0 प्रति एकड़ है। कुछ किसानों की उपज इससे अधिक है, इसको बढ़ाकर 400 कु0 एकड़ किया जाये तभी उससे एक 60 हजार रू0 मिलेगा। चार फुट की दूरी पर गन्ना बोये उसमें अपनी सुविधानुसार आलू, तोरिया, लहसुन, गेहूं, गोभी, टमाटर आदि बोकर 60 से 70 हजार रुपए की अतिरिक्त लाभ प्राप्त कर सकते हैं। यहाँ की मिट्टी और जलवायु गन्ने की खेती के लिए अनुकूल है। गन्ना विकास गोष्ठी में गन्ने की अधिक उपज देने वाली प्रजातियों को 0 0118, को0 लख0 14201, को0शा0 13235, को0सें0 85 एवं जल भराव वाले खेतों के लिए, को0पी0 9301 प्रदर्शन के रूप में रखा गया था। गन्ना प्रबन्धक अजीत सिंह, महेश तिवारी, अभिषेक सिंह, नगेन्द्र राणा, संजय सिंह ने उपस्थित कृषकों को गन्ना प्रजातियां दिखाकर समझाया। गन्ना विकास कर्मचारी श्री रामभरोषे , किसन गुप्ता ने जैविक पोटाश प्रयोग करने का तरीका बतायें।। सहायक उपाध्यक्ष गन्ना मनोज बिश्नोई ने बताया कि गन्ने की उत्पादन लागत को कम करने, मजदूरों की समस्या को दूर करने के लिए गन्ने की खेती में कृषि यंत्रों का प्रयोग करें। प्रमुख कृषक अनिरुद्ध सिंह, अंशदेव, रामवृक्ष गुप्ता, अशोक सिंह, बजरंगी यादव ग्राम प्रधान, संचालक सदस्य श्री हरेन्द्र सिंह, मधुसुदन सहित अधिक संख्या में किसान उपस्थित थे। किसानों ने कहा कि गन्ना मूल्य बढ़ने से हम लोग गन्ना बोयेंगे। अधिशाषी अध्यक्ष आरकेगुप्ता ने अधिक क्षेत्रफल में गन्ना बोने का संदेश दिया , तभी खुशहाली आयेगी। इस गाँव में 411 एकड़ गन्ने बुवाई का लक्ष्य है।

संक्षिप्त डायरी

आम आदमी पार्टी यूथ विंग के जिलाध्यक्ष बने शुभम मिश्रा

संवाददाता

सोनभद्र। आम आदमी पार्टी यूथ विंग प्रदेश महासचिव अंकित परिहार की अनुशंसा पर सोनभद्र जिले के यूथ विंग जिलाध्यक्ष की घोषणा किया गया एवं शुभम मिश्रा के संघर्ष से प्रभावित होकर यूथ साथी प्रदेश उपाध्यक्ष प्रकाश चौरसिया, प्रदेश सचिव राकेश भारतीय, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष एड० संतोष त्यागी द्वारा मनोनीत किया गया व प्रदेश अध्यक्ष (यूथ विंग) पंकज अवाना के नेतृत्व में नवीन कार्यकारिणी ने नई जिम्मेदारियों पर खरा उतरने की सहमति जताई है। शुभम मिश्रा जिलाध्यक्ष बनने से पहले पार्टी में जिला उपाध्यक्ष पद पर एवं विधानसभा सचिव भी रहे चुके हैं कैंडिडेट के कार्यकाल में पार्टी में अच्छा प्रदर्शन करते हुए सोनभद्र में अहम भूमिका निभाया है। इन्होंने अभी भी पार्टी की जो भी गतिविधियां होती हैं चाहे वह राष्ट्रीय स्तर की हो या प्रदेश स्तर की या फिर जिला स्तर पर शुभम मिश्रा उसको काफी अच्छे से संभालते हैं। स्थानीय विस्थापितों का मुद्दा हो या भ्रष्टाचार का, युवा बेरोजगारी का मसला और सामाजिक न्याय दो अन्य जनहित का कोई मुद्दा, ये हमेशा मुखर रहे हैं। इन्हीं शब्दों लेकर पार्टी के आलाकमान ने इन पर अपना भरोसा जताया है।

आयुष्मान कार्डधारक से इलाज के नाम पर धन उगाही करने वाला फार्मेसिस्ट जांच में निकला गुनाहगार

संवाददाता

हमीरपुर। मुस्करा के गहरौली प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में तैनात फार्मेसिस्ट सुमित कुमार का आयुष्मान कार्डधारक से पिछले दिनों अवैध वसूली किये जाने का सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के खिलाफ डीएम घनश्याम मीणा ने एक्शन लेते हुये सीएमओ को जांच कर कार्यवाही के आदेश दिये थे, सीएमओ ने बताया कि मामले की जांच करने गई टीम ने 29 अक्टूबर की दोपहर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र गहरौली पहुँच कर जाँच की गयी, जांच में सुमित कुमार, फार्मासिस्ट स्वास्थ्य केन्द्र गहरौली का सोशल मीडिया में वायरल वीडियो में पैसे के लेनदेन सही पाया गया। जिसके बाद जाँच टीम ने सुमित कुमार को गुनाहगार मानते हुये विभागीय कार्यवाही के साथ ही वहाँ से हटाकर कहीं दूसरी जगह भेजे जाने की संस्तुति की गयी है।

मोरम का ओवर लोड और अवैध परिवहन कर रहे 23 ट्रकों के खिलाफ की गई बड़ी कार्यवाही

संवाददाता

हमीरपुर। जिलाधिकारी घनश्याम मीणा की सख्ती के बाद मोरम के ओवर लोड और अवैध परिवहन करने वाले 23 ट्रकों के खिलाफ परिवहन और खनिज विभाग की संयुक्त टीम ने कार्यवाही करते हुये पांच ट्रकों को जरिया थाने में, जबकि तीन ट्रकों को कुछेछा चौकी में, वहीं एक ट्रक को ललपुरा थाने सहित तीन ट्रकों को बिवांर थाना पुलिस के हवाले किया गया। बताया गया है कि पकड़े गये मोरम के

ओवर लोड और अवैध परिवहन कर रहे ट्रकों मे करीब ग्यारह लाख 50 हजार रुपये का राजस्व हासिल होगा। वहीं कुछेछा चौकी क्षेत्र के ग्राम बरदहा में गाँव के ही कुछ दबंग लम्बे अर्से से नावों के जरिये मोरम का डम्प कराकर धड़ल्ले से कर रहे थे अवैध खनन, जबकि ट्रैक्टरों से कर रहे थे, जमकर अवैध परिवहन। जिसके बाद टीम ने दो ट्रैक्टर ट्राली रंगे हाथों पकड़ लिये, जिन्हें सदर कोतवाली पुलिस के सुपुर्द किया गया है। वहीं बरदहा में मोरम का अवैध खनन करने वाले युवक के साथ ही ट्रैक्टर मालिक और ट्रैक्टर ड्राइवर के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज कराया गया है। वहीं संयुक्त जांच टीम की चहलकदमी से मोरम की ओवर लोडिंग और अवैध परिवहन कर रहे ट्रक आपरेटरों में मचा हड़कंप।

प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर श्रम विभाग ने किया 10 किशोर श्रमिकों का चिन्हांकन

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। श्रम विभाग व पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा पडरौना से कसया तक विभिन्न होटलों, ढ़ाबों, मोबाइल आटो वर्कशाप आदि का 09 प्रतिष्ठानों पर निरीक्षण किया गया और 10 किशोर श्रमिकों का चिन्हांकन किया गया। गुरुवार को श्रम प्रवर्तन अधिकारी कुशीनगर सुश्री अलंकृता उपाध्याय के नेतृत्व में बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध व विनियमन) अधि० 1986 यथा संशोधित 2016 के अन्तर्गत करवाई की गई तथा होटलों, ढ़ाबों, मोबाइल आटो वर्कशाप आदि प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया और 10 किशोर श्रमिकों काम करते हुए पाए जाने पर कार्य लेने वाले सेवायोजकों/प्रतिष्ठान स्वामी को बाल श्रम के बारे में जानकारी दी गई कि बाल श्रम कराना अपराध है एवं शिक्षा व सुरक्षित बचपन प्रत्येक बच्चे का अधिकार है। बाल श्रम कराते पकड़े जाने पर 06 माह से 02 वर्ष तक की कैद एवं 20 हजार से 50 हजार तक जुर्माने का प्रावधान है। इस अभियान में एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग पुलिस कुशीनगर प्रभारी निरीक्षक रामचन्द्र राम, सुश्री अनुराधा सिंह, श्री शशि शेखर मिश्र सम्मिलित रहे।

भारत में एमवे की 100 करोड़ के निवेश की योजना

नई दिल्ली एफएमसीजी क्षेत्र की डायरेक्ट सेलिंग कंपनी एमवे अगले तीन से पांच साल में भारत में 100 करोड़ रुपये (1.2 करोड़ डॉलर) के निवेश करने की तैयारी कर रही है। एमवे के एक प्रमुख अधिकारी ने इस सप्ताह भारत दौरे के बाद कंपनी ने इसकी घोषणा की। भारत अमेरिका और चीन के साथ एमवे के तीन वैश्विक विनिर्माण केंद्रों में शामिल है तथा कंपनी के भारतीय विनिर्माण को हाल ही में 10 साल पूरे हुए हैं।

रेडिको खेतान का तिमाही मुनाफा 73 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली रेडिको खेतान लिमिटेड ने जुलाई-सितंबर तिमाही में मुनाफा 139.56 करोड़ रुपये दर्ज किया, जो पिछले साल इसी अवधि के 80.66 करोड़ रुपये की तुलना में 73 फीसदी अधिक है। कंपनी की परिचालन आय इस तिमाही में 5,056.72 करोड़ रुपये रही, जबकि पिछले वर्ष यह 3,906.59 करोड़ रुपये थी। इसका मतलब है कि बिक्री और अन्य आय में लगभग 29 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। कुल व्यय 4,872.75 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल के 3,795.84 करोड़ रुपये से अधिक है। एक अधिकारी ने बताया कि उपभोक्ता और बाजार सहभागिता बढ़ाकर मजबूत परिचालन मुनाफा हासिल किया गया है, जो कंपनी की रणनीति की सफलता को दर्शाता है।

सैमसंग का जुलाई-सितंबर तिमाही में परिचालन लाभ 32.5 फीसदी बढ़ा

सियोल सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने जुलाई-सितंबर तिमाही में परिचालन लाभ में 32.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की। कंप्यूटर मेमोरी चिप की बढ़ती मांग इसकी मुख्य वजह रही। इसके साथ ही कंपनी को उम्मीद है कि कृत्रिम मेधा (एआई) के दम पर यह मांग बढ़ती रहेगी। दक्षिण कोरियाई प्रौद्योगिकी कंपनी ने समीक्षाधीन तिमाही रिकॉर्ड राजस्व हासिल किया जो सालाना आधार पर करीब नौ प्रतिशत बढ़कर 60.4 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। सेमीकंडक्टर उत्पादों और मोबाइल फोन की बढ़ी हुई बिक्री के दम पर यह मुमकिन हो पाया। कंपनी ने बयान में कहा कि एआई निवेश में गति से सेमीकंडक्टर बाजार के मजबूत बने रहने की उम्मीद है।

ट्रंप ने शी चिनफिंग से मुलाकात के बाद चीन पर शुल्क कम किया

बुसान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्होंने चीन के अपने समकक्ष शी चिनफिंग के साथ बातचीत के बाद चीनी वस्तुओं के आयात पर शुल्क दरों को घटाकर 47 प्रतिशत करने का फैसला किया है। ट्रंप ने पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा कि उन्होंने वार्ता के बाद वर्तमान दर को 57 प्रतिशत से कम करने का निर्णय लिया है। अमेरिका के राष्ट्रपति ने बैठक से पहले शुल्क में भारी बढ़ोतरी करने की धमकी दी थी। हालांकि बैठक के बाद उन्होंने पत्रकारों से कहा कि उन्हें ऐसा करने की जरूरत नहीं पड़ी।

दिल्ली एयरपोर्ट की क्षमता में होगी 20 फीसदी बढ़ोतरी

2029-30 तक 12.5 करोड़ यात्रियों को संभालने की तैयारी

नई दिल्ली दिल्ली का इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (आईजीआई) जल्द ही बिना टर्मिनल 2 को तोड़े अपनी यात्री क्षमता में करीब 20 फीसदी की बढ़ोतरी करने जा रहा है। विभाग से सर्वे किए एक अधिकारी के अनुसार 2029-30 तक एयरपोर्ट की क्षमता 10.5 करोड़ से बढ़कर 12.5 करोड़ यात्रियों तक पहुंच जाएगी। इसके लिए तीन प्रमुख योजनाएं तैयार हैं: टर्मिनल 3 पर नया पियर 'ई' बनाया जाएगा, जो सालाना 1 से 1.2 करोड़ अतिरिक्त यात्रियों को संभालेगा; टर्मिनल 1 पर भीड़ कम करने के उपाय होंगे; और अतिरिक्त एयरक्राफ्ट पार्किंग स्टैंड्स जोड़े जाएंगे। फिलहाल टी3 में चार पियर्स है, जिनमें से एक घरेलू पियर को इंटरनेशनल में बदला जा रहा है। 1986 में बना टर्मिनल 2 फिलहाल रिटायर नहीं होगा और मरम्मत के बाद दोबारा संचालन में है। नया टर्मिनल तभी बनेगा जब यात्री ट्रैफिक मौजूदा क्षमता के 80 फीसदी से अधिक पहुंच जाएगा।

अगला बजट आने में तीन म हीने, सरकार ने शुरू की तैयारियां

50 लाख तक कमाई पर कम होगा इनकम टैक्स!

नई दिल्ली

अगला बजट पेश होने में बस तीन महीने शेष हैं। सरकार ने इसकी तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस बीच उद्योग संगठन पीएचडी चैंबर्स ऑफ कॉमर्स ने सरकार से गुहार लगाई है कि आम आदमी को इनकम टैक्स में और राहत दी जानी चाहिए। उद्योग संगठन ने कहा है कि सालाना 50 लाख रुपये तक कमाई करने वाले व्यक्तिगत करदाताओं को टैक्स की दरों में राहत दी जानी चाहिए। सरकार ने अगर उद्योग संगठन की बातों पर गौर किया तो सालाना 50 लाख रुपये तक की कमाई टैक्स फ्री हो सकती है। उद्योग संगठन ने अपील की है कि नए टैक्स रिजीम के तहत लगने वाले 30 फीसदी दर को बढ़ाकर 50 लाख से ऊपर की कमाई पर लागू किया जाए। अभी नए रिजीम में सालाना 24 लाख रुपये से ज्यादा कमाई वाले करदाता पर 30 फीसदी का स्लैब लगाया जाता है। उद्योग संगठन ने अपनी सिफारिश राजस्व सचिव अरविंद श्रीवास्तव को सौंप दी है। साथ ही अप्रत्यक्ष कर में भी कुछ बदलाव करने का सुझाव दिया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अगले साल 1 फरवरी को बजट पेश करेंगी। इससे पहले पीएचडी चैंबर्स ऑफ कॉमर्स ने व्यक्तिगत करदाताओं के साथ कॉरपोरेट टैक्स को भी 25 फीसदी से नीचे लाने की सिफारिश की है। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स ने कहा है कि देश में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए इनकम टैक्स की धारा 115 बीएबी में बदलाव करना चाहिए और नई इकाइयों को टैक्स में राहत देना चाहिए। इन पर शुरुआती इनकम टैक्स 15 फीसदी से ज्यादा नहीं होना चाहिए। इस पर सरचार्ज लगाया जा सकता है। सरकार ने यह टैक्स रेट सितंबर, 2019 में लागू किया था, जिसे बढ़ाकर 31 मार्च, 2024 तक कर दिया था, लेकिन इस टैक्स रेट को आगे भी लागू रखना चाहिए। इससे विदेशी कंपनियों को भारत में मैन्युफैक्चरिंग करने के लिए काफी प्रोत्साहन मिलेगा।

भारत 2025-26 में ले सकता है चीनी निर्यात पर निर्णय

नई दिल्ली केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने कहा कि 2024-25 में इथेनॉल उत्पादन के लिए 34 लाख टन चीनी का उपयोग हुआ, जो अनुमानित 45 लाख टन से कम है। 2025-26 विपणन वर्ष के लिए शुरुआती स्टॉक अधिक है और घरेलू मांग 2.85 करोड़ टन के मुकाबले उत्पादन 3.4 करोड़ टन होने की उम्मीद है। मंत्रियों की समिति अगले सप्ताह बैठक कर सकती है। सरकार उद्योग को लंबा समय देकर निर्यात योजना बनाने में मदद करना चाहेगी। पिछले विपणन वर्ष में 10 लाख टन आवंटन में से 8 लाख टन का निर्यात हुआ। शीरे से इथेनॉल उत्पादन पर प्रतिबंध हटा दिए गए हैं। इससे मिलें आसानी से इथेनॉल बना सकती हैं। वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय रिफाइंड चीनी की कीमतें 3,829 प्रति क्विंटल हैं, जबकि घरेलू एक्स-मिल कीमत 3,885 प्रति क्विंटल है।

एलआईसी ने टाटा कंज्यूमर और डाबर में बढ़ाई हिस्सेदारी

एफएमसीजी सेक्टर में निवेश बढ़ाने की रणनीति

मुंबई भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने देश की दो प्रमुख एफएमसीजी कंपनियों टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और डाबर इंडिया में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा ली है। यह कदम उपभोक्ता वस्तुओं के तेजी से बढ़ते बाजार में एलआईसी की निवेश रणनीति को और मजबूत करता है। एलआईसी ने टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स में अपनी हिस्सेदारी 6.633 फीसदी से बढ़ाकर 8.645 फीसदी कर दी है। कंपनी ने 11 जुलाई से 23 अक्टूबर 2025 के बीच लगभग 1.99 करोड़ शेयर खरीदे। वहीं डाबर इंडिया में हिस्सेदारी 4.918 फीसदी से बढ़ाकर 6.985 फीसदी की गई है, जिसके तहत एलआईसी ने 3.66 करोड़ से अधिक शेयर खरीदे। दोनों निवेश लगभग दो प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाते हैं। सरकार द्वारा पारंपरिक जीवन बीमा योजनाओं पर जीएसटी हटाने के बाद एलआईसी को निवेशकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। पहले ही दिन कंपनी को 1,100 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश फ्लो प्राप्त हुआ। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में एलआईसी ने 10,957 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया, जो पिछले साल की तुलना में 3.91 फीसदी अधिक है। यह एलआईसी की बढ़ती वित्तीय मजबूती और लंबी अवधि की निवेश नीति का प्रमाण है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 592, निफ्टी 176 अंक गिरा

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों में कटौती के बाद दुनियाभर के बाजारों से मिले मिले-जुले संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी होने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 592.67 अंक नीचे आकर 84,404.46 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 176.05 अंक टूटकर 25,877.85 पर बंद हुआ लार्जकैप की जगह मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में मिलाजुला कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 52.80 अंक नीचे आकर 60,096.25 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 17.85 अंक गिरकर 18,469.70 पर था। आज ऑटो, आईटी, पीएसयू बैंक,फाइनेंशियल सर्विसेज, फार्मा, एफएमसीजी, मेटल, मीडिया, प्राइवेट बैंक, इन्फ्रा, कमोडिटी और सर्विसेज के शेयर गिरावट पर रहे जबकि रियल्टी और एनर्जी शेयरों में तेजी रही।

सेंसेक्स पैक में बीईएल, अल्ट्राटेक सीमेंट, मारुति सुजुकी, अदाणी पोर्ट्स,टाइटन और टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल सबसे अधिक लाभ में रहे । वहीं भारती एयरटेल, पावर ग्रिड, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, एमएंडएम, एचडीएफसी बैंक, बजाज फिनसर्व, एचयूएल, के शेयर नुकसान में रहे।

इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स और निफ्टी दोनों हल्की गिरावट के साथ खुले। सेंसेक्स 84,750.90 अंकों पर खुला, जो पिछले बंद स्तर से 0.29 फीसदी नीचे है।

वहीं निफ्टी 50 ने 25,984.40 पर शुरुआत की, जो इसके पिछले बंद 26,053.90 से कम है। इसी तरह निफ्टी बैंक भी कमजोर खुला और 58,152.05 पर कारोबार शुरू किया, जबकि बुधवार को यह 58,385.25 पर बंद हुआ था।

ब्रॉडर मार्केट में निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स लगभग स्थिर रहा लेकिन इसमें हल्की गिरावट दिखी। वहीं निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स मामूली बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था।

टैक्सपेयर्स के लिए बड़ी राहत! अब 10 दिसंबर 2025 तक कर सकेंगे फाइलिंग

गुजरात, पंजाब-हरियाणा और हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने केंद्र को दिया था निर्देश

नई दिल्ली

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने टैक्सपेयर्स को बड़ी राहत देते हुए असेसमेंट ईयर 2025-26 के लिए इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) फाइल करने की आखिरी तारीख बढ़ा दी है। विभाग ने 29 अक्टूबर 2025 को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेज (सीबीडीटी) ने ऑडिट केसों में आईटीआर फाइल करने की पुरानी डेडलाइन 31 अक्टूबर 2025 से बढ़ाकर अब 10 दिसंबर 2025 कर दी है। यह निर्णय देशभर के लाखों टैक्सपेयर्स और प्रोफेशनल्स के लिए राहत लेकर आया है, जिन्हें समय की कमी के चलते परेशानी हो रही थी। सीबीडीटी ने यह फैसला टैक्सपेयर्स की मुश्किलों और अदालतों के निर्देशों को ध्यान में रखते हुए लिया है। गुजरात, पंजाब-हरियाणा और हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने केंद्र को निर्देश दिया था कि टैक्स ऑडिट रिपोर्ट और आईटीआर फाइलिंग के बीच कम से कम एक महीने का अंतर होना चाहिए। इसी के अनुरूप अब नई डेडलाइन तय की गई है। जिन व्यवसायों का सालाना टर्नओवर 1 करोड़ से अधिक है या 10 करोड़ तक है और कैश ट्रांजैक्शन 5 फीसदी से कम हैं, उन्हें टैक्स ऑडिट कराना जरूरी है। वहीं डॉक्टर, वकील जैसे प्रोफेशनल्स जिनकी सालाना ग्रॉस रिसीट्स 50 लाख से ऊपर हैं, उन्हें भी ऑडिट करवाना होता है। यदि कोई टैक्सपेयर समय पर ऑडिट रिपोर्ट या आईटीआर जमा नहीं करता, तो धारा 271बी के तहत कुल टर्नओवर का 0.5 फीसदी या अधिकतम 1.5 लाख रुपए तक पेनल्टी लग सकती है। हालांकि, देरी का उचित कारण होने पर राहत भी मिल सकती है।

अदाणी एयरपोर्ट्स में एआईओएनओएस के साथ नई कृत्रिम मेधा सेवा की शुरुआत

इंटेलिजेंस कंसीयज यात्रियों को बहुभाषी और व्यक्तिगत अनुभव प्रदान करेगा

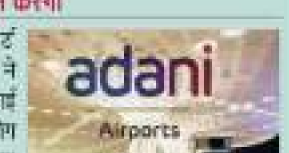

नई दिल्ली अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) ने इंटरग्लोब एंटरप्राइजेज की इकाई एआईओएनओएस के साथ सहयोग किया है, ताकि हवाई अड्डों पर यात्रियों के अनुभव को और व्यक्तिगत बनाया जा सके। इस साझेदारी के तहत एएएचएल सात हवाई अड्डों पर 'इंटेलिजेंस कंसीयज' नामक एआई-संचालित सेवा लागू करेगा। यह प्रणाली चौबीसों घंटे यात्रियों को उड़ान जानकारी, गेट और सामान की स्थिति, दिशा-निर्देश और हवाई अड्डे की अन्य सुविधाओं के बारे में बहुभाषी जानकारी प्रदान करेगी। अंग्रेजी और हिंदी के अलावा अन्य भाषाओं में भी सेवाएं उपलब्ध होंगी। एएएचएल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह नई एआई सेवा यात्रियों का अनुभव बदल देगी। कंपनी जल्द ही नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का संचालन भी शुरू करने वाली है, जिससे यात्रियों को और सुविधाजनक और स्मार्ट सेवाएं मिल सकेंगी।

अल्फाबेट का रेवेन्यू सितंबर तिमाही में 100 बिलियन डॉलर के पार

कंपनी के परफॉर्मेंस को लेकर एआई रहा मददगार

नई दिल्ली

गूगल और अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई ने सितंबर तिमाही के लिए घोषणा करते हुए इसे माइलस्टोन तिमाही बताया है, जिसमें कंपनी ने अपना पहला 100 अरब डॉलर का रेवेन्यू हासिल किया। कंपनी का यह सकारात्मक प्रदर्शन सर्च, क्लाउड और यूट्यूब सभी वर्टिकल्स में मजबूत डबल-डिजिट ग्रोथ के साथ देखा गया है। 2025 की तीसरी तिमाही के लिए अल्फाबेट की अर्निंग कॉल के दौरान पिचाई ने जानकारी दी कि जेमिनी ऐप पर मंथली यूजर्स की संख्या 650 मिलियन से भी अधिक हो गई है। इसी के साथ, दूसरी तिमाही के बाद से क्वेरीज को लेकर भी तीन गुना वृद्धि दर्ज की गई है। क्लाउड ने एआई रेवेन्यू के साथ तेज ग्रोथ वाली एक शानदार तिमाही दर्ज की, जिसमें क्लाउड बैकलॉग पिछली तिमाही के मुकाबले 46 प्रतिशत बढ़कर 155 बिलियन डॉलर हो गया। पिचाई ने कहा, हमने गूगल वन और यूट्यूब प्रीमियम में ग्रोथ के कारण पेड सब्सक्रिप्शन में 300 मिलियन डॉलर का आंकड़ा पार कर लिया है। उन्होंने कहा कि बीती तिमाही में हमने एआई मोड को 40 भाषाओं के साथ रिकॉर्ड टाइम में रोल आउट किया, जिसके अब 75 मिलियन डेली एक्टिव यूजर्स हो चुके हैं। इसके अलावा, कंपनी ने प्रोडक्ट को लेकर 100 से ज्यादा सुधार किए हैं। एआई मोड पहले से ही कंपनी के सर्च वर्टिकल के लिए क्वेरी ग्रोथ को बढ़ा रहा है। गूगल के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और चीफ बिजनेस ऑफिसर फिलिप शिंडलर ने तिमाही अर्निंग्स कॉल में कहा कि गूगल सर्विसेज का रेवेन्यू सितंबर तिमाही में 87 बिलियन डॉलर रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 14 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। यह बढ़ोतरी कंपनी के सर्च और यूट्यूब में तेज ग्रोथ के कारण दर्ज की गई। गूगल सर्च में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी सभी प्रमुख वर्टिकल्स में मजबूत बढ़त के साथ दर्ज की गई, जिसमें रिटेल और फाइनेंशियल सर्विसेज का महत्वपूर्ण योगदान रहा। यूट्यूब ने भी सभी वर्टिकल्स में इसी तरह का प्रदर्शन दर्ज करवाया, जिसमें ऐड रेवेन्यू में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि एआई ओवरव्यू और एआई मोड को लेकर गूगल के निवेश से कुल क्वेरीज में वृद्धि को बढ़ावा दिया, जिसमें कमर्शियल क्वेरीज भी शामिल रहीं।

वीवो का नया एक्स300 सीरिज स्मार्टफोन 30 को होगा लांच

नई दिल्ली

चाइनीज कंपनी वीवो अपने नए एक्स300 सीरिज स्मार्टफोन को 30 अक्टूबर को ग्लोबली लॉन्च करने जा रहा है। इसमें दो मॉडल शामिल हैं वीवो एक्स300 और वीवो एक्स300 प्रो । यह दोनों ही स्मार्टफोन मीडियाटेक डाइमेंसिटी 9500 प्रोसेसर से लैस हैं और चार-चार कलर विकल्पों में उपलब्ध होंगे। जानकारी के अनुसार, स्टैंडर्ड एक्स300 हेलो पिंक, आइरिस पर्पल, मिस्ट ब्लू और फैंटम ब्लैक रंग में आएगा, जबकि एक्स300 प्रो मिस्ट ब्लू, फैंटम ब्लैक, क्लाउड व्हाइट और ड्यून ब्राउन में उपलब्ध होगा। ग्लोबल वेरिएंट में दोनों फोन 16जीबी तक रैम और 512जीबी स्टोरेज के विकल्प के साथ आएंगे। अलग-अलग देशों में कलर ऑप्शन्स अलग होंगे, जैसे ऑस्ट्रेलिया में एक्स300 प्रो केवल फैंटम ब्लैक और ड्यून ब्राउन में मिलेगा, जबकि एक्स300 केवल रेड कलर में उपलब्ध होगा। बैटरी और चार्जिंग के मामले में भी दोनों डिवाइस शक्तिशाली हैं। एक्स300 प्रो में 6,510एमएएच और एक्स300 में 6,040 एमएएच की बैटरी है, जो 90वॉट वायर्ड और 40वॉट वायरलेस चार्जिंग सपोर्ट करती है।

प्रो वर्जन में 6.78 इंच का 1.5के बीओई क्यू10 प्लस एलटीपीओ ओलेड डिस्प्ले है, 120एचझेड रिफ्रेश रेट और सर्कुलर पोलराइजेशन 2.0 फीचर के साथ।

दोनों फोन मीडियाटेक डाइमेंसिटी 9500 चिपसेट, एलपीडीडीआर5एक्स रैम, यूएफएस 4.1 स्टोरेज और एंड्रॉयड 16 आधारित ओरिजनओएस 6 पर चलते हैं। कैमरा की बात करें तो एक्स 300 प्रो में ज़ाइस ट्यून्ड ट्रिपल रियर कैमरा है, जिसमें ओआईएस के साथ 50एमपी का सोनी एलवाईटी-828 मेन सेंसर, 50एमपी का सैमसंग जेएन1 अल्ट्रावाइड लेंस और 200एमपी पेरिस्कोप टेलीफोटो लेंस शामिल है।

एन विडिया का मार्केट कैप 5 ट्रिलियन डॉलर के पार

कंपनी दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से भी आगे निकली

मुंबई

चिप और एआई क्षेत्र की दिग्गज कंपनी एनविडिया ने इतिहास रचते हुए अपनी मार्केट कैप 5 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाई है। यह वैल्यूएशन दुनिया के लगभग 190 देशों की जीडीपी से भी अधिक है। फिलहाल केवल अमेरिका (30.4 ट्रिलियन डॉलर) और चीन (19.3 ट्रिलियन डॉलर) की अर्थव्यवस्था एनविडिया से बड़ी है। भारत ने अपनी जीडीपी को 5 ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। इस तुलना में एनविडिया का मार्केट कैप ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और जापान जैसी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से भी अधिक है। किसी कंपनी का मार्केट कैप उसके शेयरों की कुल बाजार वैल्यू होती है, न कि उसके पास मौजूद नकदी। एनविडिया के पास नकद के रूप में लगभग 4.19 लाख करोड़ रुपए हैं, जो मार्केट कैप का सिर्फ एक छोटा हिस्सा है। किसी देश की जीडीपी साल भर में कुल उत्पादन और सेवाओं का मूल्य होती है, जबकि संपत्ति में जमीन, उद्योग और प्राकृतिक संसाधन शामिल हैं। ये बेचे नहीं जा सकते। एनविडिया या कोई भी कंपनी किसी देश को खरीद नहीं सकती, लेकिन निवेश कर सकती है, जैसे उद्योग लगाना, रोजगार देना और नई तकनीक लाना। अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत किसी संप्रभु देश का मालिकाना हक हासिल करना असंभव है।

एसयूवी बनी भारतीयों की पहली पसंद

नई दिल्ली

बीते पांच सालों में एसयूवी ग्राहकों की पहली पसंद बन चुकी हैं, जबकि हैचबैक मॉडलों की बिक्री में लगातार गिरावट दर्ज की गई है। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, ऑटो कंपनियां अब इस बदलते ट्रेंड को भुनाने में जुटी हैं और लेटेस्ट फीचर्स से लैस अधिक से अधिक एसयूवी मॉडल पेश कर रही हैं। रिसर्च की रिपोर्ट 'प्रीमियमाइजेशनः इंडियाज नेक्स्ट कंजम्पशन वेव' के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में हैचबैक सेगमेंट की बिक्री में गिरावट आई है, वहीं एसयूवी ने घरेलू बाजार में अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। अब देश में बिकने वाली लगभग हर दूसरी पैसेंजर गाड़ी एसयूवी है, जो ऑटो उद्योग के प्रीमियमाइजेशन की ओर बढ़ने का संकेत है। रिपोर्ट में बताया गया है कि एफवाय 2018-19 से एफवाय 2023-24 के बीच हैचबैक की गिरती बिक्री की भरपाई एंट्री-लेवल और प्रीमियम एसयूवी की बढ़ती डिमांड ने की है। महिंद्रा ग्रुप के एमडी और सीईओ डॉ. अनीश शाह ने कहा, महिंद्रा एंड महिंद्रा ने सेडान, हैचबैक और छोटी एसयूवी नहीं बनाने का फैसला किया है। वहीं टाटा मोटर्स के एमडी शैलेश चंद्र ने बताया कि एसयूवी सेगमेंट में कंपनी की ग्रोथ इंडस्ट्री औसत से काफी अधिक है, जिसका श्रेय अपग्रेड करने वाले और पहली बार खरीदने वाले ग्राहकों को जाता है।

आंकड़ों के मुताबिक, 2024 में एसयूवी सेगमेंट में 23प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की गई, जबकि हैचबैक की बिक्री में 17प्रतिशत की गिरावट आई। वर्तमान में भारत में पैसेंजर गाड़ियों की कुल बिक्री में एसयूवी का मार्केट शेयर 52प्रतिशत हो गया है, जबकि हैचबैक का हिस्सा घटकर 26प्रतिशत रह गया है जो लगभग दो दशकों में सबसे कम है। मारुति सुजुकी के चेयरमैन आर.सी. भार्गव के मुताबिक, भारत अब छोटी कारों से अपर-सेगमेंट की ओर बढ़ रहा है। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में स्कूटर की बिक्री में और अधिक तेजी देखने को मिलेगी। जहां कभी लोग हैचबैक और एंट्री-लेवल कारों को प्राथमिकता देते थे, वहीं अब खरीदारों का झुकाव तेजी से एसयूवी की ओर बढ़ गया है।

राष्ट्रीय एकता के बेजोड़ शिल्पी थे सरदार पटेल

रमेश सर्राफ धमोरा

महात्मा गांधी ने सरदार वल्लभभाई पटेल को सरदार की उपाधि दी थी। उन्हें भारत के बिस्मार्क के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि उन्होंने भारत को एकजुट करने में एक प्रमुख भूमिका निभाई थी। भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन को वैचारिक एवं क्रियात्मक रूप में एक नई दिशा देने के कारण सरदार पटेल ने राजनीतिक इतिहास में एक गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त किया। उनके कठोर व्यक्तित्व में संगठन कुशलता, राजनीति सत्ता तथा राष्ट्रीय एकता के प्रति अटूट निष्ठा थी। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनका महत्वपूर्ण योगदान था।

सरदार वल्लभभाई पटेल स्वतंत्रता सेनानी और राजनेता थे जो भारत के पहले उप-प्रधानमंत्री और गृह मंत्री बने। उन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और स्वतंत्र भारत में सभी रियासतों के एकीकरण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। जिसके लिए उन्हें लौह पुरुष भी कहा जाता है। सरदार वल्लभभाई पटेल ने भारतीय नागरिक सेवाओं आईसीएस का भारतीयकरण कर इन्हें भारतीय प्रशासनिक सेवाएं आईएएस बनाया। अंग्रेजों की सेवा करने वालों में विश्वास भरकर उन्हें देशभक्ति की ओर मोड़ा।

स्वतंत्र भारत के पहले तीन वर्ष सरदार पटेल देश के प्रथम उप-प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, सूचना प्रसारण मंत्री रहे। पटेल ने भारतीय संघ में उन रियासतों का विलय किया जो स्वयं में सम्प्रभुता प्राप्त थीं। उनका अलग झंडा और अलग शासक था। सरदार पटेल ने आजादी के पूर्व ही देशी राज्यों को भारत में मिलाने के लिये कार्य आरम्भ कर दिया था। सरदार पटेल के प्रयास से 15 अगस्त 1947 तक हैदराबाद, कश्मीर और जूनागढ़ को छोड़कर शेष भारतीय रियासतें भारत संघ में सम्मिलित हो चुकी थी।

महात्मा गांधी ने सरदार वल्लभभाई पटेल को सरदार की उपाधि दी थी। उन्हें भारत के बिस्मार्क के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि उन्होंने भारत को एकजुट करने में एक प्रमुख भूमिका निभाई थी। भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन को वैचारिक एवं क्रियात्मक रूप में एक नई दिशा देने के कारण सरदार पटेल ने राजनीतिक इतिहास में एक गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त किया। उनके कठोर व्यक्तित्व में संगठन कुशलता, राजनीति सत्ता तथा राष्ट्रीय एकता के प्रति अटूट निष्ठा थी। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनका महत्वपूर्ण योगदान था।

सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 में गुजरात के नाडियाड में लेवा पट्टीदार जाति के एक जमींदार परिवार में हुआ था। वे अपने पिता झवेरभाई पटेल एवं माता लाडबाई की चौथी संतान थे। सरदार पटेल ने करमसद में प्राथमिक विद्यालय और पेटलाद स्थित उच्च विद्यालय में शिक्षा प्राप्त की थी। लेकिन उन्होंने अधिकांश ज्ञान स्वाध्याय से ही अर्जित किया। 16 वर्ष की आयु में उनका विवाह हो गया। 22 साल की उम्र में उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा पास की और जिला अधिवक्ता की परीक्षा में उत्तीर्ण हुए। जिससे उन्हें वकालत करने की अनुमति मिली। सरदार पटेल के पांच भाई व एक बहन थी। 1908 में पटेल की पत्नी की मृत्यु हो गई। उस समय उनके एक पुत्र और एक पुत्री थी। इसके बाद उन्होंने विधुर जीवन व्यतीत किया। वकालत के पेशे में तरक्की करने के लिए कृतसंकल्प पटेल ने अध्ययन के लिए अगस्त 1910 में लंदन की यात्रा की।

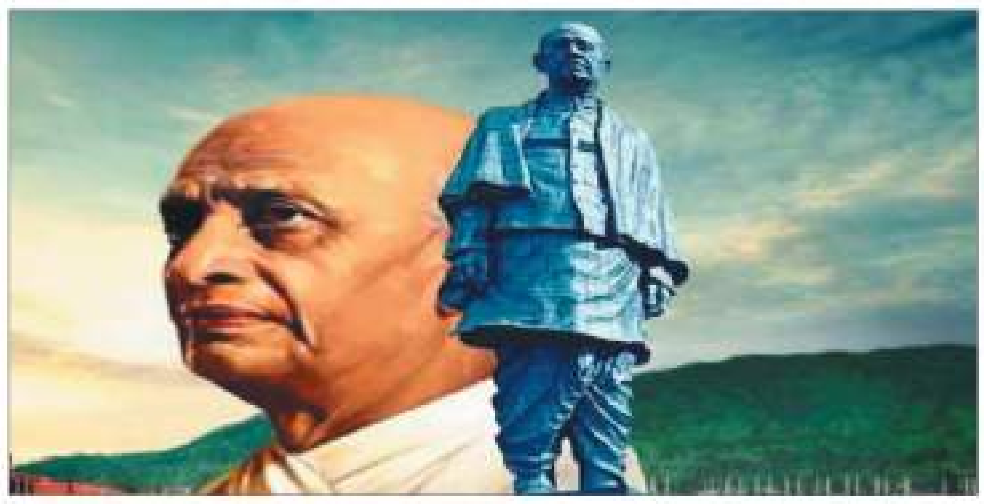

सरदार पटेल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष पद के तीन बार उम्मीदवार बने मगर तीनो ही बार महात्मा गांधी ने हस्तक्षेप कर पण्डित जवाहरलाल नेहरू को कांग्रेस का अध्यक्ष बनवा दिया था। 1930 में नमक सत्याग्रह के दौरान पटेल को तीन महीने की जेल हुई। मार्च 1931 में उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कराची अधिवेशन की अध्यक्षता की। जनवरी 1932 में उन्हें फिर गिरफ्तार कर लिया गया। जुलाई 1934 में वह रिहा हुए और 1937 के चुनावों में उन्होंने कांग्रेस पार्टी के संगठन को व्यवस्थित किया।

अक्टूबर 1940 में कांग्रेस के अन्य नेताओं के साथ पटेल भी गिरफ्तार हुए और अगस्त 1941 में रिहा हुए। 1945-1946 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष पद के लिए सरदार पटेल प्रमुख उम्मीदवार थे। लेकिन महात्मा गांधी ने हस्तक्षेप करके जवाहरलाल नेहरू को अध्यक्ष बनवा दिया। कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में नेहरू को ब्रिटिश वाइसरॉय ने अंतरिम सरकार के गठन के लिए आमंत्रित किया। इस प्रकार यदि घटनाक्रम सामान्य रहता तो सरदार पटेल भारत के पहले प्रधानमंत्री होते।

गृहमंत्री बनने के बाद भारतीय रियासतों के विलय की जिम्मेदारी सरदार पटेल को ही सौंपी गई थी। उन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए562 छोटी-बड़ी रियासतों का भारतीय संघ में विलीनीकरण करके भारतीय एकता का निर्माण किया। विश्व के इतिहास में एक भी व्यक्ति ऐसा नहीं हुआ जिसने इतनी बड़ी संख्या में राज्यों का एकीकरण करने का साहस किया हो।देशी रियासतों का विलय स्वतंत्र भारत की पहली उपलब्धि थी और निर्विवाद रूप से पटेल का इसमें विशेष योगदान था। नीतिगत दृढ़ता के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने उन्हें सरदार और लौह पुरुष की उपाधि दी थी। वल्लभ भाई पटेल ने आजाद भारत को एक विशाल राष्ट्र बनाने में उल्लेखनीय योगदान दिया।

जूनागढ़ के नवाब के विरुद्ध जब वहां की प्रजा ने विरोध कर दिया तो वह भागकर पाकिस्तान चला गया और इस प्रकार जूनागढ़ भी भारत में मिला लिया गया। जब हैदराबाद के निजाम ने भारत में विलय का प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया तो सरदार पटेल ने वहां सेना भेजकर निजाम का आत्मसमर्पण करा लिया। निःसंदेह सरदार पटेल द्वारा 562 रियासतों का एकीकरण विश्व इतिहास का एक आश्चर्य था। भारत की यह रक्तहीन क्रांति थी।

लक्षद्वीप समूह को भारत में मिलाने में भी पटेल की महत्त्वपूर्ण भूमिका थी। इस क्षेत्र के लोग देश की मुख्यधारा से कटे हुए थे और उन्हें भारत को आजादी की जानकारी 15 अगस्त 1947 के कई दिनों बाद मिली। हालांकि यह क्षेत्र पाकिस्तान के नजदीक नहीं था लेकिन पटेल को लगता था कि इस पर पाकिस्तान दावा कर सकता है। इसलिए ऐसी किसी भी स्थिति को टालने के लिए पटेल ने लक्षद्वीप में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए भारतीय नौसेना का एक जहाज भेजा। इसके कुछ घंटे बाद ही पाकिस्तानी नौसेना के जहाज लक्षद्वीप के पास मंडराते देखे गए। लेकिन वहां भारत का झंडा लहराते देख उन्हें वापस लौटना पड़ा।

जब चीन के प्रधानमंत्री चाऊ एन लाई ने जवाहरलाल नेहरू को पत्र लिखा कि वे तिब्बत को चीन का अंग मान लें तो पटेल ने नेहरू से आग्रह किया कि वे तिब्बत पर चीन का प्रभुत्व कतई न स्वीकारें अन्यथा चीन भारत के लिए खतरनाक सिद्ध होगा। जवाहरलाल नेहरू नहीं माने बस इसी भूल के कारण हमें चीन से पिटना पड़ा और चीन ने हमारी सीमा की भूमि पर कब्जा कर लिया। सरदार पटेल के ऐतिहासिक कार्यों में सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण, गांधी स्मारक निधि की स्थापना, कमला नेहरू अस्पताल की रूपरेखा आदि कार्य शामिल हैं।

सरदार पटेल का निधन 15 दिसम्बर 1950 को मुम्बई में हुआ था। सरदार पटेल को उनकी मृत्यु के 41 साल बाद 1991 में मरणोपरांत भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न दिया गया जो उन्हें बहुत पहले मिलना चाहिये था। वर्ष 2014 में केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयन्ती (31 अक्टूबर) को देश भर में राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाना शुरू कर उनको सम्मानित किया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कुछ वर्ष पूर्व गुजरात के नर्मदा जिले में सरदार पटेल के स्मारक का उद्घाटन किया था। इसका नाम एकता की मूर्ति (स्टैच्यू ऑफ यूनिटी) रखा गया है। यह मूर्ति स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी से दुगनी ऊंचाई 182 मीटर ऊंची बनाई गयी है। इस प्रतिमा को केवडिया के निकट साधुबेट नामक एक छोटे चट्टानी द्वीप में सरदार सरोवर बांध के सामने नर्मदा नदी के मध्य में स्थापित किया गया है। सरदार वल्लभ भाई पटेल की यह प्रतिमा दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है।

सरदार पटेल की इस प्रतिमा को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि उनका व्यक्तित्व कितना विशाल था। सरदार यानि नेतृत्व करने का गुण तो उनमें जन्मजात था ही। संघर्षों में तपकर उनका मनोबल लोहे की तरह दृढ़ हो गया था। अपनी इसी इच्छा शक्ति व दृढ़ मनोबल के दम पर उन्होंने देश को आजादी के बाद एक भारत बनाने का ऐसा मुश्किल काम कर दिखाया जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। भारत के राजनीतिक इतिहास में सरदार पटेल के योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता। देश की आजादी के संघर्ष में उन्होंने जितना योगदान दिया उससे ज्यादा योगदान उन्होंने स्वतंत्र भारत को एक करने में दिया। पटेल राष्ट्रीय एकता के बेजोड़ शिल्पी व नये भारत के निर्माता थे। देश के विकास में सरदार वल्लभभाई पटेल के महत्व को सैदव याद रखा जायेगा।

संपादकीय

हिमाचली बंदे में है दम

मानव विकास के हर आयाम पर हिमाचल ने तरक्की के तमाम क्षेत्र चुन लिए और यही वजह है कि राष्ट्रीय सूचकांक की सतह से कहीं ऊपर हाहिमाचली बंदे में दम हैह्न। भौगोलिक दुरुहता को पाटते हुए हिमाचल ने अपने नागरिकों को राष्ट्रीय पैमानों में अव्वल किया, तो यह मंजर कई सरकारों के सतत प्रयास की निशानी भी है। प्रदेश साक्षरता दर में 99.2 प्रतिशत के शिखर पर विराजमान है, तो यह स्थिति लंबे संघर्ष और सीधे मुकाम की है। गरीबी दर का घटना पहाड़ के जीवन की नई महत्त्वाकांक्षा में गूंथना है और इसीलिए अब सोचा यह जा रहा है कि घोषित रूप से हिमाचल को किसी भी प्रकार की गरीबी से सौ फीसदी मुक्त कर दिया जाए। यह इसलिए भी कि प्रति व्यक्ति आय 9.6 प्रति दर से वृद्धि करके राष्ट्रीय औसत से कहीं ऊपर 257212 रुपए तक पहुंच गई है। नवजात मृत्यु दर गिरी है, तो सामाजिक सुरक्षा के पैमानों में यह प्रदेश एक नगीना बन गया है। देश में मानव विकास की पांचवीं पायदान पर पहुंचना यूं तो श्रेष्ठता की कहानी है, लेकिन इतनी सारी उपलब्धियों के बावजूद प्रदेश की प्रगति के आईनों में कुछ जख्मों का दर्द झलकता है। राष्ट्र के कई पथ, कई आकाश और कई प्रयास अभी भी हिमाचल को छोटा करके आंकते हैं। राष्ट्रीय संस्थानों की शिनाख्त में अगर हिस्सेदारी की मैरिट बने, तो इनकी स्थापना से नजरिया बदलेगा और प्रतिस्पर्धा में अवसर सामने आएंगे। बेशक हम मानव विकास की पांचवीं पायदान पर हैं, लेकिन क्या हम राष्ट्रीय अवसर प्राप्ति में भी पांचवें हैं। हम तो सेना भर्ती के कोटे में भी इसलिए पिछड़ जाते हैं, क्योंकि देश को बड़े राज्यों की जनसंख्या का आधार पुख्ता करना है। हम मैट्रो शहरों से ऊपर मानव विकास को रूपांतरित करते हैं, लेकिन केंद्र की चिंताओं में वित्त पोषण की जागीर को हम नहीं छू पाते। एक सैंपल के लिहाज से हमारा गुणात्मक पक्ष हमें गौरवान्वित करता है, लेकिन मानव विकास के आंकड़े आर्थिक विकास में परिवर्तित नहीं होते। दरअसल यह राज्य उपभोक्तावाद के रूप में प्रति व्यक्ति खरीद फरोख्त में अव्वल हो रहा है। इसीलिए मोबाइल खरीद हो या इंटरनेट पर उतरती रील हो, हम हिमाचली राष्ट्र के तमाम आंकड़ों को डाउनलोड करके भी अपनी जेब और रोजगार के अवसरों से महरूम रहते हैं।

चिंतन-मनन

मरने के बाद कहां जाता है इंसान

सभी धर्मों में पुनर्जन्म की बात कही गयी है, यानी एक शरीर को छोड़ने के बाद इंसान दूसरे शरीर में प्रवेश करता है। लेकिन मृत्यु के बाद से पुनर्जन्म लेने तक जीव कहां रहती है यह एक बड़ा सवाल है। भगवान श्री कृष्ण ने भी गीता में कहा है कि आत्मा न तो जन्म लेती है और न मरती है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर जीव के मरने के बाद आत्मा कहां जाती है। इसका उत्तर आप जरूर जानना चाहते होंगे। 18 पुराणों में से गरूड़ पुराण ही एक ऐसा पुराण है जिसमें इस प्रश्न का उत्तर दिया गया है। इस पुराण में कहा गया है कि मृत्यु के बाद जीवात्मा को शरीर से निकाल कर ले जाने के लिए दो यमदूत आते हैं। जो व्यक्ति अपने जीवन काल में अच्छे कर्म करते हैं उनकी आत्मा शरीर से आसानी से निकल जाती है। जिनका अपने शरीर से मोह नहीं जाता है और जीवन काल में अच्छे कर्म नहीं करते हैं उन्हें यमदूत जबरदस्ती खींच कर अपने साथ ले जाते हैं। शरीर से निकलने के बाद आत्मा अंगूठे के आकार का बन जाता है। यह दिखने में उसी प्रकार का होता है जैसा मृत व्यक्ति दिखने में होता है। इस आत्मा को लेकर यमदूत यमराज के पास जाते हैं। वहां उसे 24 घंटे रखा जाता है और जीवन काल में उसके द्वारा किये गये अच्छे बुरे कर्मों को दिखाया जाता है। इसके बाद आत्मा को पुनः उसी स्थान पर लाकर रख दिया जाता है जहां से यमदूत उसे लेकर जाते हैं। 13 दिनों तक इस स्थान पर रहकर आत्मा अपने शरीर का अंतिम संस्कार देखता है। इसके बाद यमदूत उसे अपने साथ लेकर पुनः यमलोक की ओर चलते हैं। इस रास्ते में आत्मा को यम की भयानक नगरी के दर्शन कराये जाते हैं। इस रास्ते में आत्मा को कई प्रकार की भयानक यातनाएं सहनी पड़ती है। एक साल तक इस रास्ते में चलते हुए जीवात्मा यमलोक पहुंचती है। यहां यमराज व्यक्ति को उसके कर्मों के अनुसार नर्क, स्वर्ग अथवा दूसरी योनियों भेजते हैं। यहीं पर तय होता है कि व्यक्ति को दूसरा जन्म कब मिलेगा। जो लोग धर्मात्मा होते हैं उन्हें यमलोक की यात्रा नहीं करनी पड़ती है। ऐसे लोगों के लिए विमान आता है जिसमें बैठकर आत्मा विष्णु लोक चली जाती है। जिन्हें विष्णु लोक में स्थान मिल जाता है उन्हें पुनः जन्म नहीं लेना पड़ता है।

शहर जहां सौन्दर्य, संभावनाएं एवं संवेदनाएं बिछी हो

ललित गर्ग

विश्व शहर दिवस हर साल 31 अक्टूबर को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य शहरीकरण में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की रुचि बढ़ाना, शहरीकरण की चुनौतियों का समाधान करने में देशों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करना और सतत विश्व नगर योजना को अधिक मानवीय, अपराधमुक्त एवं पर्यावरण संपोषक बनाना है। यह दिवस पहली बार 2014 में मनाया गया था। इसका उद्देश्य शहरीकरण के रुझानों, चुनौतियों और सतत शहरी विकास के दृष्टिकोण के बारे में अंतर्राष्ट्रीय जागरूकता बढ़ाना, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना और समतामूलक, समृद्ध, टिकाऊ और समावेशी शहरों के निर्माण के वैश्विक प्रयासों में योगदान देना है जो अपने समुदायों को बेहतर रहने का वातावरण और जीवन की गुणवत्ता प्रदान करते हैं। इस वर्ष विश्व शहर दिवस का वैश्विक आयोजन कोलंबिया के बोगोटा में 'जन-केंद्रित स्मार्ट सिटीज' थीम पर आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर यह प्रदर्शित किया जाएगा कि डेटा-आधारित निर्णय लेने, तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग शहरी जीवन को बेहतर बनाने और वर्तमान झटकों व संकटों से उबरने के लिए कैसे किया जा सकता है। इस अवसर पर जन-केंद्रित स्मार्ट सिटी पहलों को बढ़ावा देने पर भी ध्यान केंद्रित किया जाएगा। निश्चित ही शहर उस उम्मीद का माध्यम बने, जहां सौन्दर्य एवं संवेदनाएं अनेक रूपों में बिछी हो, जहां कुछ नया और कुछ पुराना, पर सब मनमोहक हो। इस वर्ष का विषय इस बढ़ती मान्यता को दर्शाता है कि डिजिटल तकनीकों की परिवर्तनकारी शक्ति वैश्विक स्तर पर शहरी जीवन को नया रूप दे रही है और शहरों और मानव बस्तियों के डिजाइन, नियोजन, प्रबंधन और संचालन के तरीकों को बेहतर बनाने के लिए व्यापक अवसर प्रदान कर रही है। अभिनव विकास, जनोन्मुखी स्मार्ट शहर का निर्माण केन्द्रित थीम शहरी और डिजिटल दोनों तरह के बदलावों से चिह्नित इस युग में, शहर निवासियों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने और महत्वपूर्ण शहरी चुनौतियों और अवसरों का समाधान करने के लिए डिजिटल तकनीकी समाधानों और डेटा को तेजी से अपनाने पर बल देती हैं। 'सशक्त समुदाय, समृद्ध शहर' को बल देते हुए यह दिवस समुदायों को जागरूक, सहयोगी और आत्मनिर्भर करने की पहल है ताकि शहर वास्तव में विकसित, संस्कृतिमय और समृद्ध बन सके। आज जब पूरी दुनिया तीव्र गति से शहरीकरण की ओर बढ़ रही है, तब यह दिवस आत्ममंथन का अवसर बन गया है कि क्या हमारे शहर केवल कंक्रीट की इमारतों और चकाचौंध का विस्तार बन रहे हैं या उनमें मानवीय संवेदनाओं, संस्कृति, पर्यावरणीय संतुलन और सामाजिक समरसता का पोषण भी हो रहा है। भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नया भारत, विकसित भारत को विकसित करते हुए शहरीकरण का एक नया मॉडल प्रस्तुत हुआ है, जिसने शहरों के विकास को केवल भौतिक संरचनाओं तक सीमित न रखकर जीवन मूल्यों और नागरिक सहभागिता से जोड़ा है। अमृत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वस्थ भारत मिशन, स्मार्ट शहर योजना और स्वच्छ भारत अभियान जैसी योजनाओं ने शहरों के ढांचे में नई चेतना का संचार किया है। इन योजनाओं ने यह साबित किया है कि जब सरकार की नीतियों में जनता की भागीदारी और पारदर्शिता जुड़ती है तो विकास केवल आंकड़ों में नहीं, व्यवहार में भी दिखने लगता है। शहरीकरण का अर्थ केवल ऊंची इमारतें, चौड़ी सड़कें और चमकदार बाजार नहीं है, बल्कि यह एक जीवंत सामाजिक प्रक्रिया है जिसमें जीवन स्तर, विचार और व्यवहार की गुणवत्ता निहित होती है। शहरों ने मनुष्य को रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुविधा दी है, लेकिन इसी के साथ प्रदूषण, भीड़, तनाव, अपराध, असमानता और मानवीय रिश्तों की दूरी भी दी है। हर बड़ा शहर आज सांस लेने के लिए हवा, पीने के लिए स्वच्छ पानी और जीने के लिए शांति तरस रहा है। विकास के नाम पर प्रकृति का ह्रास हो रहा है और भौतिक प्रगति के साथ मानसिक थकान बढ़ रही है। भारत के प्राचीन नगर जैसे काशी, उज्जैन, पुष्कर, मथुरा और अयोध्या केवल व्यापारिक या राजनीतिक केंद्र नहीं थे, वे संस्कृति, अध्यात्म और सह-अस्तित्व की जीवंत प्रयोगशालाएं थे। वहां नगर का अर्थ केवल रहने की जगह नहीं, जीने की कला था। आज के नगर यदि इन मूल्यों को फिर से अपनाएं तो वे केवल आधुनिक ही नहीं, मानवीय भी बन सकते हैं। पश्चिम के देशों में शहरीकरण तकनीकी दक्षता और सुविधाओं की दृष्टि से आगे है, पर वहां मानवीय ऊष्मा और आत्मीयता का अभाव है। भारत यदि अपने शहरीकरण में मानवता, पर्यावरण और संस्कृति का संगम बनाए रखे तो वह पूरी दुनिया के लिए एक आदर्श प्रस्तुत कर सकता है। शहर तब सचमुच जीवंत बनेंगे जब उनमें रहने वाले लोग पर्यावरण के प्रति संवेदनशील, सामाजिक रूप से जागरूक और मानवीय दृष्टि से समर्पित होंगे। प्रदूषण को रोकना, हरियाली बढ़ाना, स्वच्छता को जीवनचर्या बनाना, झुग्गी बस्तियों को सम्मानजनक आवास देना, जनसहभागिता और नागरिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना ही वास्तविक शहरीकरण का मार्ग है। भारत के शहर आज तेजी से बदल रहे हैं। मेट्रो, ऊँची इमारतें, चौड़ी सड़कों और चमकदार मॉलों ने इनका नया चेहरा गढ़ दिया है। यह परिवर्तन विकास की चमक दिखाता है, पर इसके भीतर एक गहरी पीड़ा भी छिपी है, कहीं न कहीं शहरों की आत्मा, उनकी पहचान, उनकी गर्माहट खोती जा रही है। जो गलियां कभी अपनत्व और रिश्तों की खुशबू से महकती थी, वे अब भागदौड़, भीड़ और उदासीनता का प्रतीक बन गई हैं। स्वतंत्रता के बाद भारत ने आधुनिकता की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए, पर इस भौतिक विकास की दौड़ में मानवीय संवेदनाएं और सामाजिक संबंध पीछे छूट गए। शहरों का विस्तार अब मनुष्य की जरूरतों के बजाय बाजार की मांगों के अनुसार हो रहा है। नई कॉलोनियां और ऊँची इमारतें पुराने मोहल्लों की जगह ले रही हैं, पर उनके भीतर वह आत्मीयता एवं संवेदनशीलता नहीं जो कभी लोगों के दिलों को जोड़ती थी।

इस वर्ष नोबेल पुरस्कार प्राप्त सृजनात्मक विनाश के सिद्धांत की जड़ें हिंदू सनातन संस्कृति में हैं

प्रहलाद सबनानी

हिंदू सनातन संस्कृति से सम्बंधित वेदों, पुराणों एवं धार्मिक ग्रंथों में यह वर्णन मिलता है कि मानव जीवन की प्राप्ति, 84 लाख योनियों के चक्र के पश्चात प्राप्त होती है। साथ ही, यह भी माना जाता है कि मानव जीवन की प्राप्ति पिछले जन्मों में किए गए कर्मों को भोगने, भविष्य का निर्माण करने एवं 84 लाख योनियों के चक्र से बाहर निकलकर मोक्ष की प्राप्ति करने के लक्ष्य को हासिल करने के अवसर के रूप में मिलती है। अब, यह इस मानव जीवन में किए गए कर्मों पर निर्भर करता है कि हमें मोक्ष की प्राप्ति होगी अथवा 84 लाख योनियों के चक्र में एक बार पुनः फंसे रहेंगे। यदि हम अपने कर्मों को लगातार धर्मानुसार करते हैं तो मोक्ष की प्राप्ति सम्भव है। इसी आधार पर ही यह कहा भी जाता है कि मोक्ष प्राप्ति के उद्देश्य से ही देवता भी मानव जीवन को प्राप्त करने की कामना करते हैं।

मोक्ष प्राप्ति के उद्देश्य से मिले इस मानव जीवन को संवारने की दृष्टि से विद्वान संत महात्मा उपदेश देते हैं कि काम एवं अर्थ से सम्बंधित की जाने वाली गतिविधियों को धर्म आधारित होना चाहिए ताकि अंत में मोक्ष की प्राप्ति सम्भव हो सके। अतः काम एवं अर्थ को धर्म एवं मोक्ष के बीच स्थान दिया गया है। धर्म का आशय यहां प्रभु परमात्मा की भक्ति अथवा पंथ (रिलीजन) से कतई नहीं है बल्कि धर्म से आशय यह है कि किसी भी प्रकार के कार्य को सम्पन्न करने में इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि किए जाने वाले कार्य से किसी भी जीव जंतु अथवा मानव की हानि नहीं हो इसके ठीक विपरीत हमारे द्वारा किए जाने वाले कार्यों से समाजजनों की भलाई हो। अर्थात, निर्धारित नियमों का अनुपालन करते हुए व्यक्तिगत एवं सामाजिक कार्यों को सम्पन्न करना ही हमारा धर्म है और यदि हम लगातार धर्म के अनुसार कार्य करते रहेंगे तो मोक्ष की प्राप्ति सम्भव हो सकेगी। इस प्रकार, हिंदू सनातन संस्कृति के अनुसार पुनर्जन्म में विश्वास किया जाता है। किसी भी प्राणी का अहित करना तो दूर, बल्कि इसके बारे में कभी सोचा भी नहीं जाता है। समस्त जीवों में प्रभु परमात्मा का वास माना जाता है और सभी जीवों में एक ही आत्मा का निवास मानकर आपस में एकाकार माना जाता है। 'वसुधैव कुटुम्बकम', 'सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय' 'सर्वे भवंतु सुखिनः' की भावना का जन्म भी उक्त सिद्धांत के आधार पर ही हुआ है। प्रभु परमात्मा द्वारा निर्धारित की गई उम्र को प्राप्त करने के पश्चात इस जीव को अपना मानुष चोला त्यागकर, इस जीवन में किए गए कर्मों के आधार पर नयी योनि में जन्म लेना होता है और इसे ही सृजनात्मक विनाश की संज्ञा दी जा सकती है।

हाल ही में, वर्ष 2025 के लिए अर्थशास्त्र विषय में नोबेल पुरस्कार की घोषणा की गई है। इस वर्ष यह पुरस्कार श्री जोएल मोक्यर, फिलिप एगियन और श्री पीटर हाविट को 'सृजनात्मक विनाश (क्रीएटिव डेस्ट्रक्शन)' एवं 'नवाचार संचालित आर्थिक संवृद्धि की व्याख्या' विषय पर शोद्ध करने के लिए संयुक्त रूप से दिया गया है।

श्री फिलिप एगियन और पीटर हाविट ने सृजनात्मक विनाश के माध्यम से सतत संवृद्धि के सिद्धांत साझा किए हैं। आपने सृजनात्मक विनाश की व्याख्या करने के लिए एक गणितीय मॉडल तैयार किया है। सृजनात्मक विनाश के अनुसार, जब बाजार में नए और बेहतर उत्पाद आते हैं, तो पुराने उत्पाद बेचने वाली कम्पनियां अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता खो देती हैं या बाजार से बाहर हो जाती है। इसे सृजनात्मक कहा जाता है, क्योंकि यह नवाचार पर आधारित है। यद्यपि यह विनाशकारी भी है, क्योंकि पुराने उत्पाद अप्रचलित हो जाते हैं और अपना वाणिज्यिक मूल्य खो देते हैं। इस प्रकार बाजार में नई इकाईयों का पदार्पण होता है एवं पुरानी इकाईयों का विनाश हो जाता है। इसे ही सृजनात्मक विनाश की संज्ञा दी गई है।

ऐसा आभास हो रहा है कि उक्त सिद्धांत की जड़ें हिंदू सनातन संस्कृति से ही निकलती हैं। जिस किसी जीव ने इस धरा पर जन्म लिया है उसे एक दिन तो अपने जीवन का परित्याग करना ही है। मानव जीवन की प्राप्ति भी कुछ उद्देश्यों को पूर्ण करने के लिए होती है, उन उद्देश्यों की प्राप्ति के पश्चात इस मानव जीवन को छोड़ना ही होता है। उसी प्रकार, सृजनात्मक विनाश के सिद्धांत में भी एक समय सीमा के पश्चात उत्पादों के विनिर्माण हेतु बाजार में जब नयी पीढ़ी की इकाईयों का पदार्पण होता है तो पुरानी पीढ़ी की विनिर्माण इकाईयों को बाजार से बाहर हो जाना होता है।

हिंदू सनातन संस्कृति का अध्ययन करने पर ध्यान में आता है कि स्व-सृजक प्रक्रिया एवं रचनात्मक विनाश का सिद्धांत तो भारतीय संस्कृति में पूर्व से ही अंतर्निहित है। भगवान शिव जब तांडव नृत्य करते हैं तो बुरे विचारों का नाश होकर नए विचार जन्म लेते हैं जो प्रकृति का सृजन कर प्रकृति को नई ऊंचाई पर ले जाने में सहायक होते हैं। भगवान शिव भी तांडव नृत्य इस सिद्धांत के आधार पर करते हैं ताकि पृथ्वी पर आवश्यक विनाश हो सके एवं नयी प्रकृति का पुनर्निर्माण हो सके। 'शिव तांडव के सृजनात्मक विनाश सम्बंधी सिद्धांत' को ही अर्थशास्त्र में लागू करते हुए कहा गया है कि प्रत्येक उत्पादन इकाई की अपनी एक उम्र तय होती है और इस खंडकाल में सामान्यतः नवाचार होने के चलते पुरानी इकाईयां बंद हो जाती हैं और यहां यह कहा गया है कि इन पुरानी इकाईयों को नष्ट होने देना चाहिए ताकि नवाचार के साथ नई उत्पादन इकाईयों को स्थापित कराया जा सके। यह सिद्धांत शिव तांडव की तरह विभिन्न क्षेत्रों में लगातार चलता रहता है।

श्री जोएल मोक्यर ने तकनीकी प्रगति के माध्यम से सतत आर्थिक संवृद्धि के लिए आवश्यक पूर्व शर्तों की पहचान की है और उन्होंने उन तंत्रों का वर्णन किया है जो वैज्ञानिक सफलताओं और उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों को एक दूसरे को बढ़ाने तथा एक स्व-सृजक प्रक्रिया बनाने में सक्षम बनाते हैं। उन्होंने सतत संवृद्धि के लिए आवश्यक कारकों की पहचान की हैं। इनमें शामिल हैं - उपयोगी ज्ञान का सतत प्रवाह - जिसमें (1) प्रस्तावात्मक ज्ञान (प्रोपोजीशनल नोलेज), जो दर्शाता है कि कोई व्यक्ति काम क्यों करता है,(2) निर्देशात्मक ज्ञान (प्रेस्क्रिप्टिव नोलेज) जो वर्णित करता है कि किसी व्यक्ति द्वारा काम करने के लिए क्या आवश्यक है, शामिल है। इसी प्रकार वाणिज्यिक ज्ञान द्वारा विचारों को वाणिज्यिक उत्पादों में बदला जाता है और इस परिवर्तन के प्रति सामाजिक खुलापन होना चाहिए जो पुराने उत्पादों के स्थान पर नए उत्पादों को स्वीकार करने की इच्छा रखते हों।

इसी प्रकार स्व-सृजक प्रक्रिया के अंतर्गत यह कहा जा सकता है कि हिंदू सनातन संस्कृति में मनुष्य का इस धरा पर जन्म 84 लाख योनियों से अपने आप को मुक्त करने के उद्देश्य से होता है अतः उसे ज्ञान रहता है कि उसे किस प्रकार के कर्म इस मानुष जीवन में करना हैं और क्यों करना है। इन निर्धारित कर्मों को करते हुए मनुष्य मोक्ष को प्राप्त करने हेतु सदैव ही प्रयासरत रहता है। इस ही स्व-सृजक प्रक्रिया कहा जा सकता है।

(सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI-834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, **PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773** Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Mob -

एक दीवाने की दीवानियत के बाद अब एक्शन अवतार में दिखेंगे हर्षवर्धन राणे? पोस्ट साझा कर खुद की घोषणा

बॉलीवुड अभिनेता हर्षवर्धन राणे इन दिनों अपनी फिल्म एक दीवाने की दीवानियत के लिए खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। अब खबर है कि अभिनेता डायरेक्टर मिलाप जवेरी के साथ काम करने जा रहे हैं। यह नया प्रोजेक्ट एक हाई-एनर्जी मास एंटरटेनर बताया जा रहा है, जो दोनों की जोड़ी को एक बार फिर बड़े पर्दे पर लेकर आएगी

इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया साझा

सोशल मीडिया पर हर्षवर्धन राणे ने अपनी तस्वीर साझा करते हुए एक पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, मुझे मिलाप सर की स्क्रिप्ट पर पूरा भरोसा है, अगर वो मुझे कोई कहानी देंगे, तो मैं बिना सोचे साइन कर दूंगा। इस पर डायरेक्टर मिलाप जवेरी ने भी तुरंत प्रतिक्रिया दी और कहा, मैंने तो ऑफर दे दिया है मेरे दोस्त! और जवाब तो 'हां' ही रहेगा, वो भी पक्की वाली। दोनों की कमेंट सेक्शन में इस बातचीत के बाद अब इसे एक्टर की तरफ से फिल्म की घोषणा बताया जा रहा है जिसका नाम मेसी हो सकता है।

'एक दीवाने की दीवानियत' के बाद फिर साथ आएंगे दोनों

'एक दीवाने की दीवानियत' में हर्षवर्धन राणे के इमोशनल किरदार को दर्शकों ने खूब सराहा था। फिल्म की सफलता के बाद मिलाप जवेरी और राणे की जोड़ी एक बार फिर साथ काम करने जा रही है। सूत्रों की मानें तो यह फिल्म एक्शन, इमोशन और देसी तड़के से भरपूर होगी, बिल्कुल वैसी ही जैसी मिलाप की पिछली फिल्मों की पहचान रही है।

गैंगस्टर ड्रामा और 'सिला' भी हैं लाइन में

मिलाप जवेरी के प्रोजेक्ट के अलावा, हर्षवर्धन राणे कई और बड़े प्रोजेक्ट्स में भी बिजी हैं। खबर है कि उन्हें एकता कपूर की आने वाली गैंगस्टर ड्रामा फिल्म के लिए भी एप्रोच किया गया है। यह फिल्म एक क्राइम थ्रिलर यूनिवर्स की तरह बनाई जा रही है, जिसमें जबरदस्त एक्शन और ग्रे शेड वाले किरदार दिखेंगे। माना जा रहा है कि राणे इस फिल्म में एक गहरे और जटिल किरदार में नजर आएंगे, जो उनके करियर का नया टर्निंग पॉइंट साबित हो सकता है।

इसके अलावा, हर्षवर्धन ने हाल ही में निर्देशक ओमंग कुमार की फिल्म 'सिला' की शूटिंग पूरी की है। यह फिल्म वियतनाम में शूट की गई और इसमें उनके साथ अभिनेत्री सादिया खातिब नजर आएंगी। ओमंग कुमार के निर्देशन में यह फिल्म भावनात्मक और रहस्यमयी कहानी पर आधारित बताई जा रही है।

'सनम तेरी कसम' का सीक्वल भी आने वाला है

फैंस के लिए खुशखबरी यह भी है कि 2016 की हिट रोमांटिक फिल्म 'सनम तेरी कसम' का सीक्वल भी तैयार हो रहा है।

'थामा' की सफलता पर गदगद हुए आयुष्मान खुराना

अभिनेता आयुष्मान खुराना इन दिनों अपनी फिल्म 'थामा' से चर्चा में हैं, जिसे दर्शकों द्वारा अच्छी प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। अभिनेता ने इस फिल्म की सफलता पर अपनी राय व्यक्त की है। रश्मिका मंदाना और आयुष्मान खुराना अभिनीत 'थामा' इन दिनों सिनेमाघरों में दिखाई जा रही है। हाल ही में अभिनेता ने इस फिल्म की सफलता को लेकर प्रतिक्रिया दी है। साथ ही थामा में अपने किरदार के बारे में भी बताया है। चलिए जानते हैं क्या बोले आयुष्मान खुराना।

'मेरी सबसे बड़ी ओपनिंग फिल्म है'

अभिनेता आयुष्मान खुराना ने बात की। उन्होंने कहा, 'मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स हिंदी सिनेमा का सबसे सफल यूनिवर्स है। ओपनिंग कमाई के मामले में 'थामा' दूसरे नंबर पर है। यह मेरी सबसे बड़ी ओपनिंग है और मुझे उम्मीद है कि यह मेरी सबसे बड़ी फिल्म भी बनेगी।'

फिल्म में अपने किरदार के बारे में की बात

आगे बात करते हुए अभिनेता से सवाल किया गया कि उन्हें इस फिल्म में किस चीज ने सबसे ज्यादा प्रभावित किया। इसके जवाब में उन्होंने कहा, 'इस फिल्म में पहली बार मैंने अपने पुराने किरदारों से हटकर रोल किया है। इसमें मैंने वैंपायर या सुपरहीरो जैसी भूमिका की है। इसलिए मैं बहुत उत्साहित हूं। मैं इस यूनिवर्स का बहुत बड़ा फैन हूं और जो मैं पर्दे पर देखना चाहता हूं, उसी को करना चाहता हूं।'

फिल्म थामा के बारे में

मैडॉक फिल्म्स की हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स का हिस्सा 'थामा' दर्शकों को खूब पसंद आ रही है। यह फिल्म 2025 की उन चुनिंदा फिल्मों में शामिल हो गई है, जिसने मात्र एक हफ्ते में 100 करोड़ क्लब में जगह बना ली है। दर्शक फिल्म के रोमांचक ट्विस्ट और मनोरंजन भरे डर को खूब एंजॉय कर रहे हैं।

इमरान हाशमी ने अपनी फिल्म 'हक' पर की बात

बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी ने अपनी आगामी फिल्म हक के बारे में बात की। साथ ही उन्होंने उसकी कहानी पर प्रकाश डाला। चलिए जानते हैं अभिनेता ने क्या कहा।

इमरान हाशमी और यामी गौतम की आगामी फिल्म 'हक' जल्द सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। यह एक कोर्टरूम ड्रामा फिल्म है। इस फिल्म की कहानी शाह बानो बेगम केस पर आधारित है। अभिनेता ने अपनी फिल्म के बारे में विचार प्रकट किए हैं। साथ ही फिल्म के मुद्दे पर भी बात की। आइए जानते हैं इमरान हाशमी से हुई बातचीत के बारे में।

'यह एक ऐतिहासिक मामला था'

अभिनेता इमरान हाशमी ने एएनआई से बात की और अपनी आगामी फिल्म हक की कहानी के बारे में बताया। उन्होंने कहा, 'यह 1985 के उस मामले से प्रेरित है जिसमें अहमद खान ने शाह बानो को तलाक दिया था। यह एक ऐतिहासिक मामला था। उस समय, कोई नहीं जानता था कि शाह बानो कई महिलाओं और आने वाली पीढ़ियों के लिए लड़ रही थीं। इस फिल्म में, हमने इस मामले को निष्पक्ष तरीके से दिखाया है।'

मेरा बेटा पूजा और नमाज दोनों करता है: आगे बातचीत में इमरान हाशमी से हिंदू-मुस्लिम में तनाव को लेकर सवाल किया गया। इसके जवाब में अभिनेता ने कहा, एक लिबरल मुस्लिम होने के नाते, मुझे इस फिल्म के दृष्टिकोण से कोई समस्या नहीं है क्योंकि हम किसी समुदाय को बदनाम नहीं कर रहे हैं। आगे उन्होंने कहा, मैंने परवीन से शादी की है, जो एक हिंदू हैं। मेरा बेटा पूजा और नमाज दोनों करता है। मेरी मां ईसाई हैं। मेरी परवरिश धर्मनिरपेक्षता में हुई है, इसलिए मैं इस फिल्म को उसी नजरिए से देख रहा हूं। अब लोगों की क्या प्रतिक्रिया होगी, इसके बारे में मैं नहीं सोच रहा।

एक्ट्रेस तान्या राजकुमार राव संग मिलकर खोलेंगी

शिक्षा व्यवस्था की पोल

भारत की नई पीढ़ी के कलाकारों में तेजी से पहचान बना रही अभिनेत्री तान्या मानिकतला अब जल्द ही अभिनेता राजकुमार राव के साथ एक नई फिल्म में नजर आने वाली हैं। यह फिल्म निर्देशक आदित्य निंबालकर के निर्देशन में बन रही है। इस फिल्म में तान्या युवा भारतीयों की आवाज बनेंगी। उनका किरदार फिल्म की कहानी के लिए बेहद अहम होगा। फिल्म की कहानी भारत की शिक्षा व्यवस्था की सच्चाइयों पर आधारित है। फिल्म उस दुनिया को सामने लाने की कोशिश करती है जिसे अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है। वह दुनिया, जहां छात्र और शिक्षक, दोनों ही एक कठिन और प्रतिस्पर्धी सिस्टम के दबाव में जीते हैं। यह कहानी न केवल सामाजिक रूप से प्रासंगिक है, बल्कि हर उस परिवार से जुड़ती है जो बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित रहता है। फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने समाचार एजेंसी को बताया कि यह प्रोजेक्ट सभी कलाकारों और निर्माताओं के लिए बेहद व्यक्तिगत और भावनात्मक है। निर्देशक आदित्य ने इस विषय को बड़ी गहराई और संवेदनशीलता से संभाला है। राजकुमार राव और तान्या मानिकतला का किरदार दर्शकों के दिल को छू लेगा। सूत्र के मुताबिक, तान्या का किरदार इस फिल्म का अहम हिस्सा है, क्योंकि यह उन युवा भारतीयों की आवाज है जो आज के दौर में शिक्षा, करियर और समाज की अपेक्षाओं के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं। निर्देशन के साथ-साथ फिल्म का लेखन भी आदित्य निंबालकर ने किया है। कहानी में भारत के शिक्षा जगत की उन गहराइयों को दिखाया गया है, जहां छात्रों पर पढ़ाई और परीक्षा का भारी दबाव होता है, वहीं शिक्षकों को भी सिस्टम की सीमाओं और चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। फिल्म शिक्षा व्यवस्था के भावनात्मक, मानसिक और सामाजिक पहलुओं पर रोशनी डालती है। यह सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि एक ऐसा आईना है जो समाज को अपने भीतर झांकने पर मजबूर करेगा।

थामा में अपने किरदार को लेकर बोलीं रश्मिका मंदाना

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म थामा की सफलता का लुत्फ उठा रही है। इस फिल्म में उन्होंने वैंपायर का किरदार निभाया। बात करते हुए उन्होंने फिल्म में काम के अनुभव को साझा किया और बताया कि उनके लिए यह किरदार कितना चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने कहा कि थामा का अनुभव उनके लिए रचनात्मक रूप से बहुत रोमांचक था। वैंपायर का किरदार उनके लिए पूरी तरह से नया है, क्योंकि अब तक उन्होंने अपने करियर में ऐसा कोई किरदार नहीं निभाया था। उन्होंने कहा, मेरे लिए यह अनुभव बिल्कुल नया था। मुझे नहीं पता था कि वैंपायर या बेताल जैसे प्राणी का किरदार कैसे निभाया जाता है। यह भूमिका मेरे लिए काफी चुनौतीपूर्ण और जटिल थी। उन्होंने इस अनुभव को दिलचस्प करार देते हुए कहा, इस तरह के किरदारों के साथ काम मेरे लिए हमेशा नई चीजें सीखने जैसा होता है। सामान्य किरदार निभाना भी एक तरह का आनंद देता है, लेकिन जब कोई बिल्कुल अलग और चुनौतीपूर्ण किरदार मिलता है, तो यह अनुभव एक अलग ही तरह का उत्साह देता है। अभिनेत्री ने कहा, मुझे इस किरदार में खुद को बदलने की पूरी प्रक्रिया बेहद आकर्षक लगी। जब कोई कलाकार किसी सामान्य किरदार में काम करता है, तो उसका आनंद अलग होता है, लेकिन किसी अलग प्राणी का किरदार निभाना उसे एक नए तरह का उत्साह और खुशी देता है। रश्मिका ने अपने प्रोड्यूसर अमर कौशिक और निर्देशक आदित्य सरपोतदार का भी धन्यवाद किया। उन्होंने कहा, इस नए और चुनौतीपूर्ण किरदार को निभाने में उनका मार्गदर्शन और समर्थन बहुत महत्वपूर्ण रहा। रश्मिका ने खुलासा किया कि उन्होंने इस किरदार को निभाने के लिए बिल्कुल जीरो से शुरुआत की।

टीचर बनना चाहती थी मलायका

आज हम आपको बॉलीवुड की बहुत ही टैलेंटेड और खूबसूरत अदाकारा से मिलवा रहे है. बॉलीवुड के पॉपुलर आइटम सॉन्ग्स से तहलका मचाने वाली इस हसीना की दीवानगी आज भी उतनी ही है जितनी सालों पहले हुआ करती थी. जी ये हसीन अदाकारा कोई और नहीं, बल्कि शाहरुख खान के साथ 'छैंया-छैंया' गाने से लोगों का दिल जीतने वाली मलाइका अरोड़ा हैं, जिनकी अदाओं पर आज भी लोग जान छिड़कते हैं. आज मलाइका किसी परिचय की मोहताज नहीं है. अपने बेहतरीन डांस से वो सबको अपना दीवाना बना लेती है. लेकिन यहां तक पहुंचने के लिए उन्होंने काफी मेहनत की है. मुंबई में जन्मी मलाइका अरोड़ा की मां जॉयस पॉलीकार्प मलयाली फैमिली से आती हैं और पिता पंजाबी हिंदू परिवार से थे. एक्ट्रेस को अपने शुरुआती दिनों में काफी मुश्किलों से गुजरना पड़ा था. एक बार एक्ट्रेस ने खुद बताया था कि वह कभी इतने छोटे घर में रहती थीं कि उसकी तुलना माचिस की डिब्बी से कर सकते हैं. इस दौरान एक्ट्रेस ने बताया था कि बचपन में बहुत कुछ झेलना पड़ा. हालांकि, आज एक्ट्रेस के पास हर तरह की सुविधाएं हैं. करियर की बात करें तो मलाइका कभी फिल्मों में नहीं आना चाहती थीं, वो हमेशा से एक टीचर बनना चाहती थीं. लेकिन डांस ने उनका जीवन बदल दिया और वो इंडस्ट्री की सबसे मशहूर आइटम गर्ल बन गईं.

तमन्ना भाटिया ने फिल्म बाहुबली की बात

हाल ही में तमन्ना भाटिया ने फिल्म बाहुबली के बारे में कई बातें बताई हैं। उनके मुताबिक फिल्म में काम करने के बाद उनमें कई बदलाव आए हैं। तमन्ना भाटिया इंडस्ट्री की सबसे पसंदीदा अभिनेत्रियों में से एक हैं। उन्होंने कई बेहतरीन फिल्में की हैं, लेकिन उनके डांस नंबर आज भी दर्शकों को दीवाना बनाते हैं। उन्होंने दो दशक पहले हिंदी फिल्म चांद सा रोशन चेहरा से अभिनय में कदम रखा था, लेकिन उन्हें सबसे बड़ा ब्रेक तब मिला जब उन्होंने प्रभास के साथ बाहुबली- द बिगिनिंग में काम किया। इसके बाद, उन्होंने बाहुबली 2- द कन्क्लूजन से पर्दे पर वापसी की और तब से उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

तमन्ना भाटिया में आया बदलाव

फिल्मफेयर के साथ बातचीत में, तमन्ना भाटिया ने बताया कि कैसे बाहुबली फ्रैंचाइजी ने उन्हें बदल दिया। उन्होंने कहा बाहुबली एक ऐसी फिल्म थी जिससे मैंने सबसे ज्यादा सीखा। हम एक हरे रंग की स्क्रीन के सामने शूटिंग कर रहे थे, इसलिए हमें बहुत सी चीजों की कल्पना करनी पड़ी। मैंने वीएफएक्स के बारे में सीखा। किसी फिल्म को बेहतर बनाने के लिए इसका इस्तेमाल कैसे किया जाता है यह भी सीखा। इसने मुझे प्रयोग करने का और भी आत्मविश्वास दिया। उसके बाद से, मैंने लोगों की राय को गंभीरता से लेना बंद कर दिया। मैं अपने अंतर्मन पर ज्यादा भरोसा करने लगी।

4000 करोड़ी फिल्म रामायण के लिए फ्री में काम कर रहे विवेक ओबेरॉय

बॉलीवुड एक्टर विवेक ओबेरॉय की जबरदस्त एक्टिंग के फैंस दीवाने रहते हैं. हालांकि, उनका फिल्म करियर कुछ खास नहीं रहा है. विवेक ओबेरॉय फिल्मों में कम ही नजर आते हैं और रियल स्टेट का बिजनेस कर रहे हैं. फिलहाल, उनकी पाइपलाइन में अभी कुछ फिल्में हैं, जिसमें डायरेक्टर नितेश तिवारी की 4000 करोड़ी मूवी रामायण है. इस फिल्म में विवेक ओबेरॉय विभीषण का किरदार निभाते नजर आएंगे. फिल्म रामायण में उनकी फीस को लेकर जानकारी सामने आई है. आइए जानते हैं कि इस फिल्म के लिए उन्होंने कितनी फीस ली है. विवेक ओबेरॉय ने बात करते हुए कहा कि उन्होंने फिल्म रामायण के प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा से कहा था कि वह फिल्म के लिए एक भी पैसा नहीं लेना चाहते हैं. वह अपनी पूरी फीस कैंसर से पीड़ित बच्चों की मदद के लिए दान करना चाहते हैं. विवेक ओबेरॉय ने कहा, मैंने उनसे कहा कि मैं आपका सपोर्ट करना चाहता हूं कि क्योंकि ये काम मुझे पसंद है. मुझे लगता है कि ये इंडियन सिनेमा को ग्लोबल स्टेज पर ले जाएगा. हॉलीवुड महाकाव्यों के लिए भारत की तरफ रामायण जवाब होगा. ये उस कंपनी से जुड़ी है, जिसने 7-8 ऑस्कर जीते हैं और भी शानदार काम किए हैं. वास्तव में रामायण से बड़ा और बेहतर कुछ और नहीं हो सकता है. इसे ग्लोबल फील्ड में ले जाना काफी एक्साइटिंग है.

फिल्म रामायण की स्टारकास्ट

फिल्म रामायण में रणबीर कपूर, साईं पल्लवी, यश, विवेक ओबेरॉय, रवि दुबे, सनी देओल, लारा दत्ता, रकुल प्रीत सिंह, अरुण गोविल, काजल अग्रवाल, इंदिरा कृष्णन, कुणाल कपूर, शीबा चड्ढा जैसे तमाम सितारे नजर आएंगे. फिल्म भगवान राम का किरदार रणबीर कपूर, माता सीता किरदार साईं पल्लवी और रावण का किरदार यश निभाएंगे.

भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टी20 में जीत के इरादे से उतरेगी

मेलबर्न (एजेंसी)। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न क्रिकेट मैदान में होने वाले दूसरे टी20 में जीत के इरादे से उतरेगी। इस सीरीज का पहला मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था। पहले टी20 में भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी रही थी और कप्तान सूर्यकुमार यादव व उपकप्तान शुभमन गिल ने अच्छी बल्लेबाजी की थी हालांकि आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा 19 रन ही बना पाये थे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में भारतीय टीम को अभिषेक से बड़ी पारी की उम्मीद होगी। भारतीय टीम की बल्लेबाजी अभिषेक और सूर्यकुमार के अलावा तिलक वर्मा पर भी निर्भर रहेगी। वहीं गेंदबाजी की कमान जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह के अलावा स्पिनर कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती के पास रहेगी।

दूसरी ओर मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम को बल्लेबाजी में कप्तान मिचेल मार्श और टिम डेविड से उम्मीदें होंगी। गेंदबाजी जोश हेजलवुड पर आधारित रहेगी। आकड़ों पर नजर डालें तो भारतीय टीम इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार रहेगी।

दोनों के बीच अब तक 33 टी20 मैच खेले गए हैं, जिसमें भारतीय टीम ने 20 मुकाबले जबकि 11 मैच ऑस्ट्रेलिया ने जीते हैं। वहीं 2 मैचों का परिणाम नहीं निकला।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत = सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल (उप-कप्तान), तिलक वर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन, रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर।

ऑस्ट्रेलिया -मिचेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, महली बीअर्डमैन, बेन द्वारशुइस, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड [illegible] पांचवें मैच तक, टिम डेविड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), मैथ्यू कुह्नेमैन, मिचेल ओवेन, जोश फिलिप (विकेटकीपर), मैथ्यू शॉर्ट, जेवियर बार्टलेट, मार्कस स्टोइनिस, एडम जांपा और तनवीर संघा।

आईपीएल 2026 से पहले केकेआर का बड़ा दांव! अभिषेक नायर बने मुख्य कोच, सौंपी कमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने आईपीएल के 2026 संस्करण से पहले अभिषेक नायर को फ्रैंचाइज़ी का मुख्य कोच नियुक्त किया है। 2018 से फ्रैंचाइज़ी से जुड़े नायर को पहली बार मुख्य कोच की भूमिका में पदोन्नत किया गया है। उन्होंने अनुभवी घरेलू कोच चंद्रकांत पंडित की जगह ली है, जो तीन सीज़न तक फ्रैंचाइज़ी के प्रमुख रहे थे। मुख्य कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व वाले भारतीय सहयोगी स्टाफ से निकाले जाने के बाद, नायर आईपीएल के 2025 संस्करण के बीच में फ्रैंचाइज़ी में लौट आए।

केकेआर के सीईओ वेंकी मैसूर ने एक फ्रैंचाइज़ी बयान में कहा, 'अभिषेक 2018 से नाइट राइडर्स टीम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं और उन्होंने मैदान के अंदर और बाहर हमारे खिलाड़ियों को तराशने में अहम भूमिका निभाई है। खेल के प्रति उनकी समझ और खिलाड़ियों के साथ जुड़ाव हमारे विकास में महत्वपूर्ण रहा है। हम उन्हें मुख्य कोच के रूप में कार्यभार संभालते हुए और केकेआर को उनके अगले अध्याय में ले जाते हुए देखकर रोमांचित हैं।' नायर, जिन्होंने दिनेश कार्तिक और केएल राहुल जैसे खिलाड़ियों ने सफेद गेंद के खेल को बेहतर बनाने में मदद करने के लिए खुले तौर पर स्वीकार किया है, को डब्ल्यूपीएल टीम यूपी वॉरियर्स ने भी मुख्य कोच नियुक्त किया था। नायर 2018 में केकेआर अकादमी में मुख्य कोच के रूप में शामिल हुए और जल्द ही टीम के सहयोगी स्टाफ में शामिल हो गए। नायर उस समय टीम से जुड़े रहे थे जब जैक्स कैलिस मुख्य कोच थे, जिनकी जगह बाद में ब्रेंडन मैकुलम और पंडित ने ले ली। नायर 2024 में पंडित और गंभीर के साथ सहायक कोच के रूप में फ्रैंचाइज़ी के साथ थे, जो केकेआर द्वारा अपना तीसरा आईपीएल खिताब जीतने के समय मेंटर थे, और श्रेयस अय्यर कप्तान थे। नायर ने 2022 में सीपीएल में नाइट राइडर्स की सैटेलाइट फ्रैंचाइज़ी, त्रिनबागो नाइट राइडर्स के मुख्य कोच के रूप में भी काम किया।

हॉकी चंडीगढ़ के शताब्दी समारोह में मुख्य अतिथि होंगे पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया : करन गिल्होत्रा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारत में हॉकी के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में हॉकी चंडीगढ़ द्वारा आगामी 7 नवंबर को भव्य भारतीय हॉकी शताब्दी समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस ऐतिहासिक अवसर पर पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया मुख्य अतिथि होंगे। हॉकी चंडीगढ़ के अध्यक्ष करन गिल्होत्रा, उपाध्यक्ष अनिल वोहरा और एडवाइजर शालीन कपूर ने श्री कटारिया से मुलाकात कर उन्हें समारोह में आमंत्रित किया। राज्यपाल ने इस आयोजन के लिए पूर्ण सहयोग का आश्वासन देते हुए कहा कि चंडीगढ़ इस अवसर पर हॉकी के इतिहास में एक नई पहचान बनाएगा।

करन गिल्होत्रा ने बताया कि समारोह के आयोजन में चंडीगढ़ प्रशासन, स्पोर्ट्स विभाग और नगर निगम चंडीगढ़ का भरपूर सहयोग मिल रहा है। उन्होंने कहा, "हॉकी भारत की गौरवशाली धरोहर है। 1925 में राष्ट्रीय हॉकी संस्था के गठन से शुरू हुई यह यात्रा आज 100 वर्ष पूरे कर रही है। यह हमारे लिए गर्व का क्षण है कि चंडीगढ़ इस ऐतिहासिक उत्सव का हिस्सा बनेगा। हमारा उद्देश्य नई पीढ़ी को हॉकी के स्वर्णिम इतिहास से जोड़ना है।'

अनिल वोहरा ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 10 बजे होगी, जिसमें तीन प्रदर्शनी मैच खेले जाएंगे, लड़कों के जूनियर और सीनियर वर्गों के मुकाबले तथा लड़कियों का एक विशेष मैच शामिल होगा। इस मौके पर देश-विदेश से हॉकी के कई दिग्गज खिलाड़ी शामिल होंगे, जिनमें ओलिंपियन दीपक ठाकुर, राजपाल सिंह, कलजीत सिंह, साथ ही भारत की मौजूदा टीम के कप्तान संजय, मनिंदर सिंह, विक्रमजीत सिंह, और जूनियर टीम के कप्तान रोहित प्रमुख हैं। करन गिल्होत्रा ने आगे बताया कि हॉकी इंडिया के नेतृत्व में देशभर में एक साथ ऐसे शताब्दी समारोह आयोजित किए जाएंगे, जिससे हॉकी को नया आयाम और नई पहचान मिलेगी।

रोहित-विराट के बाद युवा भारत की सबसे बड़ी चुनौती, टी 20 वर्ल्ड कप से पहले अहम इम्तिहान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज आज कैनबरा में शुरू होने जा रही है और इस बार पूरी निगाहें भारत की नई पीढ़ी यानी अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा और वरुण चक्रवर्ती जैसे खिलाड़ियों पर टिकी हैं। रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद पहली बार ऐसा मौका है जब भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया की परिस्थितियों में अपने भविष्य की दिशा तय करने का मौका मिलेगा।

बता दें कि सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारत ने पिछले एक साल में बेहद आक्रामक और निडर अंदाज में क्रिकेट खेला है और इसके बेहतरीन नतीजे भी हासिल किए हैं। टीम ने पिछले 27 टी20 मुकाबलों में से 23 में जीत दर्ज की है, जिसमें हाल ही का एशिया कप खिताब भी शामिल है। अगले टी20 वर्ल्ड कप से पहले भारत के पास कुल 15 मैच बाकी हैं, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यह सीरीज सबसे अहम मानी जा रही है।

गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलिया भी इस वक्त शानदार फॉर्म में है और पिछले 19 में से 16 मुकाबले जीत चुका है। ऐसे में यह मुकाबला दुनिया की दो नंबर 1 टीमों के बीच हाई-इंटेंसिटी बैटल माना जा रहा है। खास बात यह है कि भारतीय टीम के लगभग आधे खिलाड़ी पहली बार ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर खेलते नजर आएंगे। यहां की तेज, उछाल भरी पिचें और बड़े बाउंड्री एरिया बल्लेबाजों के लिए बड़ी चुनौती साबित हो सकते हैं।

हालांकि मौजूद जानकारी के अनुसार ऑस्ट्रेलिया इस सीरीज में अपेक्षाकृत अनुभवहीन गेंदबाजी के साथ उतर सकता है, जिसका फायदा भारतीय बल्लेबाज उठाने की कोशिश करेंगे। लेकिन असली खतरा मेजबान टीम की धमाकेदार बल्लेबाजी है, जिसमें मिचेल मार्श और ट्रैविस हेड जैसे विस्फोटक ओपनर शामिल हैं। आंकड़ों के अनुसार ऑस्ट्रेलिया इस साल पावरप्ले में औसतन 61 रन के स्कोर और 169 के रिकॉर्ड स्ट्राइक रेट से रन बना रहा है।

सूर्यकुमार यादव ने मैच से पहले संकेत दिए कि जसप्रीत बुमराह पावरप्ले में दो ओवर की जिम्मेदारी उठाने के लिए तैयार हैं। वहीं मिडल ओवर्स में टीम उम्मीद लगाए बैठी है कि कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती की स्पिन जोड़ी ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों की रफ्तार पर ब्रेक लगाएगी। हार्दिक पंड्या की गैरमौजूदगी में शिवम दुबे को अहम ऑलराउंडर की भूमिका निभानी होगी, जबकि नितीश कुमार रेड्डी बैकअप विकल्प के तौर पर शामिल किए गए हैं। पहले ही मैच से यह अंदाजा भी लग जाएगा कि भारत की जनरेशन नेक्स्ट टीम ऑस्ट्रेलिया की आक्रामक क्रिकेट संस्कृति को उसी अंदाज में जवाब देने के लिए कितनी तैयार है और क्या वे अपने पूर्वजों की विरासत को सफलतापूर्वक आगे ले जा पाएंगे या नहीं, यह देखने वाली बात होगी है।

जय शाह और आईओसी अध्यक्ष क्रिस्टी कोवेंट्री ने ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी पर चर्चा की

नई दिल्ली। आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने इस सप्ताह की शुरुआत में स्विट्जरलैंड में आईओसी सत्र के दौरान आईओसी अध्यक्ष क्रिस्टी कोवेंट्री से मुलाकात की और 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक की राह और ओलंपिक खेलों में क्रिकेट की वापसी पर चर्चा की। उन्होंने अब तक हुई प्रगति और ओलंपिक आंदोलन के विकास में क्रिकेट की महत्वपूर्ण भूमिका पर विचार-विमर्श किया। जय शाह ने एक्स पर पोस्ट किया, '2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक की राह और ओलंपिक खेलों में क्रिकेट की वापसी पर हमारी चल रही चर्चा को जारी रखने के लिए आईओसी अध्यक्ष क्रिस्टी कोवेंट्री से मिलकर खुशी हुई। हमने अब तक हुई प्रगति और ओलंपिक आंदोलन के विकास में क्रिकेट की महत्वपूर्ण भूमिका पर विचार-विमर्श किया।'

साउथ अफ्रीकी टीम विमेंस वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में, इंग्लैंड को 125 रन से हराया, वोलवार्ट के 169 रन

गुवाहाटी। साउथ अफ्रीकी टीम पहली बार विमेंस वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंच गई है। टीम ने सेमीफाइनल में इंग्लैंड को 125 रन से हरा दिया। गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। टीम ने कप्तान लौरा वोलवार्ट के 169 रन की बदौलत 50 ओवर में 7 विकेट खोकर 319 रन बनाए। बुधवार को 320 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी इंग्लिश टीम 42.3 ओवर में 194 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। टीम से कप्तान नैट सिवर ब्रंट ने सबसे ज्यादा 64 रन बनाए। एलिस कैप्सी 50 रन बनाकर आउट हुईं। साउथ अफ्रीका से मारीजान कैप ने 5 विकेट चटकाए। वोलवार्ट प्लेयर ऑफ द मैच रहीं। इस जीत के साथ साउथ अफ्रीका ने इंग्लैंड से हिसाब बराबर भी कर लिया। टूर्नामेंट के पहले मैच में टीम इंग्लैंड के खिलाफ ही 69 रन पर सिमट गई थी। वहीं टीम को पिछले 2 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में भी इंग्लैंड ने ही बाहर किया था।

सिद्धू ने ऋषभ की जमकर प्रशंसा करते हुए उसे फीनिक्स पक्षी के समान बताया

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू ने भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि उसकी इच्छा शक्ति और जुनून गजब का है। ऋषभ अभी दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ बेंगलुरु में जारी चार दिवसीय मुकाबले में भारत ए की कप्तानी कर रहे हैं। सिद्धू ने कहा कि किसी ने कल्पना तक नहीं की थी कि इतने भीषण कार हादसे के बाद ऋषभ दोबारा चल पायेंगे पर वह आज खेल रहे हैं। उन्होंने इस विकेटकीपर बल्लेबाज की तुलना पक्षी फीनिक्स से की है।

ऋषभ इंग्लैंड दौरे में लगी चोट से उबरकर अभी भारत ए की कप्तानी कर रहे हैं। इंग्लैंड दौरे में ही मैनचेस्टर टेस्ट के दौरान तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स की एक यॉर्कर पर लगने से उनके पैर की उंगली में फ्रैक्चर हो गया था। इसी कारण वह एशिया कप, के अलावा वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज और ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी नहीं गये थे। सिद्धू ने कहा, ऋषभ फीनिक्स पक्षी के समान है जो राख से उठ खड़ा होता है। उनकी निडरता को देखिए, उनकी असाधारण उपलब्धियों को देखिए जिसे उन्होंने हासिल किया है। जिस तरह से उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में बल्लेबाजी की थी, जिस तरह उन्होंने इंग्लैंड में हमें मैच जितवाए, वो शानदार है। मैं अब तक जितने भी क्रिकेटर देखें हैं उनमें से वह सबसे अच्छे क्रिकेटरों में एक है। जब मैं उन्हें देखता हूं तो आनंद आता है। इस क्रिकेटर ने सभी को सिखाया है कि जिंदगी में मुश्किलों से कैसे निकल सकते है। दक्षिण अफ्रीका ए के साथ मैच में भारत ए की कप्तानी करते हुए ऋषभ ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया है।

इंग्लैंड के लिए आसान नहीं रहेगा ऑस्ट्रेलिया दौरा : स्मिथ

-हरी-भरी घास वाली पिचों पर होगी बल्लेबाजों की परीक्षा

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने इस साल के अंत में होने वाली एशेज सीरीज से पहले इंग्लैंड को चेताया है कि उसके लिए ये दौरा आसान नहीं होगा। स्मिथ को पैट कमिंस के फिट नहीं होने से पर्थ में होने वाले पहले टेस्ट के लिए कप्तानी की जिम्मेदारी दी गयी है। उन्होंने कहा है कि इंग्लैंड के बल्लेबाजों के लिए ऑस्ट्रेलिया की उछाल भरी पिचों पर रन बनाना आसान नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि बेन स्टोक्स की टीम को बेजान पिचों की जगह हरी-भरी घास वाली पिचों पर खेलना होगा। स्मिथ ने कहा, ऑस्ट्रेलिया में हालात अलग होने वाले हैं? मुझे लगता है कि पिछले तीन-चार साल शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के लिए उतने ही कठिन रहे हैं जितने हमने लंबे समय में देखे हैं। स्मिथ ने साथ ही कहा, इस प्रकार के हालात में गेंदबाजी करने वाले काफी अनुभवी हैं, इसलिए बल्लेबाजों के लिए समस्याएं बढ़ जाएंगी। यह सभी बल्लेबाजों के लिए मुश्किल होगा पर जब आप तेजी से रन बनाने की कोशिश करेंगे, तो यह बहुत ही कठिन होगा। पिछले चार सालों में ऑस्ट्रेलिया में तेज-गेंदबाजी पिचें बन रही हैं। साल 2021-22 एशेज की शुरुआत से ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट मैचों में शीर्ष सात बल्लेबाजों का औसत प्रति आउट 30.22 रहा है, जिसमें 20 टेस्ट में कुल 24 शतक शामिल हैं। वहीं इसके विपरीत 2022 में आक्रामक बल्लेबाजी शुरु होने के बाद बल्लेबाजों का औसत 38.94 रहा है। जबकि ऑस्ट्रेलिया में रन बनाने की कला में गिरावट आई है, हेड ने शानदार प्रदर्शन किया है, उन्होंने छह शतकों के साथ 54.64 का औसत और घरेलू हालातों में 88.90 का स्ट्राइक रेट हासिल किया है। ऑस्ट्रेलिया के आक्रामक सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड को रोकना इंग्लैंड के तेज गेंदबाजी आक्रमण के लिए काफी कठिन होगा। हेड की तरह इसी दौरान ऑस्ट्रेलिया में किसी भी अन्य खिलाड़ी का औसत 45.29 से अधिक नहीं रहा है।

जानिक सिनर ने जिजू बर्ग्स को हराया, पेरिस मास्टर्स के अगले दौर में पहुंचे

पेरिस। दुनिया के नंबर दो खिलाड़ी जानिक सिनर ने बेल्जियम के जिजू बर्ग्स को हराकर पेरिस मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट के अगले दौर में जगह बना ली है। इटली के दिग्गज सिनर ने बुधवार को पहले दौर के मुकाबले में बेल्जियम के जिजू बर्ग्स के खिलाफ 6-4, 6-2 से जीत दर्ज कर अपने अभियान की शुरुआत की। सिनर की जीत पुरुषों के विश्व के नंबर वन कार्लोस अल्काराज के ग्रेट ब्रिटेन के कैमरन नॉरी (नंबर 31) से चौंकाने वाली हार के एक दिन बाद हुई। उनकी हार ने इटैलियन खिलाड़ी के लिए नंबर वन पोजीशन फिर से हासिल करने का रास्ता खोल दिया है, अगर वह पेरिस में जीत पाते हैं। मैच के बाद सिनर ने कहा, 'यह यहां एक बहुत ही अनोखा कोर्ट है। आमतौर पर मुझे हमेशा थोड़ी मुश्किल होती है, इसलिए मैं पहला मैच जीतकर बहुत खुश हूं। आज मैंने जिस तरह से सर्व किया, उससे मैं बहुत खुश हूं। मैं बहुत सटीक था। मैंने सीधे ब्रेक के साथ शुरुआत की, जिससे मेरे आत्मविश्वास में वृद्धि हुई। मैं आज के प्रदर्शन से खुश हूं। देखते हैं कल क्या होता है।' टूर्नामेंट के अगले दौर में सिनर का मुकाबला गुरुवार को अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को सेरुंडोलो से होगा।

श्रेयस अय्यर अगले दो माह खेल से दूर रहेंगे, विश्वकप में भी शायद ही खेल पायें

मुम्बई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया में एकदिवसीय सीरीज के दौरान पसलियों में चोट लगने के कारण गंभीर रुप से घायल हुए भारतीय टीम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर की वापसी कब होगी। ये अभी तय नहीं है पर माना जा रहा है की वह दो महीने मैदान से दूर रहेंगे। श्रेयस ऐलेक्स कैरी का एक कैच पकड़ते हुए चोटिल हो गए थे। इसके बाद उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया था जहां पसलियों में हुए आंतरिक रक्तस्राव के कारण उन्हें आईसीयू में रखा गया। अब उनका आंतरिक रक्तस्राव रुक गया है और वह पहले से बेहतर है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, श्रेयस अगले दो महीने तक क्रिकेट से बाहर रहेंगे, जिससे अगले महीने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली घरेलू सीरीज से भी वह बाहर हो गये हैं।

वहीं नये साल की शुरुआत में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के लिए भी उनका स्वदेश लौटना तय नहीं है। इससे साफ है कि वह फरवरी में होने वाले टी20 विश्वकप के लिए भी शायद ही शामिल किये जाएं क्योंकि प्रबंधन फरवरी में होने वाले आईसीसी टूर्नामेंट में उन्हीं खिलाड़ियों को उतारना चाहेगा जो घरेलू सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर पाये हों। ऐसे में वह जुलाई में इंग्लैंड के सीमित ओवरों के दौरे में उतरेंगे। ऐसे में अय्यर आईपीएल के दौरान ही क्रिकेट फील्ड पर वापसी कर पाएंगे।

ब्लैक आर्मबैंड पहनकर मैदान में उतरे भारत और ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी, 17 साल के क्रिकेटर को मौत के बाद दी श्रद्धांजलि

नवी मुंबई। भारत और ऑस्ट्रेलिया की खिलाड़ियों ने गुरुवार को महिला वर्ल्ड कप सेमीफाइनल के दौरान युवा क्रिकेटर बेन ऑस्टिन को श्रद्धांजलि देने के लिए ब्लैक आर्मबैंड पहने। ऑस्टिन की ट्रेनिंग के दौरान गेंद लगने से मौत हो गई थी। ऑस्टिन की उम्र 17 साल थी और मंगलवार को मेलबर्न के बाहरी इलाके में फर्न्ट्री गली क्रिकेट क्लब में बैटिंग करते समय गर्दन पर गेंद लग गई थी। वह अपने क्लब के लिए ट्रेनिंग करते समय हेलमेट पहने हुए थे, जिसमें नेक गार्ड नहीं था, और उन्हें साइड-आर्म से फेंकी गई गेंद लगी थी। ऑस्टिन टी20 मैच से पहले नेट्स में तेज गेंदबाजों के खिलाफ बैटिंग कर रहे थे, तभी अपने साथियों के सामने उन्हें यह जानलेवा चोट लगी। इस घटना के बाद ऑस्टिन को वेंटिलेटर पर रखा गया था, लेकिन चोट के कारण उनकी मौत हो गई, जिससे 2014 में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर फिल ह्यूज की दुखद मौत की यादें ताजा हो गईं। फर्न्ट्री गली ने गुरुवार को ऑस्टिन की मौत की पुष्टि की।

भारतीय पहलवानों ने एशियन यूथ गेम्स 2025 में किया शानदार प्रदर्शन, जीते सात मेडल

मनामा (बहरीन) (एजेंसी)। भारतीय कुश्ती दल ने एशियन यूथ गेम्स 2025 में मेडलों की झड़ी लगाकर अभियान का शानदार समापन किया, जिसमें मोनी और जयवीर सिंह ने मनामा के एग्जीबिशन वर्ल्ड बहरीन में गोल्ड मेडल जीते। लड़कों के 55 किलोग्राम फ्रीस्टाइल डिवीजन में मुकाबला कर रहे जयवीर सिंह ने कल टॉप पर पहुंचने के लिए शानदार प्रदर्शन किया। श्रीलंका के निमेश दुलंजना और कंबोडिया के फान चान ओउ डोम पर 10-0 की शानदार जीत दर्ज करने के बाद जयवीर ने एक कड़े क्वार्टर फाइनल में ईरान के यासीन जाफरदेह को क्राइटेरिया के आधार पर हराया।

सेमीफाइनल में जयवीर सिंह ने कजाकिस्तान के इब्राहिम वस्कवानेक को 5-0 से हराया और गोल्ड मेडल मुकाबले में जापान के यामातो फुरुसावा के खिलाफ 6-2 की जीत के साथ अपना अभियान खत्म किया। मोनी ने भी लड़कियों की फ्रीस्टाइल 57 किलोग्राम कैटेगरी में उतना ही शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय पहलवान ने सेमीफाइनल में पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की नियाओहान लू को 8-0 से हराया और फाइनल में किर्गिस्तान की सेजिम कुमनबेकोवना जोल्डोशबेकोवा को टेक्निकल सुपीरियरिटी के आधार पर 10-0 से हराकर गोल्ड मेडल जीता।

गौरव पुनिया ने लड़कों की 65 किलोग्राम कैटेगरी में प्रभावित किया लेकिन फाइनल में हार गए, उन्हें ईरान के मोर्तेजा हाजी मोहम्मदी से 4-1 से हार मिली, जो अंडर-17 वर्ल्ड चैंपियनशिप के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट हैं। लड़कियों की 69 किलोग्राम कैटेगरी में अश्विनी विश्नोई, जो अपनी सामान्य 65 किलोग्राम डिवीजन से ऊपर मुकाबला कर रही थीं, फाइनल में चीन की झाओ मिन से 10-3 से हारने के बाद सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा।

कुश्ती में भारत के मेडलों का सिलसिला यहीं खत्म नहीं हुआ। अंडर-17 वर्ल्ड्स की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट कोमल वर्मा ने लड़कियों के 49 किलोग्राम इवेंट में पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की मो जियाओकिंग को 3-1 से हराकर एक और पोडियम फिनिश हासिल किया, जबकि रचना ने लड़कियों के 43 किलोग्राम वर्ग में किर्गिस्तान की आइजान किलिचबेकोवना काबिलबेकोवा को 11-0 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल जीता।

एशियन यूथ गेम्स में भारत का कुल मेडल टैली 33 हो गया है जिसमें 6 गोल्ड, 11 सिल्वर और 16 ब्रॉन्ज शामिल हैं। इस बीच भारतीय पहलवानों ने कल कुल 7 मेडल जीतकर अपना अभियान खत्म किया। मंगलवार को पवित्रा ने कुश्ती में लड़कियों के 61 किलोग्राम वर्ग में गोल्ड मेडल जीता। वेटलिफ्टर प्रीतिस्मिता भोई और भारत की लड़कों और लड़कियों की कबड्डी टीमों ने भी गेम्स में पहले गोल्ड मेडल जीते हैं।

संक्षिप्त समाचार

रियो डी जनेरियो में संगठित अपराध पर पुलिस कार्रवाई में 64 लोगों की मौत

रियो डी जनेरियो, एजेंसी। रियो डी जनेरियो में संगठित अपराध के खिलाफ एक बड़े पुलिस ऑपरेशन में 64 लोग मारे गए। इनमें चार पुलिस अधिकारी भी शामिल हैं। यह कार्रवाई सी40 जलवायु शिखर सम्मेलन से संबंधित प्रमुख आयोजनों से कुछ दिन पहले हुई है। गवर्नर क्लाउडियो कास्त्रो ने इसे नार्कोटेररिज्म का मुकाबला बताया। एलेमाओ और पेन्हा की घनी आबादी वाली बस्तियों में 2,500 सुरक्षाकर्मियों ने मिलकर कार्रवाई की। अब तक 81 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और 42 राइफलें जब्त की गई हैं। अधिकारियों ने कहा कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है क्योंकि अभियान अभी जारी है। राज्य सरकार ने यह भी खुलासा किया कि गैंग के सदस्यों ने पुलिस पर ड्रोन से हमला किया, जिसमें विस्फोटक भी थे। रियो अगले सप्ताह सी40 शिखर सम्मेलन और प्रिंस विलियम का अर्थशॉट पुरस्कार कार्यक्रम आयोजित करेगा।

अमेरिका ने नाइजीरियाई नोबेल विजेता का वीजा किया रद्द

वाशिंगटन, एजेंसी। नाइजीरिया के नोबेल पुरस्कार विजेता लेखक वोल सोयिंका ने दावा किया है कि अमेरिका ने उनका नॉन-इमिग्रेंट वीजा रद्द कर दिया है, जो उन्हें पिछले वर्ष जारी किया गया था। 91 वर्षीय लेखक ने कहा कि उन्हें अमेरिकी यात्रा करनी हो तो अब दोबारा आवेदन करना होगा। सोयिंका ने मंगलवार को पत्रकारों को अमेरिकी वाणिज्य दूतावास (लागोस) की ओर से भेजा गया एक पत्र दिखाया, जिसमें उनसे पासपोर्ट जमा कर वीजा को उपस्थित होकर रद्द करवाने को कहा गया है। यह पत्र 23 अक्टूबर को जारी किया गया था। लेखक ने कहा, अब मेरे पास कोई वीजा नहीं है। जाहिर तौर पर मुझे अमेरिका में प्रवेश से रोक दिया गया है। अगर कोई मुझसे मिलना चाहता है, तो जानता है कि मुझे कहां खोजना है। अमेरिकी दूतावास ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। गौरतलब है कि सोयिंका ने 2016 में डोनाल्ड ट्रंप के पहली बार राष्ट्रपति चुने जाने के विरोध में अपना अमेरिकी ग्रीन कार्ड फाड़कर फेंक दिया था और अमेरिकी स्थायी निवास का त्याग कर दिया था। 1986 में साहित्य के लिए नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाले सोयिंका 1990 के दशक के मध्य से अमेरिका के प्रतिष्ठित आईवी लीग विश्वविद्यालयों में अध्यापन कर रहे हैं।

ट्रंप के दक्षिण कोरिया दौरे से पहले उत्तर कोरिया ने दागे क्रूज मिसाइल

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने बुधवार को दावा किया कि उसने अपने पश्चिमी समुद्री क्षेत्र में समुद्र से सतह पर मार करने वाली क्रूज मिसाइलों का सफल परीक्षण किया है। यह कदम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दक्षिण कोरिया दौरे से ठीक पहले उठाया गया है। उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी केसीएनए ने बताया कि मंगलवार को हुआ यह परीक्षण सफल रहा और इससे देश की परमाणु हथियारों से लैस सेना की क्षमता और संचालन क्षेत्र और मजबूत होगा। दक्षिण कोरिया की सेना ने अभी यह पुष्टि नहीं की है कि उसने इन मिसाइल परीक्षणों को दर्ज किया या नहीं। यह रिपोर्ट ऐसे समय आई है जब ट्रंप और दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ली जे म्युंग के बीच शहर ग्योंगजू में बैठक होने वाली है। इसी शहर में इस साल एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग की बैठक भी आयोजित की जा रही है।

नेपाल के एवरेस्ट क्षेत्र में भारी हिमपात, पर्यटक होटलों में फंसे

सोलुखुम्बु, एजेंसी। नेपाल के सोलुखुम्बु जिले के एवरेस्ट (सगरमाथा) क्षेत्र में मंगलवार सुबह से लगातार भारी हिमपात हो रहा है। खुम्बु पासांग्ल्हामु ग्रामीण नगरपालिका के डिङबोचे से ऊपर के इलाकों में घना हिमपात हुआ है, जबकि नाम्चे बाजार और आसपास के निचले क्षेत्रों में बारिश जारी है। सगरमाथा प्रदूषण नियंत्रण समिति के अध्यक्ष लामाकाजी शेर्पा ने बताया, डिङबोचे से ऊपर घना हिमपात हो रहा है, नीचे बारिश पड़ रही है। सभी पर्यटक होटल के अंदर हैं, बाहर निकलना मुश्किल है। वर्तमान में इस क्षेत्र में करीब तीन हजार से अधिक विदेशी पर्यटकों की उपस्थिति है। सोमवार को ही लगभग 800 विदेशी पर्यटक काठमांडू से लुक्ला पहुंचे थे। हिमपात के कारण रास्ते ढक गए हैं और दृश्यता (विजिबिलिटी) बेहद कम है, जिससे पर्यटकों के रास्ता भटकने का खतरा बढ़ गया है। इसी कारण सोलुखुम्बु जिला प्रशासन कार्यालय ने पर्यटकों से यात्रा स्थगित कर सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है। प्रमुख जिला अधिकारी लिलाकुमारी केसी पांडे के अनुसार फिलहाल मौसम अनुकूल नहीं है, इसलिए सभी पर्यटकों से अनुरोध किया गया है कि वे होटल या स्थानीय बस्तियों में ही रहें और सुरक्षित रहें। जिला प्रशासन कार्यालय ने बचाव दल को तैयार रखा है। जिला पुलिस कार्यालय के अनुसार, डिङबोचे में अस्थायी पुलिस पोस्ट है और वहां के पुलिसकर्मियों के साथ लगातार संपर्क में रहकर पर्यटकों की स्थिति पर निगरानी रखी जा रही है। अनुमान है कि डिङबोचे से ऊपर के क्षेत्रों में करीब दो हजार विदेशी पर्यटक मौजूद हैं। लगातार हिमपात और बारिश के कारण ठंड बढ़ गई है। खुम्जुङ की स्थानीय निवासी पेम्बा शेर्पा ने बताया कि मङ्गलवार सुबह से ही बहुत ठंड है, बर्फ ने पूरा गांव ढक लिया है और सब लोग घर के अंदर हैं। लगातार बरफबारी से खुम्बु क्षेत्र का जनजीवन प्रभावित हुआ है। आमतौर पर पर्यटकों की भीड़ से गूंजने वाला नाम्चे बाजार फिलहाल सुनसान दिखाई पड़ा है।

ट्रंप ने किया समझौता, अमेरिका को दुर्लभ खनिज देगा जापान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जापान के साथ दुर्लभ खनिजों (रेयर अर्थ मिनरल्स) को लेकर बड़ा समझौता किया है। दरअसल, चीन ने दुर्लभ खनिजों के निर्यात पर कड़े प्रतिबंध लगा रखे हैं। ऐसे में अमेरिका को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। यही वजह है कि अमेरिका अब चीन को घेरने के जापान का सहारा ले रहा है। ट्रंप ने मंगलवार को जापान की प्रथम महिला पीएम के रूप में ताकाइची की भूमिका को बड़ी बात बताते हुए, जापान के प्रति अमेरिका प्रतिबद्धता पर जोर दिया। यह बोले, हम जापान की मदद के लिए हमेशा तैयार रहेंगे। दोनों नेताओं ने कई समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसमें महत्वपूर्ण खनिजों और दुर्लभ मृदाओं की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए रूपरेखा तैयार की गई।

इजराइल ने गाजा पर फिर हमला किया: 30 की मौत

हमास पर सीजफायर के उल्लंघन का आरोप, 20 दिन पहले समझौता हुआ था

तेल अवीव, एजेंसी। गाजा में सीजफायर लागू होने के बीच इजराइल ने एक बार फिर हवाई हमले किए। इनमें 30 से अधिक फिलिस्तीनियों की मौत हो गई। इजराइल ने दावा किया कि हमास ने पहले सीजफायर का उल्लंघन कर गाजा में तैनात उसके सैनिकों पर हमला किया। इसके जवाब में यह कार्रवाई की गई। हालांकि हमास ने आरोपों से इनकार किया है और कहा है कि वह सीजफायर का पालन कर रहा है। मंगलवार को इजराइल की ओर से किए गए हवाई हमलों ने गाजा सिटी, खान यूनिस, बेत लहिया और अल-बुरैज जैसे घनी आबादी वाले इलाकों को निशाना बनाया। गाजा के अस्पतालों के मुताबिक,मृतकों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। गाजा सिटी के साबरा इलाके में एक मकान पर बमबारी में तीन महिलाओं सहित चार लोगों की मौत हुई। इजराइल और हमास के बीच 20 दिन पहले सीजफायर समझौता हुआ था। दरअसल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नेतन्याहू की मौजूदगी में 29 सितंबर को 20 सूत्री शांति योजना पेश की थी, जिस पर हमास ने 9 अक्टूबर को हामी भरी थी।

इजराइली रक्षामंत्री बोले- हमास ने 'रेड लाइन' क्रॉस की : इजराइल और हमास के बीच तनाव एक बार फिर तेज हो गया है। इजराइली रक्षा मंत्री इस्राइल कैट्ज ने आरोप लगाया कि हमास ने गाजा में मौजूद इजराइली सैनिकों पर हमला किया और मृत बंधकों के शव लौटाने के समझौते का उल्लंघन किया।

हमास पर गलत शव लौटाने का भी आरोप

नेतन्याहू ने हमास पर यह भी आरोप लगाया है कि युद्धविराम समझौते के तहत हमास ने जो शव लौटाया वह गलत है। नेतन्याहू ने इसे समझौते का साफ उल्लंघन बताया। समझौते में हमास को सभी इजराइली बंधकों के शव जल्द से जल्द लौटाने थे। वहीं, हमास ने इजराइली हमले की वजह से बंदियों के शव लौटाने का प्रोग्राम रोक दिया है। इससे पहले हमास ने मंगलवार को कहा कि वह एक और शव लौटाएगा। खान यूनिस में एक गड्ढे से सफेद बैग में कुछ निकाला गया और एम्बुलेंस में डाला गया, लेकिन अभी यह साफ नहीं है कि उसमें क्या था। अभी गाजा में 13 बंधकों के शव बाकी हैं। हमास का कहना है कि तबाही इतनी ज्यादा है कि शव ढूंढना मुश्किल हो रहा है। इजराइल का आरोप है कि हमास जानबूझकर देरी कर रहा है। मिस्र ने खोज में मदद के लिए एक्सपर्ट्स और भारी मशीनें भेजी हैं।

इजराइल गाजा की मानवीय मदद रोक सकते हैं

इजराइली मीडिया के मुताबिक, नेतन्याहू अन्य विकल्पों जैसे गाजा में मानवीय मदद रोकना, कब्जा बढ़ाना या हमास नेताओं पर हवाई हमले पर भी विचार कर रहे हैं। दूसरी तरफ, इजराइली सेना ने मंगलवार सुबह वेस्ट बैंक के जेनिन इलाके में छापा मारा। यहां तीन फिलिस्तीनी लड़ाकों को मार गिराया। इजराइल का कहना है कि वे आतंकी गतिविधियों में शामिल थे। वहीं, हमास ने दो को अपनी कासिम ब्रिगेड का सदस्य बताया। तीसरे को साथी कहा, लेकिन ज्यादा जानकारी नहीं दी।

अफगानिस्तान-पाकिस्तान शांति वार्ता रही बेनतीजा, दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर लगाए आरोप

इस्लामाबाद, एजेंसी। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से जारी तनाव को खत्म करने के लिए इस्तांबुल में हुई शांति वार्ता बिना किसी ठोस समाधान के समाप्त हो गई है। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अत्ताउल्लाह तारड़ ने बुधवार को बताया कि दोनों देशों के बीच हुई यह बातचीत किसी व्यवहारिक समझौते तक नहीं पहुंच सकी। यह वार्ता 25 अक्तूबर से तुर्किये और कतर की मध्यस्थता में चल रही थी। दोनों पड़ोसी देशों के बीच यह बैठक 19 अक्तूबर को दोहा में हुई युद्धविराम सहमति के बाद आयोजित की गई थी। लेकिन लगातार मतभेदों और आरोप-प्रत्यारोप के चलते वार्ता बेनतीजा रही।

शांति वार्ता बेनतीजा : तारड़ ने अपने बयान में कहा अफगान प्रतिनिधिमंडल मुख्य मुद्दे से भटक गया और बातचीत के मूल उद्देश्य से किनारा कर लिया। जिम्मेदारी स्वीकार करने के बजाय अफगान तालिबान ने सिर्फ आरोप-प्रत्यारोप और बहानेबाजी की। रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान चाहता था कि तालिबान, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान पर लगाम लगाए, जिसे इस्लामाबाद ने हाल के हमलों के लिए जिम्मेदार ठहराया है। लेकिन तालिबान ने TTP पर नियंत्रण से इनकार करते हुए कहा कि यह समूह उनके नियंत्रण में नहीं है। सूत्रों के मुताबिक, वार्ता के दौरान दोनों पक्षों के बीच काफी तनावपूर्ण माहौल रहा। अफगान पक्ष का कहना था कि वह टीटीपी की गतिविधियों को पूरी तरह नियंत्रित नहीं कर सकता, जबकि पाकिस्तान ने हालिया हमलों के लिए अफगान तालिबान को जिम्मेदार बताया। इस महीने की शुरुआत में पाकिस्तानी वायुसेना ने काबुल समेत कई इलाकों में टीटीपी ठिकानों पर हवाई हमले किए थे, जिसके जवाब में तालिबान ने पाकिस्तानी सेना की चौकियों पर हमला किया।

अगर कोई समझौता नहीं हुआ तो खुला युद्ध शुरू हो सकता है : पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने शनिवार को कहा था कि अगर इस्तांबुल वार्ता में कोई समझौता नहीं हुआ तो खुला युद्ध शुरू हो सकता है। हालांकि, युद्धविराम की घोषणा के बावजूद, सीमा क्षेत्र में झड़पें जारी हैं, जिसमें हाल ही में पांच पाकिस्तानी सैनिक और 25 तालिबान लड़ाके मारे गए। विशेषज्ञों का मानना है कि यह असफल वार्ता दक्षिण एशिया में स्थायी शांति की उम्मीदों को कमजोर कर सकती है और दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ सकता है।

ब्राजील में ड्रग माफिया पर हेलिकॉप्टर से रेड:जवाब में ड्रोन से बमबारी

रियो डी जेनिरो, एजेंसी। ब्राजील के रियो डि जेनेरियो में पुलिस ने ड्रग संगठन 'रेड कमांड' के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा ऑपरेशन चलाया है। राजधानी रियो डि जनेरियो में मंगलवार सुबह 2500 पुलिसकर्मियों ने हेलिकॉप्टर से अपराधियों के इलाकों पर छापा मारा। जैसे ही पुलिस की टीमें आगे बढ़ीं, रेड कमांड गैंग के सदस्यों ने फायरिंग शुरू कर दी। अधिकारियों के मुताबिक, गैंग ने सड़कों पर जलते हुए बैरिकेड्स लगाए और ड्रोन से बम गिराए, ताकि पुलिस को रोका जा सके।

जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भारी हथियारों का इस्तेमाल किया। इस भिड़ंत में कम से कम 64 लोग मारे गए, जिनमें 4 पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक पुलिस इस हमले के लिए 1 साल से प्लानिंग कर रही थी।

पुलिस ने 80 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया : पुलिस ने दिनभर चली मुठभेड़ में 80 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया। कार्रवाई से आसपास रहने वाले करीब तीन लाख लोगों में दहशत फैल गई।

लोग इसे 'वॉर जोन' जैसा माहौल बता रहे हैं। कई आम नागरिक भी गोलीबारी में घायल हुए, जबकि कई सड़कें अभी भी बंद हैं। इलाके में रहने वालों ने बताया कि गोलियों और धमाकों की आवाजें पूरे दिन गूंजती रहीं और लोग घरों से बाहर नहीं निकल पाए। ब्राजील सरकार के मुताबिक, इस इलाके को रेड कमांड का मुख्य ठिकाना माना जाता है। यह गिरोह लंबे समय से ड्रग तस्करी, हथियारों की सप्लाई और तटीय रूट्स पर कब्जे के लिए जाना जाता है। पुलिस ने बताया कि इस ऑपरेशन में 200 किलो से ज्यादा ड्रग्स, कई राइफलें और दूसरे हथियार बरामद किए गए हैं।

बांग्लादेश में जहर उगल रहा है हाफिज सईद का करीबी ढाका में पाकिस्तानी कट्टरपंथियों का नया बेस बना

ढाका, एजेंसी। मुंबई हमले के मास्टरमाइंड हाफिज सईद के करीबी सहयोगी और पाकिस्तान के इस्लामी संगठन मरकजी जमीयत अहले हदीस के महासचिव इब्तिसाम इलाही जहीर ने 25 अक्टूबर 2025 को बांग्लादेश के राजशाही स्थित शाह मखदूम एयरपोर्ट पर लैंड किया। सुरक्षा एजेंसियां उनके अचानक दौरे से चौंक गई। उनके स्वागत के लिए स्थानीय इस्लामी संगठन अल जामिया अस सलीफा के पदाधिकारी मौजूद थे, जिन्होंने उन्हें नउदापाड़ा स्थित अपने कैंपस में ठहराया। जहीर इसके बाद चपैनवाबगंज जिले के नचोले, रंगपुर, लालमुनिरहाट और निलफामारी जैसे भारत सीमा से सटे जिलों में गए, जहां जहीर ने स्थानीय मस्जिदों में कई धार्मिक सभाएं कीं। यह इलाके भारतीय सीमा के करीब 20-25 किमी की दूरी पर है। इन सभाओं में जहीर ने यह कहते हुए विवाद खड़ा किया- "यहूदी और ईसाई मुसलमानों के दोस्त नहीं हो सकते।" रिपोर्ट्स के अनुसार, उसने इस्लाम छोड़ने वालों को मारने की बात दोहराई। यह बयान 2012 में दिए उसके पुराने विवादित भाषण की तर्ज पर था। यूनुस सरकार ने खुली छूट दी, 2025 में ही दूसरा दौरा पाकिस्तानी

कट्टरपंथियों के लिए, बांग्लादेश अब 'कार्रवाई का नया अड्डा' बनता दिख रहा है। अगस्त 2024 में मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के आने के बाद यह हाफिज सईद के सहयोगी इब्तिसाम इलाही जहीर की दूसरी यात्रा है; पहली फरवरी 2025 में हुई थी। इस बार दौरा पाकिस्तान के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी के अध्यक्ष जनरल साहिर शमशाद मिर्जा के साथ मेल खाता है, जो छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ ढाका पहुंचे। दोनों यात्राओं का ध्यान भारत-बांग्लादेश सीमा, खासकर सिलीगुड़ी कॉरिडोर पर केंद्रित है। यूनुस सरकार पर पाक समर्थक नीति और विदेशी कट्टरपंथियों को छूट देने के आरोप लग रहे हैं, जिससे अल्पसंख्यक समुदाय असुरक्षित है।

भारतीय मूल के बड़े उद्योगपति दर्शन सिंह की कनाडा में हत्या, लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली जिम्मेदारी

ओटावा, एजेंसी। कनाडा में भारतीय मूल के एक बड़े उद्योगपति की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने इस हत्या की जिम्मेदारी ली है। कनाडा के मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, भारतीय मूल के उद्योगपति दर्शन सिंह साहसी की कनाडा के एब्ट्सफोर्ड इलाके में उस वक्त हत्या कर दी गई, जब वे कार में सवार होकर कहीं जा रहे थे।

हत्याकांड का सीसीटीवी फुटेज आया सामने : दर्शन सिंह साहसी की हत्या का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें दर्शन सिंह अपनी कार में सवार होते दिख रहे हैं, तभी एक हमलावर उनके पास आता है और दर्शन

सिंह पर गोलियां चला देता है। हमलावर अकेला था और मौके से एक टोयोटा कोरोला कार में सवार होकर फरार हो गया। गोलीबारी की सूचना के बाद जब पुलिस मौके पर पहुंची तो दर्शन सिंह गंभीर हालत में घायल थे। इसके बाद पुलिस ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। कनाडा पुलिस ने बताया कि अभी जांच शुरुआती चरण में है और जल्द ही इसके बारे में विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली जिम्मेदारी : वहीं कनाडा स्थित गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर दर्शन सिंह साहसी की हत्या की जिम्मेदारी ली है। गोल्डी ढिल्लन, लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा हुआ है। गोल्डी ढिल्लन ने पोस्ट में दावा किया कि पीड़ित ड्रग तस्करी में शामिल थे और गैंग द्वारा पैसे की डिमांड को नजरअंदाज किया जा रहा था। हालांकि पुलिस ने अभी इसकी पुष्टि नहीं की है और दर्शन सिंह की हत्या में लॉरेंस बिश्नोई गैंग की कथित संलिप्तता की जांच करने की बात कही है।

जमैका से टकराया सदी का सबसे खतरनाक तूफान, ला सकता है भारी तबाही

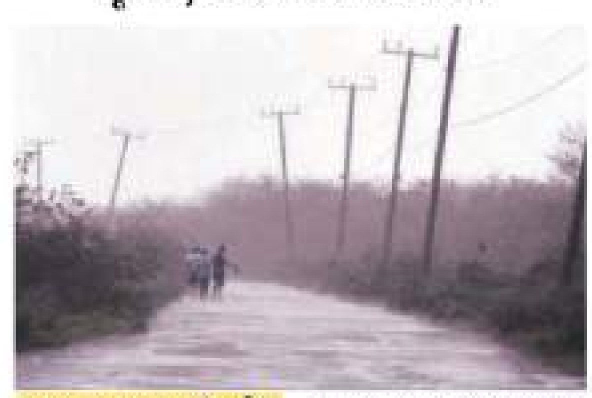

300 द्वाद्धश्द्ध की गति से हवाएं चल रहीं

किंगस्टन, एजेंसी। कैरेबियाई देश जमैका से कैटेगरी-5 का तूफान मेलिसा टकराया है। मेलिसा को इस सदी का सबसे खतरनाक तूफान बताया जा रहा है। तूफान के चलते जमैका में 300 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। सरकार ने छह लाख लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया है। तूफान के असर से जमैका में तीन, पड़ोसी देश हैती में तीन और डोमिनिकन रिपब्लिक में एक व्यक्ति की मौत हुई है। यह तूफान इतना ताकतवर है कि पूरे देश को तबाह कर सकता है।

कैटेगरी-5 के तूफान सबसे खतरनाक होते हैं

कैटेगरी-5 का तूफान सबसे खतरनाक श्रेणी का माना जाता है। संयुक्त राष्ट्र ने मेलिसा तूफान को सदी का सबसे ताकतवर तूफान बताया है। पहले ये तूफान हैती और डोमिनिकन रिपब्लिकन से टकराया और अब जमैका तक पहुंचने में ये और खतरनाक हो गया है। जिस वक्त तूफान जमैका से टकराया, उस वक्त 300 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं और भारी बारिश हो रही है। हवा की ये गति इतनी तेज है कि यह बड़ी-बड़ी इमारतों को ध्वस्त कर सकता है। इससे बिजली और कम्युनिकेशन सिस्टम भी तबाह हो सकता है।

तूफान से भारी बारिश और भूस्खलन का खतरा

मेलिसा तूफान के चलते जमैका में बाढ़ और भूस्खलन का खतरा है। जमैका सरकार ने प्रभावित इलाकों से लाखों लोगों को सुरक्षित जगहों पर स्थानांतरित कर दिया है। जमैका में बीते कई दिनों से बारिश का दौर जारी है। ऐसे में जमीन में नमी होने के चलते भूस्खलन का खतरा लोगों को डरा रहा है। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों ने भी राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिए हैं।

वर्ल्ड फूड प्रोग्राम द्वारा लोगों को खाने के पैकेट दिए जा रहे हैं। यूएन का कहना है कि कैरेबियाई देशों में बीते साल जुलाई में शक्तिशाली बेरिल तूफान आया था, उसके बाद अब यह मेलिसा तूफान सबसे शक्तिशाली है। साथ ही यह अटलांटिक सागर में आया अब तक का सबसे शक्तिशाली तूफान बताया जा रहा है।

अमेरिकी संविधान में नहीं है कोई राह, ट्रंप के तीसरे कार्यकाल पर हाउस स्पीकर जॉनसन की टिप्पणी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर संकेत दिए हैं कि वह व्हाइट हाउस में तीसरे कार्यकाल के लिए लौटना चाहते हैं। हालांकि, हाउस स्पीकर माइक जॉनसन ने साफ कहा कि अमेरिकी संविधान इसकी अनुमति नहीं देता। रिपब्लिकन पार्टी के वरिष्ठ नेता और ट्रंप के करीबी माने जाने वाले जॉनसन ने बताया कि उन्होंने इस मुद्दे पर ट्रंप से बात की है और ट्रंप संविधान की सीमाओं को समझते हैं। उन्होंने बताया कि अमेरिकी संविधान के 22वें संशोधन के तहत कोई भी व्यक्ति दो बार से अधिक राष्ट्रपति नहीं बन सकता। जॉनसन ने कहा कि संविधान में बदलाव एक लंबी और जटिल प्रक्रिया है, जिसमें राज्यों और कांग्रेस दोनों की मंजूरी जरूरी होती है।

ट्रंप बोले- 'मैं जरूर करना चाहूंगा' : एयरफोर्स वन में जापान की यात्रा के दौरान ट्रंप ने पत्रकारों से कहा मैं तीसरे कार्यकाल के लिए जरूर चुनाव लड़ना चाहूंगा। लेकिन हमारे पास आने वाले चुनावों के लिए

बेहतरीन नेता हैं जैसे मार्को रुबियो और उपराष्ट्रपति जे.डी वेंस। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रंप 2028 लिखी टोपी व्हाइट हाउस आने वाले मेहमानों को बतौर स्मृति दी जा रही है, जिससे राजनीतिक अटकलें और तेज हो गई हैं। हालांकि जब उनसे पूछा गया कि क्या वह उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़कर फिर राष्ट्रपति बनने की रणनीति पर विचार कर रहे हैं, तो उन्होंने कहा कानून इसकी अनुमति देता है, लेकिन मैं ऐसा नहीं करूंगा। यह लोगों को पसंद नहीं आएगा और सही भी नहीं होगा। हाउस स्पीकर माइक जॉनसन ने कहा कि ट्रंप का तीसरे कार्यकाल का जिक्र राजनीतिक मजाक के तौर पर किया गया है। जॉनसन ने कहा वह डेमोक्रेट्स को ट्रोल करने में मजा लेते हैं। यह गंभीर प्रस्ताव नहीं है।

संविधान की सीमाएं और राजनीतिक संकेत : राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, ट्रंप द्वारा बार-बार तीसरे कार्यकाल का जिक्र करना अमेरिकी राजनीति की परंपराओं को चुनौती देने जैसा है। हालांकि, मौजूदा स्थिति में यह संवैधानिक रूप से असंभव है कि कोई राष्ट्रपति दो से अधिक बार पद संभाले।

एशिया दौरे के दूसरे चरण में जापान पहुंचे ट्रंप: इस बीच, ट्रंप अपने एशिया दौरे के दूसरे चरण में जापान पहुंच गए हैं। इससे पहले उन्होंने मलयेशिया की यात्रा पूरी की, जहां उन्होंने आसियान शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया। कुआलालंपुर से रवाना होने से पहले उन्होंने मलयेशियाई अधिकारियों और नागरिकों को विदा कहा, जिससे उनका 24 घंटे का दौरा समाप्त हुआ।

अहमदाबाद में कार चला रहे नाबालिग ने 3 साल की बच्ची पर चढ़ा दी कार, वायरल हुआ हादसे का वीडियो

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद के नोबलनगर इलाके में बुधवार को एक किशोर की ओर से कथित तौर पर चलाई जा रही कार ने तीन साल की बच्ची को करीब कुचल दिया था। यह चौंकाने वाली घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। इसका फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। गौरतलब है कि कार पर नंबर प्लेट भी नहीं थी। पुलिस ने घटना की सूचना पाकर मामला दर्ज किया है घटना के समय बच्ची अपने घर के बाहर खेल रही थी। कार चालक नाबालिग ने बच्ची को देखा नहीं और गाड़ी उसके ऊपर चढ़ा दी। लेकिन स्थानीय लोगों के शोर मचाने पर कार रुक गई। लोग इकट्ठा हो गए और सीसीटीवी फुटेज में एक महिला नाबालिग कार ड्राइवर को थप्पड़ मारती हुई भी दिखाई दे रही है। हालांकि, बच्ची बच गई। अहमदाबाद पुलिस ने वीडियो पर रिएक्शन देकर पुष्टि की कि उन्होंने ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच कर रहे हैं।

चलती हुई एक निजी बस में अचानक लगी आग, ड्राइवर और कंडक्टर बाहर निकले

गुरुग्राम (एजेंसी)। गुरुग्राम शहर के सेक्टर-59 क्षेत्र में चलती हुई एक निजी बस में अचानक आग लगी। गनीमत रही कि बस में केवल ड्राइवर और कंडक्टर मौजूद थे, जिन्होंने समय रहते बाहर निकलकर जान बचा ली। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, हालांकि आग के कारण बस को नुकसान पहुंचा है। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने तुरंत मोर्चा संभालते हुए आग पर काबू पाया। सब फायर अफसर ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट लग रहा है। उन्होंने बताया कि जैसे ही सूचना मिली, फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर रवाना कर दी गई थी और कुछ ही मिनटों में आग पर काबू पा लिया गया। बस एक प्राइवेट कंपनी की ओर से कर्मचारियों को ड्रॉप करने के लिए लगाई गई थी। उस समय बस में यात्री मौजूद नहीं थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस में अचानक धुआं उठने लगा था। ड्राइवर ने तुरंत बस को सड़क किनारे रोका और कंडक्टर के साथ बाहर निकल आया। देखते ही देखते आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। स्थानीय लोगों ने फायर विभाग को सूचित किया और आग बुझाने के प्रयास भी किए, लेकिन आग इतनी तेज थी कि बस को पूरी तरह नुकसान पहुंचा। राहत की बात यह रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई।

तेलंगाना : एसीबी ने 1.9 लाख रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में अभियंता को हिरासत में लिया

(एजेंसी)। तेलंगाना के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बृहस्पतिवार को बताया कि उसने यदाद्री-भुवनगिरी जिले में स्थित श्री लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर के कार्यपालक अभियंता को 1.9 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा है। एसीबी की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि आरोपी को बुधवार को मेडचल मलकाजगिरी जिले से उस समय पकड़ा गया जब उसने एक शिकायतकर्ता से रिश्वत की राशि स्वीकार की। विज्ञप्ति के अनुसार आरोपी अधिकारी ने मंदिर में खाद्य मशीनें लगाने से संबंधित 11.5 लाख रुपये। (जीएसटी सहित) के बिल को पास करने के लिए शिकायतकर्ता से रिश्वत की मांग की थी। एसीबी ने बताया कि आरोपी अधिकारी के पास से 1.9 लाख रुपये बरामद किए गए हैं। उसने बताया कि मामले की जांच जारी है।

हिमाचल के चंबा में कार गहरी खाई में गिरी, तीन की मौत, दो घायल

चंबा (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले के चुराह क्षेत्र में एक कार 200 मीटर गहरी खाई में गिर गई, जिससे तीन लोगों की मौत हो गई और दो गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा बुधवार देर शाम देवीकोटी-टेपा मार्ग पर हुआ, जब सभी लोग एक विवाह समारोह से लौट रहे थे। इस घटना में तीन लोगों की मौत हुई है, जिनकी पहचान राजिंदर कुमार, पम्मी कुमार और सचिन के रूप में हुई है, जबकि अमर सिंह और धर्म सिंह को गंभीर हालत में चंबा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू कर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया जाएगा। मामला दर्ज कर लिया गया है और दुर्घटना के कारणों की जांच जारी है। अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में संकीर्ण और फिसलन भरी सड़कों के कारण इस तरह के हादसे अक्सर होते हैं।

गुस्साए डॉक्टर ने किया खुलासा कहा- पुलिस 20 गोलियां मारती है कहती है रिपोर्ट में 1 लिखो

शामली (एजेंसी)। डॉक्टरों की रिपोर्ट कैसी बनानी है ये फिल्मों में तय होता दिखाई देता था। लेकिन अब उत्तर प्रदेश के शामली में भी कुछ इसी तरह का मामला होता दिखाई दे रहा है। यहां एक डॉक्टर ने खुलासा किया कि पुलिस किसी आरोपी पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाती है। उसके शरीर में 20 गोलियां लगी दिखाई देती हैं लेकिन पुलिस कहती है कि रिपोर्ट में एक ही लिखो। शामली में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्साधीक्षक डॉ दीपक कुमार पुलिस पर फेक एनकाउंटर के आरोप जड़ दिए। दरअसल, हाल ही में डॉ दीपक कुमार के कैंप कार्यालय से साढ़े पांच लाख रुपये की चोरी हुई थी। खुलासा न होने पर स्वास्थ्यकर्मियों ने बीते बुधवार को पुलिस के खिलाफ धरना-प्रदर्शन किया। शहर कोतवाली में हंगामे के दौरान डॉ दीपक इतने आक्रोशित हो गए कि उन्होंने पुलिस मुठभेड़ों पर गंभीर आरोप लगा दिए। कैमरे में कैद हुए वायरल बयान में डॉ कुमार ने दावा किया, पुलिस खुद मुलजिम को 20 गोली मारकर लाती है, लेकिन सीओ और एसपी खड़े होकर जबरदस्ती रिकॉर्ड में सिर्फ एक गोली लिखवाते हैं। उन्होंने पुलिस को चुनौती देते हुए कहा, हम खोलेंगे इनके चिट्ठे, मानवाधिकार आयोग से जांच कराएं। डॉ के इस बयान से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। हालांकि, बयान वायरल होने के बाद डॉक्टर ने इसे फेक बताया। वीडियो वायरल हुआ तो सवाल उठने लगे।

अहमदाबाद प्लेन हादसे की रिपोर्ट में कहा- परिचालन में कुछ भी गलत नहीं था

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस साल 12 जून को अहमदाबाद से लंदन जाने वाली एयर इंडिया फ्लाइट एआई-171 बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान की थी जो उड़ान भरने के कुछ क्षण बाद एक कॉलेज की इमारत से टकरा गई थी। उसमें सवार 241 लोगों की मौत हो गई और केवल एक व्यक्ति बचा। अब इस हादसे की रिपोर्ट आ गई है। इसमें साफ कहा गया है कि विमान परिचालन में किसी की कोई गलती नहीं है। दुर्घटना के संबंध में विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की जुलाई में जारी शुरुआती जांच रिपोर्ट में संकेत दिया गया था कि एयर इंडिया के परिचालन में 'कुछ भी गलत नहीं था' और उसकी मौजूदा कार्यप्रणाली में किसी बदलाव की जरूरत नहीं है।

विल्सन ने कहा, 'हम जांचकर्ताओं के साथ भी काम कर रहे हैं। हम सीधे तौर पर जांच में शामिल नहीं हैं। यह सरकार की देखरेख में हो रही है। अंतरिम रिपोर्ट में संकेत दिया गया है कि विमान, इंजन अथवा परिचालन में कोई गड़बड़ी नहीं थी। जाहिर तौर पर दूसरों की ही तरह हम भी अंतिम रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। अगर उसमें कुछ सीखने के लिए होगा तो हम निश्चित तौर पर वैसा करेंगे। मगर फिलहाल हम यह सुनिश्चित करने पर ध्यान दे रहे हैं कि हम हर संभव तरीके से उनकी मदद करें। एएआईबी ने 12 जुलाई को एआई-171 दुर्घटना पर अपनी शुरुआती रिपोर्ट जारी की थी, जिसमें पता चला था कि उड़ान भरने के तुरंत बाद दोनों इंजनों में फ्यूल सप्लाई बंद हो गई थी। दोनों फ्यूल कंट्रोल स्विच जल्दी-जल्दी 'कटऑफ' स्थिति में चले गए थे और हालांकि उन्हें लगभग 10 सेकंड बाद फिर से चालू कर दिया गया था। लेकिन इंजन पहले ही बंद हो चुके थे।

रिपोर्ट में कहा गया था कि एक पायलट ने दूसरे से पूछा कि उसने स्विच क्यों बंद किए और दूसरे पायलट ने इससे इनकार कर दिया। रिपोर्ट में यह ब्योरा नहीं दिया गया कि किस पायलट ने क्या कहा। एएआईबी ने तकनीकी खराबी से इनकार नहीं किया और कहा कि चल रही जांच में एविएशन मेडिसिन और मनोविज्ञान विशेषज्ञों को शामिल किया गया है। विमानन कंपनी के मुख्य कार्याधिकारी और प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन ने कहा, 'उद्योग में जो कुछ भी होता है, चाहे वह हमारे साथ हो या दूसरों के, वह आत्मनिरीक्षण का कारण होता है। यह कार्यप्रणाली की समीक्षा करने का कारण होता है। अंतरिम रिपोर्ट में संकेत दिया गया था कि विमान के इंजन या कार्यप्रणाली में ऐसा कुछ भी नहीं था जिसे बदलने की जरूरत हो। बेशक हम हमेशा यह देखते हैं कि हम कैसे सुधार करते रहें, कैसे बेहतर होते रहें और कैसे सीखते रहें।

विल्सन ने यहां एविएशन इंडिया 2025 समिट में पैनल डिस्कशन के दौरान कहा, 'उस दुखद दिन के बाद यह भारत में लोगों से हमारा पहला सार्वजनिक संवाद है। उन्होंने कहा, 'पीड़ित लोगों के लिए, प्रभावित परिवारों के लिए, कंपनी के लिए, स्टाफ के लिए यह बहुत ही दुखद था।

विल्सन ने कहा, 'अहमदाबाद में हमारे 600 से ज्यादा लोग ग्राउंड पर मौजूद थे। हमने टाटा संस के जरिए (प्रभावित लोगों की मदद के लिए) ट्रस्ट बनाया है। हमने सभी प्रभावित परिवारों को एक्स-ग्रेशिया दिया है। जाहिर है कि हमने अंतरिम मुआवजा दे दिया है और अब हम अंतिम मुआवजे पर काम कर रहे हैं। एयर इंडिया और टाटा दोनों की प्रतिबद्धता है कि जो लोग प्रभावित हुए हैं, उन्हें राहत के लिए हम हर मुमकिन कोशिश करेंगे, भले ही इसमें कितना भी वक्त लगे। शुरुआती चरण यानी दुर्घटना के बाद 3 महीनों तक एयर इंडिया ने वाइड बॉडी विमानों के साथ अपनी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में करीब 15 फीसदी की कटौती की थी। विल्सन ने कहा कि ऐसा केवल यह सुनिश्चित करने के लिए किया गया था कि सामान्य से बेहतर जांच के लिए समय मिल सके। साथ ही इस तथ्य को भी साबित किया जा सके कि पायलट और इंजीनियर अब ज्यादा सतर्क हैं।

मोंथा तूफान की तबाही में 8 घंटे में सड़क बहाल, सीएम माझी की जीरो मौत नीति कर गई काम

भुवनेश्वर (एजेंसी)। चक्रवात 'मोंथा' से भारी बारिश के कारण मंगलवार को हुए भूस्खलन ने आर. उदयगिरि ब्लॉक के रामगिरि-बड़गांव घाट मार्ग को पूरी तरह से अवरुद्ध किया था, जिससे पांच गांवों का संपर्क कट गया और गंजाम जिले से मुख्य मार्ग बंद हो गया था। इसपर मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी लगातार चक्रवात की गतिविधि पर नजर बनाए रखने के साथ ही स्थिति की समीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने जीरो कैजुअल्टी पर फोकस रखने के लिए अधिकारियों से लगातार संपर्क में रहे। जैसे ही बुधवार को बारिश कम हुई, गजपति जिला प्रशासन ने एक समन्वित राहत और सफाई अभियान शुरू किया। एनडीआरएफ, पुलिस और प्रशासनिक टीमों की मदद से भारी बोल्डरों और मलबे को नियंत्रित विस्फोट (कंट्रोल्ड ब्लास्टिंग) और दो जेसीबी मशीनों की मदद से हटाया गया। आठ घंटे की लगातार मेहनत के बाद रामगिरि-बड़गांव घाट मार्ग को फिर से वाहनों के लिए खोल दिया गया।

सूत्रों के अनुसार, राहत दल में अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (एडीएम), ब्लॉक विकास अधिकारी (बीडीओ), तहसीलदार, ग्रामीण विकास एवं निर्माण (पूर्त) विभागों के अभियंता और मशीन ऑपरेटर, एनडीआरएफ का एक दल और जिला पुलिस कर्मी शामिल थे। बड़े पत्थरों को तोड़ने के लिए नियंत्रित विस्फोट का उपयोग किया गया, जिसके बाद मलबा हटाने का काम जेसीबी मशीनों की मदद से किया गया। आठ घंटे के भीतर मार्ग को पूरी तरह साफकर यातायात के लिए खोल दिया गया। चक्रवात 'मोंथा' का ओडिशा पर प्रभाव राज्य के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने बुधवार को बताया कि चक्रवात 'मोंथा' और उससे जुड़ी वर्षा पट्टियों से राज्य के 33 ब्लॉक और 11 शहरी क्षेत्रों पर असर पड़ा है।

भूमि अधिग्रहण के खिलाफ होगा बड़ा आन्दोलन: राकेश टिकैत

अलीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने भूमि अधिग्रहण के खिलाफ बड़े आंदोलन का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि जल्द ही इसे लेकर टप्पल इलाके में महापंचायत होगी। इलाके के किसानों ने कई समस्याएं बताई हैं। उन्हें जमीन का उचित और बाजार दर के अनुसार ही मुआवजा मिलना चाहिए। वहीं किसान नेता ने बिहार चुनाव पर कहा कि वहां सरकार विपक्ष को तोड़ने में जुटी है, ऐसे में जनता को सचेत रहना चाहिए।

गुरुवार को टप्पल क्षेत्र के नूरपुर रोड स्थित विजय तालान के आवास पर राकेश टिकैत ने किसानों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने यमुना प्राधिकरण के भूमि अधिग्रहण पर सवाल खड़े किए। मीडिया से कहा कि भूमि अधिग्रहण किसानों के हित में नहीं है। टप्पल, मथुरा और आगरा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर भूमि अधिग्रहण की तैयारी चल रही है। जेवर एयरपोर्ट के विस्तार की शुरुआत हो चुकी है। किसान नेता ने कहा कि किसानों से जमीन तीन से चार हजार रुपये प्रति गज की दर से ली जा रही है, जबकि वही जमीन अथॉरिटी एक लाख रुपये प्रति गज तक में बेच रही है। अगर किसानों को ही मौका दिया जाए, तो वे खुद अपनी जमीन डेवलप करके बेच सकते हैं। किसानों को ठगा जा रहा है, इसलिए इसके खिलाफ अब एक बड़ा आंदोलन जरूरी है।

भाकियू नेता राकेश टिकैत ने कहा कि यमुना प्राधिकरण को लेकर एक बड़ी महापंचायत आयोजित की जाएगी। यह पंचायत वहीं की जाएगी, जहां पर अथॉरिटी द्वारा किसानों की जमीनों का जबरन अधिग्रहण किया जा रहा है। हम प्राधिकरण के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन किसानों के साथ न्याय होना चाहिए। जमीन का नक्शा बनाकर किसानों को बाजार भाव पर मुआवजा दिया जाए। कॉलोनाइजरों को जो कीमतें दी जा रही हैं, वही किसानों को भी मिले। भारतीय किसान यूनियन किसानों के साथ खड़ी है।

बांग्लादेश में लोकतंत्र की बहाली के बाद मैं वहां लौटना चाहूंगी... पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना बीते साल ढाका में छात्र आंदोलन के दौरान अपने महल से हेलिकॉप्टर के जरिए नाटकीय रूप से भागने के बाद से नई दिल्ली में शरण लेकर रह रही हैं। अगस्त 2024 से शेख हसीना दिल्ली में रह रही हैं और अब तक सार्वजनिक जीवन से करीब दूर हैं। उनके देश में वर्तमान में नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में एक अंतरिम सरकार काम कर रही है, जो कि फरवरी 2027 में आम चुनाव कराने का वादा कर चुकी है। वहीं, हसीना दिल्ली में शांत लेकिन एकाकी जीवन बिता रही हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, कुछ महीने पहले हसीना को दिल्ली के ऐतिहासिक लोधी गार्डन में टहलते देखा गया था। उनके साथ दो सादे कपड़ों में सुरक्षा कर्मी मौजूद थे। उन्होंने राहगीरों को सिर हिलाकर नमस्कार किया और कुछ लोगों ने उन्हें पहचान लिया। सूत्रों के मुताबिक, शेख हसीना लुटियंस दिल्ली के हाई सिक्योरिटी में एक सुरक्षित आवास में रह रही हैं। वहां कई पूर्व और वर्तमान सांसद तथा वरिष्ठ अधिकारी रहते हैं। यह आवास भारत सरकार द्वारा दिया गया है। शेख हसीना ने हाल ही में दिए साक्षात्कार में कहा, 'मैं अपने देश लौटना चाहूंगी, लेकिन तभी जब वहां की सरकार वैध हो संविधान का सम्मान हो और कानून व्यवस्था बहाल हो।' उन्होंने कहा कि निर्वासन के बावजूद उनका उद्देश्य लोकतंत्र की बहाली है। उन्होंने ब्रिटिश मीडिया से कहा, 'केवल स्वतंत्र, निष्पक्ष और समावेशी चुनाव ही देश को ठीक कर सकते हैं। शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग ने घोषणा की है कि वह अगले वर्ष होने वाले राष्ट्रीय चुनावों का बहिष्कार करेगी। शेख हसीना ने कहा, 'लाखों लोग अवामी लीग का समर्थन करते हैं। उन्हें मतदान से बाहर रखना देश के लोकतंत्र के लिए घातक है। कोई भी राजनीतिक व्यवस्था तब तक काम नहीं कर सकती जब तक सभी को समान अधिकार न मिले।'

वहीं, अंतरिम सरकार के प्रमुख यूनुस ने कहा कि आगामी चुनावों को अंदरूनी और बाहरी ताकतें विफल करने की कोशिश करेंगी। उनके प्रेस सचिव शफीकुल आलम के अनुसार, 'कई शक्तिशाली ताकतें, न सिर्फ देश के भीतर बल्कि बाहर से भी चुनाव को बिगाड़ने का प्रयास करेंगी। अचानक हमलों की आशंका है।' यूनुस ने कहा कि चुनाव चुनौतीपूर्ण होने हैं, क्योंकि अंदर और बाहर से योजनाबद्ध तरीके से प्रचार और भ्रम फैलाने की कोशिश की जाएगी।

कर्नाटक में खड़गे के राजनीतिक गढ़ में संघ को मिली पथ संचलन निकालने की अनुमति

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के यादगीर जिला प्रशासन ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के राजनीतिक गढ़ गुरमिटकल में पथ संचलन निकालने की सशर्त अनुमति दी है। आरएसएस का यह कार्यक्रम 31 अक्टूबर को आयोजित होगा। जिला उपायुक्त हर्षल बोयल ने अनुमति जारी की, इसके तहत जुलूस नरेंद्र राठौड़ लेआउट से शुरू होकर सम्राट सर्कल, बसवेश्वर सर्कल, हनुमान मंदिर, कुम्बरवाड़ी, मिलन चौक और सीहीनीरु बावी मार्केट मेन रोड से होकर राम नगर में समाप्त होगा। यह अनुमति 23 अक्टूबर को आरएसएस के जिला प्रचार प्रमुख बसप्पा संजनोल द्वारा दिए गए आवेदन के बाद दी गई।

अदालतों में आपराधिक मामलों में आरोप तय होने में लंबी देरी पर चिंतित सुप्रीम कोर्ट

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता का पालन नहीं कर रही अदालतें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को देशभर की अदालतों में आपराधिक मामलों में आरोप तय करने में हो रही लंबी देरी पर चिंता जाहिर की है। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह देरी न्याय प्रणाली की दक्षता पर गंभीर सवाल पैदा करती है। कई बार आरोपी सालों तक जेल में बंद रहते हैं, लेकिन मुकदमा शुरू ही नहीं हो पाता। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि देशभर में कई इसतरह के केस हैं, जिसमें चार्जशीट दाखिल हुए 3-4 साल हो गए, लेकिन मुकदमा शुरू ही नहीं हुआ। शीर्ष अदालत ने साफ संकेत दिया कि वह अब इस समस्या पर पूरे देश के लिए समान दिशानिर्देश जारी करने पर विचार होना चाहिए है, ताकि इस प्रणालीगत देरी को समाप्त कर सके। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सीनियर एडवोकेट सिद्धार्थ लूथरा को अमाइकस क्यूरी (न्यायालय मित्र) नियुक्त किया है। साथ ही भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और अटॉर्नी जनरल से भी विषय पर न्यायालय की सहायता करने को कहा गया है। अदालत ने बिहार राज्य के वकील को भी इस प्रक्रिया में शामिल किया है।

पीठ एक इसतरह के मामले की सुनवाई कर रही थी, जिसमें आरोपी करीब दो साल से जेल में था। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि चार्जशीट 2023 में दाखिल की गई थी, लेकिन अभी तक आरोप तय नहीं हुए हैं। इस पर जस्टिस अरविंद कुमार ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा, दीवानी मामलों में मुद्दे तय नहीं होते, आपराधिक मामलों में आरोप तय नहीं होते। आखिर कठिनाई क्या है? अगर यह स्थिति जारी रही, तब हम पूरे देश के लिए स्पष्ट दिशानिर्देश जारी करने की कोशिश में हैं। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 251(बी) में यह प्रावधान है कि सत्र न्यायालय के मामलों में पहली सुनवाई से 60 दिनों के भीतर आरोप तय किए जाने चाहिए, लेकिन अदालतों में इसका पालन नहीं हो रहा।

बाप रे बाप... अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नाम पर बना दिया फर्जी आधार कार्ड

-रोहित पवार ने उठाया मामला, पुलिस ने एफआईआर दर्ज की

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई पुलिस ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नाम पर कथित रूप से फर्जी आधार कार्ड बनाने और उसका उपयोग फर्जी मतदाता के रूप में पंजीकरण के लिए करने के मामले में अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के विधायक रोहित पवार ने 16 अक्टूबर को दिखाया था कि किस तरह एक वेबसाइट पर फर्जी आधार कार्ड तैयार किए जा रहे थे और उनका उपयोग फर्जी मतदाता के रूप में पंजीकरण के लिए हो रहा था। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सोशल मीडिया प्रकोष्ठ के सह-संयोजक धनंजय वागस्कर ने यह सामग्री एक यूट्यूब चैनल पर देखने के बाद पुलिस शिकायत दर्ज कराई। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि यह धोखाधड़ी का कार्य भारत में एक स्वायत्त संस्थान और उनकी पार्टी (भाजपा) के खिलाफ जनता में क्रोध और घृणा भड़काकर सामाजिक सुरक्षा को खतरे में डालता है। उन्होंने आरोप लगाया कि फर्जी वेबसाइट के माध्यम से समाज के दो समूहों के बीच भ्रम पैदा करने और झगड़ा कराने का प्रयास किया गया। शिकायत के आधार पर, साइबर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत जालसाजी, पहचान की चोरी, झूठी जानकारी प्रसारित करने और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के प्रावधानों के तहत दो अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया। वहीं रोहित पवार ने 16 अक्टूबर को आरोप लगाया था कि पिछले वर्ष लोकसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति के लिए प्रतिकूल परिणाम आने के बाद फर्जी मतदाताओं का पंजीकरण, वास्तविक मतदाताओं के नाम सामूहिक रूप से हटाना और दोहरा मतदाता पंजीकरण जैसी अनियमितताएं हुई थीं। उन्होंने मतदाता वृद्धि के आंकड़ों पर सवाल उठाया, इसमें बताया गया कि 2024 के लोकसभा चुनावों और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के बीच केवल छह महीनों में 48 लाख मतदाताओं को जोड़ा गया।

केंद्र सरकार का ड्राफ्ट तैयार: अब मनुस्मृति के अनुसार तय होगी श्रमिकों की मजदूरी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में ताड़तोड़ परिश्रम कर पसीना बहाकर दो जून की रोटी कमाने वाले मजदूरों की मजदूरी अब मनुस्मृति के अनुसार तय की जाएगी। इस आशय का ड्राफ्ट केंद्र सरकार ने तैयार कर लिया है। बता दें ये वही मनुस्मृति है जिसको लेकर आए दिन राजनीति गर्माती रहती है। केंद्र सरकार की ओर से तैयार की गई लेबर पॉलिसी, 2025 के ड्राफ्ट में इसका जिक्र किया गया है। ड्राफ्ट में बताया गया है कि मनुस्मृति में भी इस बात का उल्लेख किया गया है कि कैसे मजदूरी तय होनी चाहिए और कैसे श्रमिकों के हितों की रक्षा होनी चाहिए। ड्राफ्ट में कई ग्रंथों का जिक्र किया गया है, लेकिन मनुस्मृति को लेकर जिस तरह का विवाद रहा है, उससे आशंका है कि इस पर चर्चा छिड़ सकती है।

इस ड्राफ्ट में कहा गया है कि हमारे ग्रंथों में शुल्क न्याय की बात थी। इसमें बताया गया था कि कैसे किसी मजदूर को समय पर उसका वेतन मिलना जरूरी है और यह एक न्याय है। ऐसा ना किया जाना अन्याय की श्रेणी में रखा गया था। ग्रंथों का जिक्र करते हुए लिखा गया है, मनुस्मृति, याज्ञवल्क्यस्मृति, नारदस्मृति, शुक्रनीति और अर्थशास्त्र जैसे प्राचीन ग्रंथों ने राजधर्म की अवधारणा के माध्यम से श्रम की परिभाषा तय की है। इनमें न्याय, उचित मजदूरी और श्रमिकों को शोषण से बचाने के लिए कर्तव्यों पर जोर दिया गया है। इन प्रारंभिक सूत्रों ने आधुनिक श्रम कानून के उदय से सदियों पहले भारत के सभ्यतागत ताने-बाने में श्रम शासन के नैतिक आधार को अंतर्निहित कर दिया था। ड्राफ्ट में लिखा गया है कि श्रम के बारे में भारत की समझ इसके आर्थिक आयाम से कहीं आगे तक जाती है। यह एक पवित्र और नैतिक कर्तव्य का प्रतीक है जो सामाजिक सद्भाव, आर्थिक कल्याण और सामूहिक समृद्धि को बनाए रखता है। भारतीय विश्वदृष्टि में काम केवल आजीविका का साधन नहीं है बल्कि धार्मिक कर्तव्य के रूप में इसकी व्याख्या की गई है। इसके माध्यम से धर्म की व्यापक व्यवस्था में योगदान की बात भी कही गई है। यह दृष्टिकोण प्रत्येक श्रमिक को सामाजिक सृजन के चक्र में एक अनिवार्य भागीदार के रूप में मान्यता देता है। चाहे वह कारीगर हो, किसान हो, शिक्षक हो या औद्योगिक मजदूर हो, सभी को व्यवस्था के अंग के रूप में स्वीकार किया गया है।

इसके अलावा शुक्रनीति का उल्लेख करते हुए लिखा गया है कि किसी कर्मचारी को सुरक्षित और मानवीय माहौल प्रदान करना नियोक्ता का कर्तव्य है। वहीं इस मामले पर विपक्ष हमलावर हो गया है। कांग्रेस के कई नेताओं ने इस पर आपत्ति जताई है और कहा कि जातिभेद करने वाली मनुस्मृति का जिक्र करना गलत है। इससे पता चलता है कि इनके मूल्य क्या हैं और ये कैसा समाज बनाना चाहते हैं। कांग्रेस के सीनियर लीडर जयराम रमेश ने हमला बोलते हुए कहा कि मनुस्मृति के सिद्धांतों की ओर यह वापसी आरएसएस की सबसे प्रिय परंपराओं के अनुरूप है। आखिरकार,

संविधान के अपनाए जाने के तुरंत बाद आरएसएस ने इस आधार पर संविधान पर हमला किया था कि भारतीय संविधान मनुस्मृति में निहित मनु के आदर्शों और मूल्यों से प्रेरणा नहीं लेता है।